राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

09 शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान के खिलाफ लखनऊ में एफआईआर...

मुझे नहीं लगता कि आईपीएल से स्टोक्स की एशेज में वापसी खतरे में... 11

वर्ष : 13 | अंक : 289 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 03 मार्च, 2023 | फाल्गुन एकादशी, विक्रम संवत् 2079 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

खाद्य सुरक्षा के लिए दुनिया के देश भारत को देख रहे हैं: कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर

नई दिल्ली, एजेंसी

कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने गुरुवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच आधी दुनिया भारत को खाद्य सुरक्षा के लिए आशा भरी नजरों से देख रही है और इससे देश की जिम्मेदारी बढ़ गयी है। श्री तोमर ने पूसा कृषि विज्ञान मेला का उद्घाटन करते हुए कहा कि कोविड संकट के दौरान भी भारत ने दुनिया के विभिन्न देशों की खाद्य आवश्यकताओं को पूरा किया था और 2050 तक की बढ़ती आबादी की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। कोविड के दौरान दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थायें धराशायी हो गयीं थी लेकिन भारत में किसानों के परिश्रम से फसलों की बम्पर पैदावार हुई। कोविड के बाद कृषि क्षेत्र बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से दुनिया चिन्तित है और मौसम में बदलाव

से सबसे ज्यादा कृषि प्रभावित होने वाला है। देश के वैज्ञानिकों से इस चुनौती का मुकाबला करने के लिए अधिक तापमान को झेलने में सक्षम फसलों के बीज तैयार कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि कम जमीन, कम पानी और कम लागत में उत्पादन तथा उत्पादकता बढ़े जिससे 2050 की चुनौतियों का मुकाबला किया जा सके। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि में निजी निवेश आये, नवीनतम तकनीक आये और नये आयाम जुड़े जिससे किसान समृद्ध होंगे जिससे देश समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि कृषि सामान्य क्षेत्र नहीं है बल्कि यह अर्थ व्यवस्था की रीढ़ है। कृषि मुनाफे में आये, यह सामूहिक जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि देश में न केवल भरपूर मात्रा में खाद्यान्न का उत्पादन होता है बल्कि यह बागवानी में भी अव्वल है तथा दूध के उत्पादन में पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों ने अनुसंधान किया और किसानों ने उसे अपनी जमीन पर उतारा जिससे फसलों का उत्पादन बढ़ा। उन्होंने कहा कि पीएम किसान योजना के तहत किसानों को हर साल छह हजार रुपये की आर्थक सहायता दी जाती है और अब तक साढ़े ग्यारह करोड़ किसानों दो लाख 40 हजार करोड़ रुपये की सहायता दी गयी है। श्री तोमर ने ग्रामीण क्षेत्र की चर्चा करते हुए कहा कि वहां आधारभूत सुविधाओं का अभाव है।

मौसम

अधिकतम तापमान 28.0°C

न्यूनतम तापमान 14.0°C

बाजार

सोना	56,00
चांदी	53,200
सेंसेक्स	54,406
निफ्टी	22,303

संक्षिप्त खबरें

महामारी से निपटने के लिए सहयोग की जरूरत

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव राजेश भूषण ने कहा है कि महामारी नियंत्रण के लिए वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग और ज्ञान तथा संसाधनों को साझा करने की आवश्यकता है। श्री भूषण ने बृहस्पतिवार को यहां महामारी कोष से संबंधित संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कहा कि रोग निगरानी और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में भारत द्वारा पहले से ही दी जा रही सहायता का विस्तार होगा। कोविड-19 महामारी के भारत के व्यापक प्रबंधन का उल्लेख करते हुए श्री भूषण ने कहा कि रोग निगरानी और प्रबंधन में भारत की अच्छी स्थिति में रहेगी। उन्होंने महामारी कोष के निर्माण की दिशा में प्रयासों के की सराहना की और इसे एक लचीला और फिट-फॉर-पर्पज ग्लोबल हेल्थ आर्किटेक्चर के निर्माण की खोज में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। संगोष्ठी का आयोजन केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने किया। संगोष्ठी महामारी कोष के कामकाज और हाल ही में घोषित प्रस्तावों पर केंद्रित थी। इसके अलावा, महामारी कोष की कार्यान्वयन संस्थाओं के रूप में भारतीय स्वास्थ्य संगठनों की संभावित भूमिका की भी चर्चा की गई।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर न्यायालय के फैसले का स्वागत, ईडी के लिए भी यही हो: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ के फैसले का स्वागत करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी संस्था के प्रमुख की नियुक्ति को लेकर भी इसी प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। पार्टी प्रवक्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने यह भी कहा कि अब इस फैसले के बाद चुनाव आयोग में बैठे लोगों को इस प्रक्रिया से गुजरकर इस संस्था में आना चाहिए। उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने बृहस्पतिवार को फैसला दिया कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक समिति की सलाह पर की जाएगी, जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल होंगे। न्यायमूर्ति के एम जोसेफ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से अपने फैसले में कहा कि यह नियम तब तक कायम रहेगा जब तक कि संसद इस मुद्दे पर कानून नहीं बना देती। सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा, सरकार के पुरजोर विरोध के बाद यह निर्णय आया है।

भारतीय सभ्यता, लोकाचार से प्रेरणा ले जी-20 : पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों का आज आह्वान किया कि वे महात्मा गांधी एवं गौतम बुद्ध की धरती पर भारतीय सभ्यता एवं लोकाचार से प्रेरणा लें और हमें विभाजित करने वाले मुद्दों की बजाय जोड़ने वाले मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करें। श्री मोदी ने जी 20 विदेश मंत्रियों के सम्मेलन के शुभारंभ के अवसर पर अपने वीडियो संदेश में मेहमान विदेश मंत्रियों का यह आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर अफसोस जाहिर किया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी वैश्विक शासन प्रणाली अपने उद्देश्यों में विफल हो गई है और उसकी विफलता के दुखद परिणाम सबसे अधिक विकासशील देशों को भुगतने पड़ रहे हैं। इसलिए वे विकासशील देशों की आवाज सुनें एवं अपने अपने मतभेदों से ऊपर उठकर विश्व को आर्थिक संकट से उबारने एवं जोड़ने में योगदान दें।

श्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए सभी जी 20 के सदस्य देशों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और विशेष रूप से आमंत्रित देशों के विदेश मंत्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत ने जी 20 अध्यक्षीय काल के लिए 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की थीम का चयन किया है। यह उद्देश्य की एकता और कार्रवाई की एकता की आवश्यकता को दशार्ता है। आशा है कि आज की आपकी बैठक सामान्य और ठोस उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक साथ आने की इस भावना को दर्शाएगी।प्रधानमंत्री ने कहा, हम सभी को यह स्वीकार करना चाहिए कि बहुपक्षवाद आज संकट में है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनाई गई वैश्विक शासन की रचना, दो कार्यों को पूरा करने के लिए थी। सबसे पहले, प्रतिस्पर्धी हितों को संतुलित करके भविष्य के युद्धों को रोकना। दूसरा, समान हितों के मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों का अनुभव-वित्तीय संकट, जलवायु परिवर्तन, महामारी, आतंकवाद और युद्ध-स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि वैश्विक शासन अपने दोनों जनादेशों में विफल रहा है। हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि इस विफलता के दुखद परिणाम सबसे अधिक विकासशील देशों को भुगतने पड़ रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि वर्षों की प्रगति के बाद, आज हम सतत विकास लक्ष्यों की ओर पीछे जाने के जोखिम में हैं। कई विकासशील देश अपने लोगों के लिए भोजन और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश करते हुए, अस्थिर ऋण से जूझ रहे हैं। वे अमीर देशों के कारण होने वाली वैश्विक तापमान वृद्धि से भी सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। यही कारण है कि भारत की जी20 अध्यक्षता ने ग्लोबल साउथ को आवाज देने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री ने कहा, कोई भी समूह अपने निर्णयों से सर्वाधिक प्रभावित लोगों की बात सुने बिना वैश्विक नेतृत्व का दावा नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा, आप गहरे वैश्विक विभाजन के समय मिल रहे हैं। विदेश मंत्रियों के रूप में, यह स्वाभाविक है कि आपकी चर्चा आज के भू-राजनीतिक तनावों से प्रभावित होती है। इन तनावों को कैसे सुलझाया जाना चाहिए, इस पर हम सभी के अपने अपने रुख और हमारे दृष्टिकोण हैं। हालाँकि, दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, हमारी उन लोगों के प्रति भी जिम्मेदारी है जो इस कमरे में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया विकास की चुनौतियों को कम करने के लिए जी20 की ओर देख रही है। विकास, आर्थिक लचीलापन, आपदा लचीलापन, वित्तीय स्थिरता, पारदेशीय अपराध, भ्रष्टाचार, आतंकवाद तथा खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा, इन सभी क्षेत्रों में, जी 20 में आम सहमति बनाने और ठोस परिणाम देने की क्षमता है। श्री मोदी ने कहा, हमें उन मुद्दों को अनुमति नहीं देनी चाहिए जिन्हें हम एक साथ हल नहीं कर सकते हैं जो हम कर सकते हैं। जैसा कि आप गांधी और बुद्ध की भूमि में मिलते हैं, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप भारत के सभ्यतागत लोकाचार से प्रेरणा लें-जो हमें विभाजित करता है उस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए नहीं, बल्कि उस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जो हमें जोड़ता है। उन्होंने कहा, हाल के दिनों में हमने सदी की सबसे विनाशकारी महामारी देखी है। हमने प्राकृतिक आपदाओं में हजारों लोगों की जान जाते देखा है। हमने तनाव के समय में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को टूटते देखा है। हमने स्थिर अर्थव्यवस्थाओं को अचानक ऋण और वित्तीय संकट से अभिभूत होते देखा है। ये अनुभव स्पष्ट रूप से हमारे समाजों में, हमारी अर्थव्यवस्थाओं में, हमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में और हमारे बुनियादी ढांचे में झ लचीलेपन की आवश्यकता को दशार्ते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, जी20 को एक तरफ विकास और दक्षता के बीच सही संतुलन खोजने और दूसरी तरफ लचीलापन खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। हम एक साथ काम करके इस संतुलन को और आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए आपकी बैठक बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जी 20 की सामूहिक बुद्धिमता और क्षमता पर पूरा भरोसा व्यक्त करते हुए कहा, मुझे विश्वास है कि आज की बैठक महत्वाकांक्षी, समावेशी, कार्य उन्मुख होगी और मतभेदों से ऊपर उठेगी। प्रधानमंत्री के संदेश से पहले जी 20 विदेश मंत्रियों ने सीरिया एवं तुर्की में विनाशकारी भूकंप में हताहत लोगों के लिए दो मिनट मौन रख कर श्रद्धांजलि दी। बैठक में अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, चीन के नये विदेश मंत्री चिन गांग, विश्व व्यापार संगठन, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूरोपीय आयोग आदि के प्रतिनिधि मौजूद थे।

इटली की प्रधानमंत्री भारत पहुंचीं, रायसीना संवाद में हिस्सा लेंगी

नई दिल्ली, । इटली की प्रधानमंत्री ज्यॉर्जिया मेलोनी का बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति भवन में रस्मी स्वागत किया गया। मेलोनी रक्षा और आर्थिक क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए बृहस्पतिवार को भारत की आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचीं। यह पिछले पांच वर्षों में किसी यूरोपीय देश के शीर्ष नेता का पहला भारत दौरा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में मेलोनी का स्वागत किया, जहां उन्हें तीनों सेनाओं ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मोदी और मेलोनी के बीच बृहस्पतिवार दोपहर विभिन्न द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय ने मोलोनी की यात्रा से पहले एक बयान जारी कर कहा, दोनों पक्ष नवंबर 2020 में हुए शिखर सम्मेलन के प्रमुख निष्कर्षों की प्रगति का जायजा लेंगे, सुरक्षा और रक्षा सहयोग को मजबूत करेंगे, घनिष्ठ आर्थिक संबंधों की स्थापना की दिशा में काम करेंगे, प्रतिभाओं के लिए अवसर बढ़ाने के उपायों पर विचार करेंगे और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में जारी सहयोग को रणनीतिक मार्गदर्शन देंगे। दिल्ली हवाई अड्डे पर केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती पवार ने मेलोनी की अगवानी की। मेलोनी के साथ इटली के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री अंतोनियो ताजानी और एक उच्चस्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। मेलोनी बृहस्पतिवार की शाम से शुरू हो रहे आठवें रायसीना संवाद में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल होंगी। वह विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात करेंगी। भारत और इटली इस वर्ष दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष मना रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि भारत और इटली के बीच बहुआयामी द्विपक्षीय संबंध साझा सांस्कृतिक मूल्यों, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता, हरित ऊर्जा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और रक्षा क्षेत्र में सहयोग तथा क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर साझा रुख पर आधारित हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इटली की अपनी समकक्ष मेलोनी से की वार्ता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को यहां इटली की अपनी समकक्ष ज्यॉर्जिया मेलोनी के साथ बातचीत की और बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को आगे ले जाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मेलोनी के राजकीय दौरे पर यहां पहुंचने पर राष्ट्रपति भवन में उनका रस्मी स्वागत किया गया। बाद में मोदी ने हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता शुरू करने से पहले मेलोनी का अभिवादन किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, राजनीतिक, व्यापार एवं आर्थिक, रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, स्वास्थ्य, वाणिज्य दूतावास और सांस्कृतिक क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक विस्तृत एजेंडे का इंतजार है। बागची ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और उनके इतालवी समकक्ष के बीच बातचीत चल रही है। बागची ने कहा, दोनों नेता विकास को बढ़ावा देने, विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को व्यापक बनाने और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर तालमेल को गहरा करने की परस्पर प्रतिबद्धता के साथ बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को आगे ले जाने पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। भारत और इटली इस वर्ष राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष मना रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि बहुआयामी द्विपक्षीय संबंध साझा सांस्कृतिक मूल्यों, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता, हरित ऊर्जा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर आधारित हैं। मेलोनी के साथ इटली के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री अंतोनियो ताजानी और एक उच्चस्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। मेलोनी बृहस्पतिवार की शाम से शुरू हो रहे आठवें रायसीना संवाद में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल होंगी।

अगर महिलाएं और बच्चे सुरक्षित नहीं तो देश अपनी उपलब्धियों का जश्न नहीं मना सकता : रीजीजू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोई समाज या देश उस स्थिति में अपनी उपलब्धियों का जश्न नहीं मना सकता, जब उसकी महिलाएं और बच्चे सुरक्षित नहीं हैं। रीरीजू ने बाल यौन शोषण के अपराध को सबसे गंभीर और परेशान करने वाली चुनौतियों में से एक करार दिया। दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) द्वारा बाल यौन शोषण सामग्री विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में कानून मंत्री ने कहा, में कानूनी प्रावधानों के परे जाकर देखना होगा और महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समाज को एकजुट होना चाहिए। रीजीजू ने सम्मेलन को समयानुकूल और प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इससे ठीक निष्कर्ष निकलकर सामने आएंगे। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि अगर किसी समाज या देश में महिलाएं और बच्चे सुरक्षित नहीं हैं, तो वह अपनी उपलब्धियों का जश्न नहीं मना सकता। उन्होंने खासतौर पर बच्चों के खिलाफ होने वाली हिंसा से निपटने पर जोर दिया और सभी हितधारकों और समाज से इसकी रोकथाम की दिशा में अधिक प्रयास करने का आग्रह किया। रीजीजू ने कहा, बच्चों के खिलाफ हिंसा, खासकर बाल यौन शोषण मुझे लगता है, और यह सभी के लिए, सबसे गंभीर और परेशान करने वाली चुनौती है।

प्राकृतिक संसाधनों का चिकित्सा में सर्वोत्तम उपयोग किया भारत ने

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय आयुष मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा है कि भारत ने लोगों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के साथ-साथ सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आयुर्वेद और चिकित्सा की अन्य पारंपरिक प्रणालियों के माध्यम से उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग किया है। श्री सोनोवाल ने बृहस्पतिवार को असम के गुवाहाटी में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के तहत पारंपरिक चिकित्सा पर पहले वैश्विक सम्मेलन और प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत के सहयोग से जामनगर में स्थापित किया जा रहा ह्यविश्व स्वास्थ्य संगठन पारंपरिक चिकित्सा के लिए वैश्विक केंद्रह्न सभी सदस्य देशों को पारंपरिक चिकित्सा की शिक्षा और प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए अपने संबंधित देशों में उचित कदम उठाने में मदद करेगा। उद्घाटन समारोह में एससीओ के 17 देशों के भागीदारों के 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। चार देश ऑनलाइन शामिल हुए। समारोह में आयुष और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. महेंद्रभाई मुंजपारा, म्यांमार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ थेट खिंग विन और मालदीव के उप स्वास्थ्य मंत्री सफि या मोहम्मद सईद तथा आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। श्री मुंजपारा ने कहा कि भारत आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और सोवा-रिग्पा की शिक्षा की गुणवत्ता आश्वासन पर बहुत जोर देता है।

जी-20 वैश्विक संकट को लेकर एक साथ आ चुके हैं और आज एक बार फिर, वास्तव में, एक से अधिक संकट का सामना कर रहे हैं....

जी20 दुनिया को दिशा प्रदान करे : विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने बृहस्पतिवार को जी20 समूह से आग्रह किया कि वह यूक्रेन संघर्ष को लेकर पश्चिमी देशों और रूस-चीन गठजोड़ के बीच बढ़ते तनाव के दौरान वैश्विक चुनौतियों से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए एक सामूहिक संदेश दे। जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूक्रेन विवाद का उल्लेख किए बिना कहा कि समूह को आम सहमति कायम करते हुए दुनिया को दिशा प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हालांकि कुछ ऐसे मामले भी हैं, जिनको लेकर तीखे मतभेद हैं। जयशंकर ने कहा, हमें यह याद रखना चाहिए कि इस समूह पर एक असाधारण जिम्मेदारी है। पहले हम एक वैश्विक संकट को लेकर एक साथ आ चुके हैं और आज एक बार फिर, वास्तव में, एक से अधिक संकट का सामना कर रहे हैं। जयशंकर ने कुछ प्रमुख चुनौतियों पर चिंता व्यक्त की, जिनमें कोविड महामारी के प्रभाव, कमजोर आपूर्ति श्रृंखलाएं, संघर्षों से उत्पन्न प्रभावों और ऋण संकट जैसी चुनौतियां शामिल हैं। उन्होंने कहा, इन मुद्दों पर विचार करते समय हम सब हमेशा एक मत नहीं हो सकते। वास्तव में, कुछ ऐसे मामले हैं, जिनको लेकर तीखे वैचारिक मतभेद हैं। फिर भी, हमें आम सहमति कायम करते हुए दुनिया को दिशा प्रदान करनी चाहिए, क्योंकि वह हमसे यही उम्मीद कर रही है। उन्होंने समूह से आग्रह किया कि वह यूक्रेन संघर्ष को लेकर पश्चिमी देशों और रूस-चीन गठजोड़ के बीच बढ़ते तनाव के दौरान खाद्य तथा ऊर्जा सुरक्षा समेत वैश्विक चुनौतियों से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए एक सामूहिक संदेश दे।

जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री से की मुलाकात, यूक्रेन विवाद और जी20 के एजेंडे पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ द्विपक्षीय संबंधों और यूक्रेन संघर्ष सहित विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर बृहस्पतिवार को वार्ता की। यह बैठक राष्ट्रीय राजधानी में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर हुई। जयशंकर ने ट्वीट किया, अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन से मिलकर खुशी हुई। द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर मिला। ऐसा समझा जाता है कि वार्ता में यूक्रेन विवाद और जी20 के लिए भारत के एजेंडे पर चर्चा हुई। ब्लिंकन जी20 के विदेश मंत्रियों की एक अहम बैठक में हिस्सा लेने के लिए बुधवार रात राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे थे। यह बैठक यूक्रेन संघर्ष को लेकर पश्चिमी देशों तथा रूस-चीन गठबंधन के बीच तनाव की पृष्ठभूमि में हो रही है। ब्लिंकन के शुक्रवार को क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी भाग लेने की संभावना है। जी20 बैठक के पहले सत्र में भाग लेने के बाद ब्लिंकन ने ट्वीट किया, ह्यह्यमैं आज जी20 में दो प्रमुख कारणों से गया: पहला, यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारत की अध्यक्षता में जी20 समूह हमारे साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाए और दूसरा यह बताने के लिए कि कैसे अमेरिका, हमारे साझेदारों के साथ मिलकर, दुनिया की जरूरतों को पूरा करने के वास्ते काम कर रहा है।₹ जी20 समूह दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी मंच है। इस समूह में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं।

जी 20 सम्मेलन से बदलेगी रामनगर की तस्वीर

प्रात : किरण, संवाददाता

रामनगर/हल्द्वानी। रामनगर में प्रस्तावित जी 20 समिट की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने तहसील रामनगर सभागार में वन, स्वास्थ्य, विद्युत, पुलिस, शिक्षा, सिंचाई, पंचायत, नगर निकाय, लोनोवि, राष्ट्रीय राजमार्ग आदि विभागों के अधिकारियों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि रामनगर में 28 से 30 मार्च तक प्रस्तावित जी 20 समिट में चीफ साइंस टेबल राउंड कॉन्फ्रेंस आयोजित होगी। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा से निर्वहन करें। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने बताया कि विदेशी डेलीगेट्स जनपद में गड़प्पू-नयागांव-बैलपड़ाव- डिग्री कॉलेज रामनगर-ढिकुली के मार्ग से आएंगे। इस मार्ग में आने वाली समस्त सरकारी सम्पतियों के रंग रोगन, मरम्मत, सुधारीकरण के निर्देश सम्बन्धित विभाग को दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग को कोसी बैराज, पार्क, रैलिंग व आस पास की सम्पत्तियों में इस तरह से रंग रोगन करने को कहा जिससे बैराज आकर्षक व सुंदर लगे। विद्युत विभाग को झूलते तारों को सुदृढ़,आवश्यकता अनुसार पोलों की मफ्फिंग,रामनगर शहर के यातायात मर बाधित बनने वाले पोलों को अन्यत्र शिफ्ट करने, सड़क के किनारे स्थित लो टेंशन लाइन को बंद केबल में करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी गर्ब्याल ने निर्माणदायी संस्थाओं को कहा कि मार्ग में स्थापित होने वाले साइनेज में एकरूपता के साथ ही अंकित शब्द पठनीय होने चाहिए। राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिशासी अभियंता को काशीपुर से रामनगर सड़क को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को रामनगर अस्पताल में कार्डियोलोजिस्ट के साथ ही अन्य समस्त विशेषज्ञों की टीम, एम्बुलेंस लाइफ सपोर्ट, पर्याप्त मात्रा में एन्टी वेनम, एन्टी रेबीज के इंजेक्शन, ब्लड की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी रामनगर को सरकारी सम्पत्तियों व अन्यत्र लगी होर्डिंग्स, बैनर, पोल कियोस्क को हटाने के निर्देश दिए। कहा कि समय समय पर यह अभियान स्वयं चलाया जाना चाहिए। वही जिलाधिकारी ने डीएफओ कॉर्बेट नेशनल पार्क को ढिकुली में प्लांटेशन, लैंडस्केपिंग व सौंदर्यीकरण के कार्य के साथ ही पार्क की बाउंड्री व अन्य सम्पत्तियों को आकर्षक बनाने को कहा। जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण को डिग्री कॉलेज, रामनगर व ढिकुली की ओर सड़क के दोनों तरफ उत्तराखंड की संस्कृतियों को प्रदर्शित करते हुए लाइटनिंग फसाड़ बनाने के निर्देश दिए। इधर जिलाधिकारी ने विभागों द्वारा प्रतिदिन किए जा रहे कार्यों के भौतिक सत्यापन के लिए 04 सेक्टर अधिकारी नियुक्त किये। गड़प्पू से नया गांव तक अधीक्षण अभियन्ता, जल निगम विवेक बंसल, नया गांव से बैलपड़ाव तक अधीक्षण अभियंता, जल संस्थान विशाल सक्सेना, बैलपड़ाव से डिग्री कॉलेज रामनगर तक अधीक्षण अभियन्ता, लोनिवि नैनीताल राजेन्द्र सिंह सयाना, डिग्री कॉलेज रामनगर से ढिकुली कॉर्बेट गेट तक अधीक्षण अभियन्ता, राष्ट्रीय राजमार्ग, अरुण पांडेय को सेक्टर अधिकारी नियुक्त किया है। इन 04 सेक्टर अधिकारी द्वारा विभागों द्वारा किये जा रहे कार्यों का स्वयं स्थलीय निरीक्षण फोटोग्राफ्स के साथ भौतिक प्रगति की रिपोर्ट जिलाधिकारी को दी जायेगी। जिलाधिकारी ने अपर मुख्य अधिकारी, पंचायत कोवन विभाग व नगरपालिका के साथ समन्वय स्थापित करते हुए क्षेत्र में अधिक सक्रिय होकर स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने होटल एसोसिएशन की बैठक लेते हुए समस्त होटल संचालकों को मार्ग पर उनके होटल की आड़े तिरछे लगी प्रचार सामग्री को हटाने के निर्देश दिए। कहा कि सभी होटल स्वामी / संचालक एकरूपता, एक साइज,एक रंग व रोड के साथ लगते हुए साइनेज लगाए। बैठक में होटल स्वामियों ने कहा कि यह उनके लिए भी गौरव का पल है तथा इसमें जिला प्रशासन का हर सम्भव सहयोग किया जाएगा। होटल एसोसिएशन की बैठक में ढिकुली के होटल स्वामियों द्वारा नया गांव से रामनगर मार्ग में आने वाले विद्यालयों की दशा को सुधार हेतु सहमति दी गई। होटल स्वामी अपने सीएसआर फंड से जीर्ण शीर्ण विद्यालयों की चारदीवारी, रंग रोगन व मरम्मत के कार्य कराएंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पंकज भट्ट, डीएफओ कुंदन कुमार, सीडीओ डॉ संदीप तिवारी, सीएमओ डॉ भागीरथी जोशी, अपरजिलाधिकारी अशोक जोशी, एएसपी हरबंस सिंह, उपजिलाधिकारी रामनगर गौरव चटवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

महिला को चाकू मारकर घायल करने वाले आरोपी को भेजा जेल

बाजपुर ।सीओ भूपेंद्र सिंह भंडारी ने बताया ग्राम दियोहरी निवासी संजीव सिंह पुत्र हरनाम सिंह ने कोतवाली मे तहरीर देकर बताया ग्राम अजीमुल्ला भूड़ी निवासी विक्रम पुत्र दोजा के खिलाफ तहरीर देकर आरोप लगाते हुए बताया 28 फरवरी को 3:00 बजे घर पर मेरी माता आंगन में बैठी थी विक्रम चाकू ने मेरी माता को गाली गलौज करते हुए माता के सीने पर हाथ पैरों पर उसने चाकू से कई वार किए जिसमें घायल हो गई। उन्होंने बताया वरहैनी चौकी इंचार्ज प्रकाश बिष्ट ने मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया यहां से उप कारागार जेल हल्द्वानी भेज दिया गया।

बेरोजगार युवकों को रोजगाार

रूद्रपुर ।जिला सेवा योजन अधिकारी आरके पंत ने बताया कि सुरक्षा कार्यों के लिए बेरोजगार युवकों को रोजगाार उपलब्ध कराने के लिए के सभी विकास खण्डों पर तिथिवार सुरक्ष सैनिक भर्ती कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। उन्होने बताया कि स्किल इंडिया नई दिल्ली एवं जीडीएक्स इडिण्या लि. नोएडा के संयुक्त तत्वाधान में सुरक्षा कार्यों के लिए चयनित उम्मीदवारों को ट्रैनिंग एकेडमी नोएडा में 15 दिन का प्रशिक्षण उपरान्त स्थायी नियुक्ति देने के लिए शिविर का आयोजन किया जायेगा। जीडीएक्स के डिप्टी कमाण्डेण्ट रामकिशन ने बताया कि विकास खण्ड कार्यालय पर प्रातः 10:00 बजे से सांय 3:00 बजे तक अलग-अलग विकास खण्डों में भर्ती आयोजित की जाएगी जिसमें तीन विकास खण्डों काशीपुर, बाजपुर व गदरपुर में शिविर आयोजित कर 42 अभियार्थियों का चयन किया गया। जिला सेवा योजन अधिकारी ने बताया कि 03 मार्च 2023 को जिला सेवायोजन कार्यालय रूद्रपुर, 04 मार्च 2023 को विकास खण्ड कार्यालय सितारगंज, एवं 06 मार्च 2023 को विकास खण्ड कार्यालय खटीमा में आयोजित किया जाएगा। उन्होने बताया कि इस भर्ती के इच्छुक अभ्यार्थी जो 10वीं पास उम्र 18 से 45 वर्ष, न्यूनतम ऊँचाई 167 सेमी. और वजन 52 से 95 किग्रा. के बीच हो वही अभ्यर्थी पात्र होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी समस्त दस्तावेजों एवं आधार कार्ड की फोटोकॉपी एवं एक फोटो व फार्म फीस 200 रू0 के साथ निर्धारित तिथि को विकास खण्डों में उपस्थित हों। चयनित अभ्यर्थियों को स्थाई नियुक्ति के साथ वेतनमान 12,000 से 15,000 दिया जायगा। साथ ही पी.एफ, ग्रेच्युटी, बोनस, ई.एस.आई.सी. द्वारा मेडिकल की सुविधा, सालाना वेतन वृद्धि, प्रमोशन आदि सुविधाएं देय होंगी। प्रशिक्षण समाप्ति के बाद जीडीएक्स कम्पनी द्वारा द्वारा ट्रैनिगं प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

शहरी गरीबों के लिये वरदान है शहरी स्वास्थ्य मिशन: धन सिंह रावत

- पांच जनपदों के 38 स्वास्थ्य केन्द्रों पर संचालित की जा रही है योजना
- विगत वर्ष 4 लाख से अधिक शहरी गरीबों ने उठाया योजना का लाभ

प्रात : किरण, संवाददाता

देहरादून/हल्द्वानी। सूबे में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। राज्य सरकार विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों में आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में जुटी है। इसी क्रम में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम के तहत प्रदेश के पांच जनपदों के 38 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर शहरी गरीब आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं। योजना के अंतर्गत पिछले वित्तीय वर्ष में चार लाख से अधिक मरीजों को निःशुल्क उपचार दिया गया जबकि ई-संजीवनी के माध्यम से 1 लाख 16 हजार से अधिक लोगों को टेलीकांसल्टेंसी सुविधा दी गई।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि राज्य में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों की गरीब आबादी को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये दृढ संकल्पित है। प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। डॉ. रावत ने बताया कि प्रदेश के पांच जनपदों देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी, नैनीताल एवं ऊधमसिंह नगर की शहरी आबादी के लिये राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य सेवाएं संचालित की जा रही है। योजना के तहत 38 शहरी प्राथमिक केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं, जिसमें देहरादून, हरिद्वार, रूड़की एवं हल्द्वानी में लोक निजी सहभागिता (एनजीओ) के माध्यम से प्राथमिक केन्द्र स्थापित किये गये हैं जबकि 11 प्राथमिक केन्द्र राजकीय सहभागिता से संचालित किये जा रहे हैं। इन शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर अप्रैल 2022 से जनवरी 2023 तक चार लाख 19 हजार 714 मरीजों का इलाज किया गया। इसके साथ ही ए.एन.सी. के लिये 23 हजार 456 गर्भवतियों का पंजीकरण कराया गया, जबकि एक लाख 72 हजार 654 विभिन्न पैथालोजी जांच की जा चुकी है। विभागीय मंत्री ने बताया कि शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के रूप में भी काम कर रही हैं, जिसमें स्वास्थ्य गतिविधियों के साथ-साथ योग सत्र भी शुरू कर दिये गये हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य केन्द्रों पर ई-संजीवनी रेफरल संचालित की जा रही है, जिसके अंतर्गत अबतक 1 लाख 16 हजार 555 टेलीकांसल्टेंसी प्रदान की जा चुकी है। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 1114 महिला आरोग्य समितियां कार्यरत हैं जो शहर की मलिन बस्तियों में महिला स्वास्थ्य जागरूकता, सशक्तिकरण, आजीविका संवर्धन आदि विभिन्न गतिविधियों के संचालन में सहयोग करेंगी। विभागीय मंत्री ने बताया कि प्रदेश में शहरी स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत बेहतर कार्य करने के लिये सेलमपुर, रूड़की के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को वर्ष-2022 के लिये कायाकल्प गुणवत्ता पुरस्कार भी मिल चुका है। इसी योजना के अंतर्गत भूपतवाला, जनपद हरिद्वार तथा मेहूंवाला जनपद देहरादून में 30-30 बेड के शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापित की जा रही है जिसका निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया कि 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत यूपीएचसी में निःशुल्क डायग्नोस्टिक सेवाएं भी शुरू कर दी गई है, जिसके तहत 53 जांचों का अतिरिक्त लाभ शहरी गरीब आबादी को मिल सकेगा।

शहरी स्वास्थ्य मिशन के उद्देश्य

सूबे में संचालित शहरी स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत शहरी आबादी में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों की देखभाल, टीकाकरण, ए.एन.सी., पी.एन.सी की सेवाएं देना तथा परिवार कल्याण की स्थाई एवं अस्थाई विधियों हेतु पात्र दम्पतियों संदर्भित करना है। इसके अलावा अपने-अपने क्षेत्रों राष्ट्रीय कार्यक्रमों को संचालित कराना, सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर के रूप में भी संचालित करना है।

प्रधानाध्यापक के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन

हल्द्वानी। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चौसला के प्रांगण मे प्रधानाध्यापक भैरव दत्त जोशी के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रधानाध्यापिक कविता रावत द्वारा की गई तथा संचालन ब्लाक अध्यक्ष रा0 प्रा0 शि0 सघं मदन बर्तवाल द्वारा किया गया। सर्वप्रथम सेवानिवृत प्रधानाध्यापक भैरव दत्त जोशी का सभी अध्यापक/अध्यापिकाओं द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा ग्राम प्रधान भूपाल सिंह बिष्ट, भूतपूर्व ग्राम प्रधान ललित मोहन बोहरा, भूतपूर्व ग्राम प्रधान एवं विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष मुहम्मद यासीन द्वारा जोशी जी को शाल ओढ़ाकर कर स्वागत किया गया। सी0 आर0 सी0 समन्वयक विकास जायसवाल तथा उत्तराखंड प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संगठन के ब्लॉक महामंत्री मतलूब हसन अंसारी ने सभा को संबोधित करते हुए जोशी के दीघार्यु होने की कामना की तथा उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके उज्जवल उज्जवल भविष्य की कामना की।

किच्छा पुलिस टीम ने की बडी कार्यवाई 7 वांछित आरोपी गिरफ्तार

किच्छा। किच्छा कोतवाली पुलिस ने वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर विशेष अभियान चलाकर सात वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिनके खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हे न्यायालय भेज दिया। वरिष्ठ उप निरीक्षक सुनील सुतेडी ने बताया कि उनके साथ टीम में शामिल उ0नि0 सतीश शर्मा चैकी इंचार्ज लालपुर, उ0नि0 ओमप्रकाश नेगी, का0 जगमोहन, का0 बृजमोहन, का0 भगवत व का0 विजय कुमार ने आरोपी प्रदीप कुमार पुत्र सीताराम निवासी पुरानी चीनी मील कलौनी किच्छा, रामचन्द्र पुत्र कन्हई लाल निवासी बण्डिया भट्टा किच्छा, माधोराय पुत्र केशवलाल राय निवासी कमलानगर चुकटी देवरिया लालपुर किच्छा, रुपनारायण शर्मा पुत्र नौबतराम शर्मा निवासी वार्ड न0 06 नई सुनहरी किच्छा, योगेश यादव पुत्र महेन्द चैधरी निवासी आनंद पुर किच्छा, विजयपाल यादव पुत्र महेन्द्र चैधरी निवासी आनन्दपुर थाना किच्छा व पुष्पा पत्नी नत्थू निवासी पुरानी गल्ला मण्डी किच्छा को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

10 गरीब परिवारों की पुत्रियों के विवाह के लिए श्री बेहड ने 99650 रुपए के आर्थिक सहायता चैक वितरित किए

प्रात : किरण, संवाददाता

किच्छा। क्षेत्रीय विधायक तिलकराज बेहड़ के कार्यालय में विधायक प्रतिनिधि गौरव बेहड ने विधानसभा के 10 गरीब परिवारों को पुत्रियों के विवाह हेतु 99650 रुपए के चेक वितरित किए जिसमें प्रत्येक परिवार को 9965 रुपए का चेक प्राप्त हुआ। विधायक तिलकराज बेहड़ ने दूरभाष के द्वारा बताया कि उनको विधानसभा में निवास कर रहे गरीब परिवारों ने आर्थिक मदद तथा पुत्रियों के विवाह हेतु मदद करने के लिए आवेदन दिए थे तथा उनका पूरा प्रयास है कि सब तक सरकार के माध्यम से आर्थिक मदद पहुंचा सके, इसी संबंध में उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूरी जी से मुलाकात कर 10 आवेदन दिए थे जिन पर विधानसभा अध्यक्ष जी ने संस्तुति करते हुए 10 परिवारों को प्रत्येक परिवार को 9965 की धनराशि के चैक भेजे है जिनको आज मेरे कार्यालय मैं लाभार्थियों को प्रदान किया जा रहा है। चेक प्राप्त करने वाले लाभार्थी आवास विकास निवासी सोमवती, संजय नगर फूलबाग पंतनगर निवासी ध्रुवदेव शर्मा, नगला चोराहा पंतनगर निवासी सुमन देवी, वार्ड नंबर 1 चुटकी देवरिया निवासी धन सिंह नयाल, आवास विकास किच्छा निवासी पार्वती, ग्राम शिमला पिस्तौर लालपुर निवासी बेबी पात्रों, गोकुल नगर तुकागौरीगोरी निवासी लियाकत, ग्राम अंजनिया तहसील किच्छा निवासी तारावती, देवरिया निवासी गणेश राम, मस्जिद कॉलोनी जवाहर नगर निवासी हिसामुल अंसारी को कुल 10 चैकों का वितरण किया गया तथा प्रत्येक लाभार्थी को 9965 रुपए का चेक प्राप्त हुआ। इस मौके पर किच्छा नगर पालिका अध्यक्ष दर्शन कोली, किच्छा कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भूपेन्द्र चैधरी, कांग्रेस कमेटी ब्लॉक अध्यक्ष गुड्डू तिवारी, महिला कांग्रेस नगर अध्यक्ष सुनीता कश्यप, परमजीत सिँह पम्मी ,धर्मेन्द्र सिन्धी,एन यू खान, डिंपल सिँह,जमील अहमद, आरिफ आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस और एसओजी ने स्मैक के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार

हल्द्वानी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल पंकज भट्ट ने लक्ष्य नशा मुक्त जनपद नैनीताल को सुदृढ बनाने हेतु मादक पदार्थों की बिक्री करने वाले तस्करों के विरुद्ध अपनेझअपने थाना क्षेत्रों में अपराधों की रोकथाम हेतु कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है। जिस क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी हरबंश सिंह, क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी भूपेन्द्र सिंह धौनी के निर्देशन में प्रभारी थानाध्यक्ष बनभूलपुरा मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम और एसओजी ने एक स्मैक तस्कर को 52 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार प्रभार थानाध्यक्ष मनोज यादव, कांस्टेबल रिजवान अली, हेड कांस्टेबल एसओजी कुंदन कठायत, कांस्टेबल एसओजी दिनेश नगरकोटी के द्वारा मादक पदार्थों की बिक्री की रोकथाम व धरपकड अभियान के तहत अभियुक्त हरप्रीत बिंद्रा उर्फ बूंदा सरदार पुत्र मनमोहन सिंह निवासी टीआरवी स्कूल उत्तर गोजाजाली बरेली रोड थाना बनभूलपुरा हल्द्वानी के कब्जे से 52 ग्राम अवैध स्मैक बरामद कर गिरफ्तार किया गया। तथा अभियुक्त के विरुद्ध थाना बनभूलपुरा में संबंधित धाराओं के अंतर्गत एनडीपीएस एक्ट में मामला पंजीकृत किया गया हैं। अभियुक्त द्वारा दौराने गिरफ्तारी व पूछताछ में बताया गया कि बरामदा स्मैक जसमीत सिंह उर्फ वीरा नामक व्यक्ति से जो गौलापार में रहता है से खरीदकर लाना बताया गया।

प्रदेश के धावकों के लिये देश की पहली स्नो मैराथन का न्योता

- 12 मार्च को देश के कोने कोने से हिमाचल के लाहौल में जुटेंगे मैराथनर्स,
- मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु बढ़ायेंगें धावकों का उत्साह

देहरादून। स्नो मैराथन लाहौल के पहले संस्करण की अपार सफलता के बाद इसका दूसरा संस्करण आगामी 12 मार्च 2023 को जिला लाहौल और स्पीति स्थित अटल टनल नॉर्थ पोर्टल के निकट सिस्सू में आयोजित किया जा रहा है। जिला लाहौल और स्पीति प्रशासन तथा रीच इंडिया के सहयोग से होने वाले इस आयोजन में पुरुषों और महिलाओं के लिये 42 किलोमीटर की फुल, 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन, दस किलोमीटर और पांच किलोमीटर की मैराथन होंगीं। यह आयोजन भारत सरकार के फिट इंडिया मूवमेंट से मान्यता प्राप्त है। आयोजक गौरव शिमर ने बताया इस दौरान हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु मैराथन में भाग लेकर धावकों का उत्साह बढ़ायेंगें। भारत विश्व की उन दस स्नो और आईस मैराथन में शामिल हो गया जहां इस सहासिक खेल का आयोजन होता है। मूलतः यह आयोजन आर्किटिक सर्कल, नॉर्थ पोल की लोकेशंस जैसे साईबेरिया, अंटार्टिका आदि स्थनों में होता है। गत वर्ष मार्च 26, 2022 को देश में पहली बार इस सफल आयोजन से हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति को लगभग दस हजार फीट सबसे ऊंची स्नो मैराथन करवाने का गौरव प्राप्त हुआ जिसे इस वर्ष भी कायम किया जा रहा है। सभी धावकों को चोटिल होने या किसी भी अप्रिय घटने से बचाने के लिये मोहाली स्थित फोर्टिस डॉक्टरों और पैरामेडिकल की टीम आयोजन से एक दिन पहले और दौरान दो एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस के साथ मेडिकल सुरक्षा प्रदान करेगी। गार्मिन गत संस्करण की तरह इस वर्ष भी स्नो मैराथन में अवार्ड प्रायोजक के रुप में जुड़ा है। गार्मिन इंडिया के कंट्री हेड येशुदास पिल्लई ने कहा कि इस साझेदारी को जारी रखते हुये गार्मिन का लक्ष्य पेशेवर और शौकिया धावकों को समर्थन देकर फिटनेस के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूती प्रदान करना है। मैराथन के आयोजक रीच इंडिया के सीईओ राजीव कुमार ने बताया कि इस वर्ष कर आयोजन पशु कल्याण पर केंद्रित है जिसके अंतर्गत मनाली स्थित आवारा पशुओं के बचाव में प्रयासरत चौरिटी संस्था - मनाली स्ट्रेज को लाभ दिया जायेगा। लाहौल और स्पीति के उपायुक्त सुमित खिमटा के अनुसार जिला प्रशासन आश्वस्त है कि यह आयोजन निकट भविष्य में अपना अंतर्राष्ट्रीय आकार ले सके। विंटर गेम्स फेडरेशन आफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष और दो बार सेवा मेडल से नवाजे जा चुके कर्नल जोध सिंह ढिल्लों इस आयोजन की देखरेख कर रहे हैं।

अल्मोड़ा से हल्द्वानी आ रही कार दुर्घटनाग्रस्त

हल्द्वानी/भावली। उत्तराखंड के जनपद अल्मोड़ा में एक कार सड़क से नीचे गिर गई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुँची पुलिस ने कार में सवार चालक को कार से निकलकर उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जानकारी के अनुसार अल्मोड़ा से हल्द्वानी आ रही कार आई-10 संख्या यूके 01 ए 8802 छड़ा के पास गुरुवार को रोड से नीचे जा गिरी। बताया जा रहा है कि कार में सतीश लोहनी उम्र 58 वर्ष पुत्र गिरीश चंद्र निवासी अल्मोड़ा सवार था। इधर दुर्घटना की सूचना मिलने पर दलबल के साथ मौके पर खैरना चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक दिलीप कुमार ने कार के चालक को निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुँचाया।

पार्षद पर लगा फर्जी प्रमाण पत्र बनाने का आरोप

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में फर्जी उत्तरजीवी प्रमाण पत्र बनाने को लेकर हल्द्वानी कोतवाली पुलिस ने एक शिकायतकर्ता की तहरीर के आधार पर पार्षद समेत तीन लोगों के खिलाफ नामजद तथा अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार तल्ली बमोरी नवाबी रोड हल्द्वानी के रहने वाले भाष्कर चंद्र पुत्र स्वर्गीय दुर्गादत्त ने कोतवाली हल्द्वानी पुलिस को एक तहरीर देकर बताया कि नगर निगम पार्षद रवि जोशी, सीएससी संचालक विजय शर्मा, हल्द्वानी तहसील में नोटरी करने वाले यूसी तिवारी व कुछ अन्य लोगो ने उसकी माँ के नाम से फर्जी शपथ पत्र तथा फर्जी आवेदन पत्र बनाकर फर्जी उत्तरजीवी प्रमाण पत्र दिनांक 22.02.2022 को बनवाया। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने प्रमाण पत्र के बारे में सीएससी संचालक विजय शर्मा से पूछा, तो सीएससी संचालक ने उसे बताया कि फर्जी शपथ पत्र उसकी दुकान में काम करने वाले नौकर ने बनाया है, तथा उसी के दस्तावेज पर हस्ताक्षर है, और नौकर वर्तमान समय में गायब है।

निर्देशित भविष्य में कार्यालय में आने वाले सभी आवेदकों से वाहन की किसी भी कार्य हेतु सक्रुद्नी किये जाने पर मूल इंश्योरेंस पालिसी डॉक्यूमेंट को अपलोड करवाया जाए...

आरटीओ संदीप सैनी ने 528 वाहनों को किया ब्लैक लिस्ट

प्रात : किरण, संवाददाता

हल्द्वानी। संभागीय परिवहन कार्यालय हल्द्वानी में माह अगस्त 2022 में हैवी व्यावसायिक वाहनों के इंश्योरेंस में गड़बड़ी का प्रकरण संज्ञान में आया था, जिसके उपरान्त संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) हल्द्वानी संभाग संदीप सैनी ने गत 12 अगस्त 2022 को सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) हल्द्वानी विमल पांडेय को उक्त प्रकरण में जांच कर कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया था। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया था, की विशेषतः उप खनिज निकासी / खनन में लगे वाहनों जो विगत माह सितम्बर, अक्टूबर एवं नवंबर 2021 में रिलीज हुए हैं, उनके रैंडम्ली बीमा इंश्योरेंस कंपनी से सत्यापित करवा लिया जाए व अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। जांच अधिकारी द्वारा कुछ वाहनों के सत्यापन हेतु बीमा कंपनियों को लिखा गया एवं कुछ कंपनियों से फोन पर संपर्क कर जानकारी चाही गयी, जिसमे जिन कंपनियों से पत्राचार किया गया था, उनके द्वारा कोई भी जवाब नहीं दिया गया। किन्तु एक बीमा कंपनी द्वारा विभाग को कुछ वाहनों की डिटेल्स साझा की, जिसमें उनके द्वारा अवगत कराया गया है की इन वाहनों द्वारा चार पहिया एवं भार वाहन होने के बाद भी गलत तरीके से दो पहिये वाहन का बीमा करवा लिया गया, जो इंश्योरेंस कंपनी पर कंपनी द्वारा अपलोड कर दिया गया। उक्त से यह स्पष्ट हो गया की सम्बंधित समस्त वाहन स्वामियों द्वारा जानते हुए भी की उनका वाहन चार पहिया है, को दो पहिये में इंश्योरेंस करवा दिया गया, जो की भारत सरकार, परिवहन विभाग के वाहन 4.0 सॉफ्टवेयर में भी इंश्योरेंस कंपनी द्वारा अपलोड कर दिया गया, जिसके सापेक्ष वाहन स्वामियों द्वारा कार्यालय में वाहन रिलीज, फिटनेस, परमिट इत्यादि के काम करवाए गए। जिसपर संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) हल्द्वानी संभाग संदीप सैनी द्वारा तत्काल कार्यालय में प्राप्त ऐसे लगभग 528 वाहनों को ब्लैक लिस्ट करने हेतु निर्देशित किया गया।

रूद्रपुर/पंतनगररामनगर में प्रस्तावित ळद्द20 की तैयारियों के दृष्टिगत प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार उप सचिव भारत सरकार विकास श्रीवास्तव ने पंतनगर एयरपोर्ट पहुंचकर जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से की जा रही तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। जिलाधिकारी युगल किशोर पंत ने बताया कि मुख्य सचिव द्वारा तैयारियों के संबंध में स्थलीय निरीक्षण के साथ ही संबंधित अधिकारियों को विभिन्न दिशादृनिर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी सम्बन्धित अधिकारियों को दायित्व देते हुए समय से सभी व्यवस्थाएं दुरस्थ करने हेतु निर्देशित कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट का अडानी घोटाले की जांच का आदेश मोदी सरकार पर जोरदार तमाचा : संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट का अडानी घोटाले की जांच का आदेश मोदी सरकार पर जोरदार तमाचा है। यह एक सराहनीय और स्वागत योग्य फैसला है। कोर्ट ने छह सदस्यीय कमेटी बनाकर अडानी के घोटालों की जांच करने का आदेश दिया है। जांच कमेटी में पूर्व न्यायाधीश भी होंगे और सेबी को भी दो महीने में अपनी जांच रिपोर्ट देनी होगी। प्रधानमंत्री ने विपक्ष की मांग के बावजूद जेपीसी का गठन नहीं किया और अपने मित्र अडानी को बचाने की पूरी कोशिश की। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से साफ है कि प्रधानमंत्री का हाथ भ्रष्ट अडानी के साथ है। इससे यह भी साबित होता है कि संसद में जेपीसी की हमारी मांग जायज थी। अगर जेपीसी की जांच हो गई, तो कई सच बाहर आएंगे। अडानी मामले की जांच को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आए फैसले पर राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आम आदमी पार्टी की ओर से प्रतिक्रिया देते हुए आज यह बातें कहीं। उन्होंने कोर्ट से मांग की है कि सेबी में अडानी के समधी हैं, उनको सेबी की जांच में शामिल न किया जाए। अडानी का घोटाला पूरी दुनिया के कारपोरेट जगत का सबसे बड़ा घोटाला है- संजय सिंह

आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि अडानी के मामले में आज सुप्रीम कोर्ट एक महत्वपूर्ण फैसला आया है। सुप्रीम कोर्ट ने छह सदस्यीय जांच कमेटी बनाकर अडानी के घोटालों की जांच करने का आदेश दिया है। यह एक सराहनीय फैसला है। उस कमेटी में पूर्व न्यायाधीश को भी शामिल किया गया है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला मोदी सरकार पर जोरदार तमाचा है। देश के 140 करोड़ लोगों ने नरेंद्र मोदी को चुन कर भारत का प्रधानमंत्री बनाया। पूरा विपक्ष एक स्वर में कह रहा था कि अडानी का घोटाला पूरी दुनिया के कारपोरेट जगत का सबसे बड़ा घोटाला है और जेपीसी गठित कर जांच कराने का मांग कर रहा था। एलआईसी और एसबीआई में करोड़ों लोगों का पैसा डूब रहा है। सदन के पूरे सत्र के दौरान पूरा विपक्ष प्रधानमंत्री से अडानी मामले की जेपीसी से जांच कराने की मांग कर रहा था। एक कहावत है कि रोम जल रहा था, नीरो बंसी बजा रहा था। अडानी का महाघोटाला सामने आया था और प्रधानमंत्री मोदी जांच कराने से भाग रहे थे। प्रधानमंत्री जांच के लिए जेपीसी बनाने के लिए तैयार नहीं थे। मोदी सरकार अडानी के साथ मिलकर देश की संपत्तियों को नीलाम कर रही है- संजय सिंह

राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि मैं पहले दिन से ही कह रहा हूं कि मोदी सरकार उपर से नीचे तक भ्रष्टाचार में पूरी तरह से डूबी हुई है। मोदी सरकार अडानी के साथ मिलकर देश की संपत्तियों को नीलाम कर रही है। देश की संपत्तियां औने-पौने दामों में बेच रही है। पीएम मोदी ने अडानी को कोयला, गैस, बिजली, पानी, सड़क, स्टील, सीमेंट, सी-पोर्ट, एयरपोर्ट दे दिया। आकाश से लेकर पाताल तक सबकुछ आडानी को दे दिया। प्रधानमंत्री मोदी इतने में ही नहीं रूके। अडानी को 2.5 लाख करोड़ रुपए का कर्ज दे दिया और जब व्यवसाय में घाटा होने लगा तो, 84 हजार करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया। अडानी के भाई ने विनोद अडानी पूरे देश और दुनिया के कैरेबियाई और मॉरिशस देशों में सैकड़ों फर्जी कंपनियां खोली। सिर्फ मारिशस में एक पते 6 फर्जी कंपनियां खोली गईं। उन कंपनियों की आमदनी का जरिया भी नहीं मालूम है। लेकिन उन फर्जी कंपनियों के जरिए भारत में अडानी की कंपनियों में 42 हजार करोड़ रुपए लगाया गया। अडानी की कंपनियों में जब कालाधन लग रहा था, तब सेबी, इनकम टैक्स और ईडी क्या कर रही थी? सेबी में अडानी का समधी है, इसलिए सेबी ने कोई कार्रवाई नहीं की। प्रधानमंत्री विपक्ष का गला दबाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करते हैं और अपने दोस्त अडानी पर कोई कार्रवाई नहीं करते हैं- संजय सिंह राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी विपक्ष का गला दबाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करते हैं। लेकिन अपने दोस्त अडानी बचाने के लिए इन एजेंसियों को काल कोठरी में बंद कर देते हैं और उस पर कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। यह भी पूरे देश ने देखा। हमारी जेपीसी की मांग, सदन में आवाज उठाना और आवाज दबाने पर नारेबाजी करना 100 फीसद सही था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से आज यह साबित हो गया है।

अडानी की कंपनियों में दुनिया के कई देशों से कालाधन आ रहा था, लेकिन सेबी चुप : संजय सिंह

राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सेबी से भी जांच रिपोर्ट मांगी है। सेबी की जांच में अडानी के रिश्तेदार को शामिल न किया जाए। अगर अडानी का रिश्तेदार जांच करेगा, तो वो कैसी रिपोर्ट देगा, यह समझा जा सकता है। सेबी तो शुरू से चुप है। अडानी की कंपनियों में दुनिया के कई देशों से कालाधन आ रहा था और सेबी नहीं देख पाई। जबकि स्टॉक एक्सचेंज पर नजर रखने की जिम्मेदारी तो सेबी की है। अगर मुनाफा न होने के बावजूद शेयर के दाम अचानक बढ़ रहे थे, तो सेबी ने क्यों नहीं जांच की। एलआईसी का हजारों करोड़ रुपए डूब गया, एसबीआई अडानी को हजारों करोड़ रुपए कर्जा दे रखा है। लोगों ने बुढ़ाने की पेंशन, बेटी की शादी और बीमारी के लिए लगा रखा है। वे सभी लोग चिंचित हैं। एसबीआई में पैसा लगाने वाले लोग भी चिंचित हैं। पीएम मोदी बैंकों को डूबाना चाहते हैं। पीएम मोदी ने कहा है कि भले की किसी का बैंकों में करोड़ों रुपए जमा हो, लेकिन बैंक डूबा तो सिर्फ 5 लाख रुपए ही वापस मिलेंगे। प्रधानमंत्री ने नया कानून बना दिया है। प्रधानमंत्री यह जानते हैं कि उन्होंने अपने दोस्तों को अनाप-सनाप फायदा पहुंचाया है। इसलिए देश के बैंक डूबेंगे। सुप्रीम को यह फैसला मोदी सरकार के उपर एक जोरदार तमाचा है।

जी20 दुनिया को दिशा प्रदान करे : विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भारत ने बृहस्पतिवार को जी20 समूह से आग्रह किया कि वह यूक्रेन संघर्ष को लेकर पश्चिमी देशों और रूस-चीन गठजोड़ के बीच बढ़ते तनाव के दौरान वैश्विक चुनौतियों से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए एक सामूहिक संदेश दे।

जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूक्रेन विवाद का उल्लेख किए बिना कहा कि समूह को आम सहमति कायम करते हुए दुनिया को दिशा प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हालांकि कुछ ऐसे मामले भी हैं, जिनको लेकर तीखे मतभेद हैं। जयशंकर ने कहा, हमें यह याद रखना चाहिए कि इस समूह पर एक असाधारण जिम्मेदारी है। पहले हम एक वैश्विक संकट को लेकर एक साथ आ चुके हैं और आज एक बार फिर, वास्तव में, एक से अधिक संकट का सामना कर रहे हैं।

जयशंकर ने कुछ प्रमुख चुनौतियों पर चिंता व्यक्त की, जिनमें कोविड महामारी के प्रभाव, कमजोर आपूर्ति श्रृंखलाएं, संघर्षों से उत्पन्न प्रभावों और ऋण संकट जैसी चुनौतियां शामिल हैं। उन्होंने कहा, इन मुद्दों पर विचार करते समय हम सब हमेशा एक मत नहीं हो सकते। वास्तव में, कुछ ऐसे मामले हैं, जिनको लेकर तीखे वैचारिक मतभेद हैं। फिर भी, हमें आम सहमति कायम करते हुए दुनिया को दिशा प्रदान करनी चाहिए, क्योंकि वह हमसे यही उम्मीद कर रही है।

उन्होंने समूह से आग्रह किया कि वह यूक्रेन संघर्ष को लेकर पश्चिमी देशों और रूस-चीन गठजोड़ के बीच बढ़ते तनाव के दौरान खाद्य तथा ऊर्जा सुरक्षा समेत वैश्विक चुनौतियों से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए एक सामूहिक संदेश दे।

कैलाश गहलोत ने नए विभागों का संभाला प्रभार; सचिवों और आयुक्तों के साथ की प्री:बजट मीटिंग

- मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कुशल नेतृत्व में हम सिटीजन सेंट्रिक और प्रगतिशील बजट पेश करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं-कैलाश गहलोत
- मैं दिल्लीवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आगामी बजट दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाने के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मील का पत्थर साबित होगा- कैलाश गहलोत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केजरीवाल सरकार में कैबिनेट मंत्री कैलाश गहलोत ने आज नए आवंटित विभागों का कार्यभार संभालने के बाद सचिवों और आयुक्तों के साथ बैठक की। पुरे दिन चली बैठकों की श्रृंखला में ऊर्जा सचिव, वित्त एवं योजना विभाग के प्रमुख सचिव और आबकारी विभाग के आयुक्त ने वर्त्तमान में चल रही विभिन्न परियोजनाओं और योजनाओं की स्थिति के बारे में मंत्री को अवगत कराया। वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने अधिकारियों के साथ बजट की तैयारियों पर भी चर्चा की और लंबित कार्यों को समय पर पूरा करने को कहा। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कैलाश गहलोत ने एक बयान में कहा, ₹सभी सचिवों और आयुक्तों को लंबित कार्यों में तेजी लाने और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कुशल नेतृत्व में हम सिटीजन सेंट्रिक और प्रगतिशील बजट पेश करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं। मैं दिल्लीवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आगामी बजट दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाने के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मील का पत्थर साबित होगा। पिछले 8 वर्षों में केजरीवाल सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए अच्छे कार्यों को हम आगे बढ़ाएंगे। लोगों के अनुकूल बजट पेश करना हमारी प्राथमिकता है और हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। कैलाश गहलोत ने हाल ही में वित्त, योजना, लोक निर्माण विभाग, बिजली, गृह, शहरी विकास, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण, जल और अन्य सभी विभागों का प्रभार संभाला है जो विशेष रूप से किसी मंत्री को आवंटित नहीं किए गए हैं। नए आवंटित विभागों का कार्यभार संभालने के बाद अधिकारियों के साथ यह उनकी पहली बैठक थी।

केजरीवाल को गद्दी छोड़ दिल्ली के घर घर जाकर माफी मांगनी चाहिए :चौ. अनिल कुमार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस समिति अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने बयान जारी कर कहा कि बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा किया है की आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता घर घर जाकर अपने भ्रष्ट मंत्रियों को ईमानदारी का सर्टिफिकेट बांटेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भी पीछे नहीं रहने वाली कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली के हर नुक्कड़ चौराहे पर केजरीवाल के जेल में बंद मंत्रियों के पोस्टर लगाएगी तथा कांग्रेस कार्यकर्ता भी घर घर जाकर उनके कारनामों से जनता को अवगत कराएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस सभी नेताओं से विचार विमर्श कर इसकी रूपरेखा तैयार कर रही है। चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि कांग्रेस के आरोप सही साबित हो रहे, केजरीवाल के मंत्रियों को जेल से इस्तीफा लिखना पर रहा है।

चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल को गद्दी छोड़ दिल्ली के घर-घर जाकर माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आज दिल्ली में केजरीवाल का जनलोकपाल होता तो केजरीवाल की पूरी कैबिनेट जेल में होती। उन्होंने कहा कि मीडिया में चर्चा है कि केजरीवाल दो शराब घोटाले सहित तमाम घोटाले में सम्मिलित मंत्रियों से इस्तीफा लेने के बाद, शराब घोटाले में शामिल दो ऐसे विधायकों को मंत्री पद पर सुशोभित कर रहे है, जिनके उपर शराब घोटाले में ही गंभीर आरोप है।

चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने विशाल प्रदर्शन कर केजरीवाल को गद्दी छोड़ने की माँग रखी है, अगर केजरीवाल जी नैतिकता के आधार पर इस्तीफा नहीं देते है तो कांग्रेस जनता के बीच जाकर उनके शराब घोटाले सहित तमाम घोटालेबाजों को मंत्री पद पर बनाए रखने तथा खुद बिना किसी पद के गद्दी पर बैठ ईमानदारी का चोला ओढ़ने की सच जनता को बताएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा भी शराब घोटाले में बराबर का जिम्मेदार है। कांग्रेस यह भी जनता तक पहुंचाएगी।

शराब नीति को लेकर कांग्रेस ने केजरीवाल पर कसा तंज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

कांग्रेस ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तंज करते हुए कहा कि जब दिल्ली के लोग कोरोना से जूझ रहे थे तब केजरीवाल शराब नीति बनाने में मस्त थे। जबकि उस समय लोगों को अस्पताल,ऑक्सीजन और दवा की जरूरत थी। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने गुरुवार को एक वीडियो सदेश में कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से दिल्ली सरकार के शराब नीति का विरोध किया लेकिन केजरीवाल ने एक न सुनी। जब कोरोना के दौरान दिल्ली बेदम थी तब केजरीवाल शराब नीति क्यों बना रहे थे? उन्हें बताना चाहिए? उनकी प्राथमिका दिल्ली के लोग क्यों नहीं थे? यह उन्हें स्पष्ट करना चाहिए। सुप्रिया ने कहा कि जब विपक्ष के नेताओं को एजेंसी प्रताड़ित कर रहीं थीं तब आप चुप क्यों थी? उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों ने कांग्रेस के नेताओं को हिरासत में लिया घंटों तक पूछताछ की लेकिन आप की ओर से कांग्रेस के पक्ष में कोई बयान नहीं आया।

सुप्रिया ने कहा कि जब केजरीवाल सरकार हर चौराहे, मोहल्ले में शराब की दुकान खोलने पर तुली थी तब कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला और जांच की मांग की। उस समय तो भाजपा भी चुप थी जबकि दिल्ली में भाजपा के सात सांसद और आठ विधायक हैं।

उल्लेखनीय है कि केजरीवाल सरकार के दो मंत्री मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन ने बीते मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर शराब घोटाले में शामिल होने का आरोप है।

अगर महिलाएं और बच्चे सुरक्षित नहीं तो देश अपनी उपलब्धियों का जश्न नहीं मना सकता : रीजीजू

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोई समाज या देश उस स्थिति में अपनी उपलब्धियों का जश्न नहीं मना सकता, जब उसकी महिलाएं और बच्चे सुरक्षित नहीं हैं। रीरीजू ने बाल यौन शोषण के अपराध को सबसे गंभीर और परेशान करने वाली चुनौतियों में से एक करार दिया।

दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) द्वारा बाल यौन शोषण सामग्री विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में कानून मंत्री ने कहा, हमें कानूनी प्रावधानों के परे जाकर देखना होगा और महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समाज को एकजुट होना चाहिए। रीजीजू ने सम्मेलन को समयानुकूल और प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इससे ठीक निष्कर्ष निकलकर सामने आएंगे। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि अगर किसी समाज या देश में महिलाएं और बच्चे सुरक्षित नहीं हैं, तो वह अपनी उपलब्धियों का जश्न नहीं मना सकता। उन्होंने खासतौर पर बच्चों के खिलाफ होने वाली हिंसा से निपटने पर जोर दिया और सभी हितधारकों और समाज से इसकी रोकथाम की दिशा में अधिक प्रयास करने का आग्रह किया।

रीजीजू ने कहा, बच्चों के खिलाफ हिंसा, खासकर बाल यौन शोषण मुझे लगता है, और यह सभी के लिए, सबसे गंभीर और परेशान करने वाली चुनौती है ह्व उन्होंने कहा, अपराध तो सभी बुरे होते हैं, लेकिन बच्चों के खिलाफ अपराध को बर्दाश्त कर पाना मुश्किल है। आप बच्चों के खिलाफ अपराध कैसे कर सकते हैं? हमें अपने दृष्टिकोण में अत्यधिक गंभीर होना होगा। इसे सिर्फ एक अपराध के तौर पर नहीं लिया जा सकता। अगर आप इसे सिर्फ अपराध के तौर पर देखेंगे, तो हम इससे सामान्य अपराध की तरह ही निपटेंगे। रीजीजू ने बृहस्पतिवार को एनएचआरसी अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा और अधिकार पैनल के सदस्यों के अलावा संबंधित मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों, कानूनी विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और विद्वानों की मौजूदगी में सम्मेलन का उद्घाटन किया। दो दिवसीय इस सम्मेलन का मकसद बच्चों के लिए सुरक्षित साइबरस्पेस की कवायद पर विचार-विमर्श के बाद, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और कानून प्रवर्तन एजेंसियों सहित नीति निमार्ताओं और सामग्री जारी करने वालों (कन्टेन्ट होस्ट) के लिए सुझाव तैयार करना है।

दक्षिण दिल्ली में पति के खुदकुशी करने के बाद पत्नी ने भी कर ली आत्महत्या

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दक्षिण दिल्ली में एक व्यक्ति के आत्महत्या करने के बाद उसकी पत्नी ने भी कथित रूप से खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान अजयपाल सिंह ओरगे (32) और मोनिका (32) के रूप में हुई है। वे ह्यट्रांजिट कैंप हुडको प्लेस में रहते थे।ऽ

पुलिस को ट्रांजिट कैंप हुडको प्लेस के ब्लॉक-3 ए के एक फ्लैट में संभावित आत्महत्या के बारे में दो बजकर 49 मिनट पर पीसीआर कॉल मिली। पालम के महावीर एन्क्लेव में रहने वाले अजयपाल के दोस्त आशीष तिवारी ने यह फोन किया था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) चंदन चौधरी ने बताया कि जब पुलिस मौके पर पहुंची तब उसने मोनिका को बेहोश पाया और उसके मुंह से झाग निकल रहा था। चौधरी के अनुसार, मोनिका को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक, उसके पड़ोसियों ने बताया कि पहले मोनिका के पति अजयपाल ने कथित रूप से खुदकुशी की थी जो जोर बाग मेट्रो स्टेशन के समीप नागर विमानन निदेशालय की एक इकाई में परिचालन अधिकारी था। पुलिस का कहना है कि मोनिका अपने पति को बेहाश पाकर अस्पताल ले गयी थी जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। बाद में वह घर लौटी एवं उसने भी जहर खा लिया। दोनों की हाल में शादी हुई थी।

न्यूनतम तापमान 14.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार की सुबह न्यूनतम तापमान 14.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में सुबह नौ बजे समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 201 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। मालूम हो कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बेहद खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।आईएमडी के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 89 फीसदी दर्ज की गई।

जेएनयू में छात्रों को धरना-प्रदर्शन करना पड़ेगा भारी, लगेगा 20 हजार का जुमार्ना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में अब छात्रों को धरना प्रदर्शन करना भारी पड़ सकता है। धरना प्रदर्शन करने पर जेएनयू प्रशासन ने 20 हजार रुपये का जुमार्ना लगाने का फैसला किया है। विरोध प्रदर्शन में संलिप्तता पाए जाने पर एडमिशन रद्द होने का सामना करना पड़ सकता है। हिंसा में शामिल होने पर लगेगा जुमार्ना जेएनयू के नए नियम के अनुसार, अगर कोई छात्र हिंसा से जुड़े मामले में संलिप्त पाया जाता है, तो उस पर 30 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया जा सकता है। 10 पन्नों के 'जेएनयू के छात्रों के अनुशासन और उचित आचरण के नियम' में विरोध प्रदर्शन और जालसाजी जैसे विभिन्न प्रकार के कृत्यों के लिए दंड और प्रॉक्टोरियल जांच और बयान दर्ज करने की प्रक्रिया का प्रावधान किया गया है।

3 फरवरी से लागू हो चुके हैं नियम

बता दें कि जेएनयू प्रशासन की ओर से यह नियम 3 फरवरी को लागू किया गया। यह नियम ऐसे समय में आया है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आधारित बीबीसी की डॉक्युमेंट्री की स्क्रीनिंग को लेकर जेएनयू में विरोध प्रदर्शन देखने को मिला था। नए नियम से जुड़े दस्तावेज में कहा गया कि विश्वविद्यालय की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था कार्यकारी परिषद से अनुमोदित किया गया है। हालांकि, कार्यकारी परिषद के सदस्यों ने बताया कि इस मुद्दे को एक अतिरिक्त एजेंडा आइटम के रूप में लाया गया था और जिक्र किया गया था कि यह दस्तावेज अदालत के मामलों के लिए तैयार किया गया है। अइश्ढ ने बताया तुगलकी नियम जेएनयू सचिव विकास पटेल ने नए नियम को तुगलकी नियम करार दिया है। उन्होंने इस कड़े नियम को वापस लेने की मांग की है। खास बात है कि यह नियम विश्वविद्यालय के सभी छात्रों पर लागू होगा। चाहे इन नियमों के शुरू होने से पहले एडमिशन दिया गया हो या बाद में। इनमें अंशकालिक छात्र भी शामिल हैं।

17 अपराधों में सजा का प्रावधान

नए नियमों में 17 अपराधों में सजा का प्रावधान किया गया, उनमें जुआ में लिप्त होना, छात्रावास के कमरों पर अनधिकृत कब्जा, अपमानजनक और अपमानजनक भाषा का उपयोग और जालसाजी करना शामिल है। नियमों में यह भी जिक्र है कि शिकायतों की एक प्रति माता-पिता को भेजी जाएगी।

नियम के अनुसार, हिंसा और जबरदस्ती के सभी कृत्यों जैसे घेराव, धरना-प्रदर्शन या किसी भी भिन्नता के लिए दंड का प्रस्ताव किया है। इन कृत्यों में संलिप्तता मिलने पर प्रवेश रद्द करना, डिग्री वापस लेना, एक निश्चित अवधि के लिए पंजीकरण से इनकार करना, चार सेमेस्टर तक का निष्कासन और 30,000 रुपये तक का जुमार्ना शामिल है।

12वीं का भूगोल का पेपर छात्रों को लगा थोड़ा कठिन

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से दसवीं और बारहवीं क्लास की बोर्ड परीक्षा आयोजित की जा रही है. जहां एक तरफ रंगों का त्योहार होली नजदीक है. वहीं, छात्र अपनी बोर्ड परीक्षा को लेकर किसी भी तरह से कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं. खास तौर पर बारहवीं के छात्र तो अच्छे अंक लाना चाहते हैं, क्योंकि यहां से उन्हे यूनिवर्सिटी में दाखिला के लिए आगे सीयूईटी यूजी की परीक्षा भी देनी है. हालांकि, अब यूनिवर्सिटी में दाखिला के लिए बारहवीं के अंकों का कोई महत्व नहीं रह गया है. फिर भी बेहतर प्रदर्शन के लिए छात्र जी-तोड़ मेहनत कर रहे हैं. इस कड़ी में गुरुवार को बारहवीं क्लास का भूगोल का पेपर आयोजित किया गया. यह पेपर कुछ छात्रों को 50.50 लगा और वहां कुछ छात्रों को पेपर ठीक लगा. परीक्षा केंद्रों से दोपहर 1.30 बजे निकले छात्रः दिल्ली में जहां-जहां बोर्ड परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया था. वहां सुबह 10.30 से 1.30 बजे तक भूगोल का पेपर लिया गया. इस दौरान छात्रों को सख्त हिदायत दी गई ।

लूटपाट और स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देकर भाग रहे दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

लूटपाट और स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देकर भाग रहे दो कुख्यात बदमाशों को शाहदरा जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है. डीसीपी रोहित मीणा ने गुरुवार को बताया कि सड़क पर अपराध की घटनाओं को रोकने और शाहदरा के क्षेत्र और अधिकार क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जांच करने के लिए सभी बीट और पेट्रोलिंग कर्मचारियों को ब्रीफ किया गया और स्ट्रीट क्राइम में शामिल अपराधियों के बारे में जानकारी विकसित करने का काम सौंपा गया. सोमवार देर रात एएसआई राहुल चौधरी, हेड कांस्टेबल (एचसी) रवि, एचसी प्रमोद और एचसी आशीष एरिया पेट्रोलिंग पर थे. जब टीम एमसीडी स्कूल, कबूल नगर, शाहदरा के पास पहुंची तो उन्होंने दो लड़कों को सड़क किनारे खड़े देखा. पुलिस टीम को देखते ही एक लड़के ने मदद के लिए चिल्लाना शुरू कर दिया और एक अन्य लड़के ने मौके से भागने की कोशिश की. सतर्क पुलिसकर्मियों ने तुरंत भाग रहे लड़के का पीछा किया और उसे पकड़ लिया. तलाशी लेने पर उसके पास से चाकू बरामद हुआ. इस बीच मदद के लिए चिल्ला रहा एक अन्य लड़का वहां आया और कहा कि आरोपी ने चाकू की नोंक पर उसे लूटने की कोशिश की. आरोपी की पहचान नितिन कोहली उर्फ गबरू के रूप में हुई. शिकायतकर्ता मनोज पेशे से प्लंबर है. इसके बयान पर आईपीसी की धारा 393/398 और 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है और जांच शुरू की गई. पूछताछ के दौरान आरोपी नितिन ने बताया कि वह एक सक्रिय अपराधी और नशे का आदी है. उसने आगे खुलासा किया कि उसने शिकायतकर्ता का मोबाइल फोन और नकदी चाकू की नोंक पर लूटने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मी ने उसे पकड़ लिया. वह पहले चोरी और चोट पहुंचाने के दो मामलों में शामिल पाया गया था. उसे इस साल जनवरी में ही जमानत मिली थी. वहीं, एक अन्य घटना नवीन शाहदरा के पास हुई. डीसीपी ने बताया कि मंगलवार को शिकायतकर्ता ममता ने बताया कि वह नवीन शाहदरा की ओर जा रही थी. इसी दौरान पीछे से मोटरसाइकिल पर सवार दो लड़के आए और शिकायतकर्ता का मोबाइल छीन लिया. उसने तुरंत शोर मचाया. क्षेत्र के गश्ती स्टाफ एएसआई अनिल और एचसी बिशंबर ने तुरंत बाइक सवार लड़कों का पीछा किया. पीछा करने के दौरान आरोपी बाइक सड़क-डिवाइडर से टकरा गई. गश्ती स्टाफ ने एक आरोपी को पकड़ लिया, लेकिन दूसरा भागने में सफल रहा.

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शुक्रवार, 03 मार्च, 2023

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली आबकारी नीति मामला : ईडी ने शराब कारोबारी को धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शराब व्यवसायी एवं ब्रिंडको सेल्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अमनदीप ढल को दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ढल को पूछताछ के बाद बुधवार रात धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में ले लिया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, ढल को बृहस्पतिवार को एक स्थानीय अदालत में पेश किए जाने की संभावना है, जहां ईडी उनकी हिरासत की मांग करेगी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, आम आदमी पार्टी (आप) के पदाधिकारी विजय नायर, मनोज राय, अमनदीप ढल और समीर महेंद्रू वर्ष 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति बनाने और उसे लागू करने में सक्रिय रूप से शामिल थे। ईडी का धन शोधन मामला सीबीआई की प्राथमिकी पर ही आधारित है। प्रवर्तन निदेशालय इस मामले में अब तक दो आरोपपत्र दायर कर चुका है और ढल सहित कुल 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुका है। वर्ष 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति पिछले साल अगस्त में रद्द कर दी गई थी। बाद में दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने सीबीआई से सरकारी अधिकारियों, नौकरशाहों और शराब व्यापारियों द्वारा की गई कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की जांच करने को कहा था। इस मामले में सीबीआई ने रविवार को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया था।

दिल्ली : जेलों में मोबाइल के अवैध इस्तेमाल से निपटने के तरीके सुझाने के लिए समिति गठन को मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने राष्ट्रीय राजधानी की जेलों में अवैध और अनधिकृत टेलीफोन संचार से निपटने के तरीके सुझाने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति के गठन को मंजूरी दे दी है। राज निवास के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। महानिदेशक (जेल) संजय बेनीवाल की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय समिति को एक महीने के भीतर अपनी सिफारिशें सौंपने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि इस समिति में आईआईटी-मद्रास, आईआईएससी-बेंगलुरु, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के विशेषज्ञों तथा वैज्ञानिकों के अलावा खुफिया ब्यूरो और विशेष सुरक्षा समूह के अधिकारी भी शामिल हैं। राज निवास के एक अधिकारी ने कहा, समिति जेल परिसर में इनकमिंग/आउटगोइंग कॉल, एसएमएस और डेटा सेवाओं को अवरुद्ध करने के लिए (मौजूदा बुनियादी ढांचे के अतिरिक्त) बाजार में उपलब्ध उपयुक्त जैमर की प्रभावशीलता का पता लगाएगी। उन्होंने बताया कि 2008 से 2012 के बीच तिहाड़ और रोहिणी जेलों में 31 मोबाइल फोन जैमर लगाए गए थे, जो 2जी और 3जी सेवाओं को अवरुद्ध करने में कारगर थे। हालांकि, 4जी सेवाओं की शुरुआत के बाद ये कारगर नहीं रहे। परिणामस्वरूप, नवंबर 2016 के बाद इन 31 जैमर के वार्षिक रखरखाव अनुबंधों का नवीनीकरण नहीं किया गया।

2041 में दिल्ली के आगे न्यूयॉर्क पड़ेगा फीका, रात में भी चलेंगे कारोबार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली का कायाकल्प करने के लिए अब दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने बड़ा कदम उठाया है। मास्टर प्लान 2041 के जिस मसौदे को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंजूरी दी है, उसका पूरा जोर विकास, पर्यावरण की स्थिरता, ग्रीन इकोनॉमी और बुनियादी ढांचे पर है। इस प्लान के तीन लक्ष्य है। पहला लोगों को स्वास्थ्य वातावरण उपलब्ध करवाना, भविष्य को ध्यान में रखकर अच्छा शहर बनाना और इकोनोमी को बढ़ाना शामिल है। डीडीए के इस मास्टर प्लान को कुछ इस तरीके से तैयार किया जा रहा है कि राजधानी के आगे न्यूयार्क जैसा शहर भी फीका ही दिखेगा। वहीं रात में चलने वाले कारोबारों को भी बढ़ावा दिया जाएगा. जिससे नाइट इकोनामी को बढ़ावा देने के साथ ही इसको सुधारा जा सके।

दो खंडों में बांटा मास्टर प्लान का मसौदा मास्टर प्लान 2041 के पूरे मसौदे को दो खंडों और दस अध्यायों में बांटा गया है। इसके हर अध्याय में दिल्ली के विकास को लेकर ही प्लानिंग की गई है। पूरे मास्टर प्लान की खास बात ये है कि इसको बुनियादी बातों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। आम लोगों की जरूरतों को इस मास्टर प्लान में प्रमुखता से लिया गया है। मास्टर प्लान को कुछ इस तरीके से डिजाइन किया गया है कि शहर के साथ ही व्यक्तिगत विकास में भी कहीं बाधा न आए।

डीडीए की बोर्ड बैठक से मंजूरी के बाद अब केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय इस प्लान को अंतिम मंजूरी देगा और इसे अधिसूचित करेगा। मालूम हो कि राजधानी का पहला मास्टर प्लान डीडीए एक्ट 1957 के तहत 1962 में लागू हुआ था।

ड्राफ्ट मास्टर प्लान-2041 की खास बातें:-

● ड्राफ्ट मास्टर प्लान में ब्लू-ग्रीन संपत्ति पर खास ध्यान दिया गया है। इसमें बायोडायवर्सिटी पार्क, फ्लडप्लेन प्लानिंग, बावली और झीलों व तलाबों को पुनर्जीवित करना, नालों के किनारे को सुंदर बनाकर वहां साइकिलिंग और पैदल चलने वालों के लिए जगह बनाना शामिल है। इसके अलावा बिल्डिंगों में भी ग्रीन ब्लू फेक्टर लेकर आना भी शामिल है।

● क्लीन इकोनोमी के लिए इसमें खास प्लान है। इसमें आईटी हब, साइबर हब, नॉलेज बेस्ड इंडस्ट्री, आर एंड डी फेसिलिटी के लिए प्रस्ताव है। यह सभी नई इंडस्ट्री हाइटैक और सर्विस बेस्ड इंडस्ट्री होंगी।

● इसमें स्टेटेजी हब और सेंटर के डिवेलपमेंट का प्रस्ताव भी है। इसमें बिजनेस प्रमोशन डिस्ट्रिक्स, टीओडी (ट्रांजिट ओरिएंटेड डिवेलपमेंट) के साथ मौजूदा डिस्ट्रिक सेंटर्स को अत्याधुनिक बनाना भी शामिल है।

● यमुना और यमुना के बाढ़ क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए यमुना नदी के लिए एक क्रांपिहेंसिव रिवर डिवेलपमेंट प्लान तैयार किया गया है।

● सुरक्षित नाइट लाइफ इकोनोमी के लिए शहर को तैयार करना।

● हेरिटैज जोन, आर्कियोलाजिकल पार्क, कल्चरल हब और अन्य संरक्षित हेरिटेज बिल्डिंगों के लिए नियम तय किए गए हैं। ताकि दिल्ली में इतिहास और कल्चर को बढ़ावा मिल सके।

● कल्चरल और एंटरटेनमेंट हब डिवेलप करना इसमें शामिल है

● सिटी हब, सर्किट, प्लाजा, नाइट टाइम सर्किट को डिवेलप करने के साथ नाइट टाइम इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए कॉरिडोर आदि की पहचान करना

● प्राइवेट हिस्सेदारी बढ़ाकर हाउसिंग की जरूरतों को पूरा करना। इसमें लेंड पूलिंग के साथ प्लान और अनप्लांड एरिया के लिए रिजनरेशन प्लान शामिल है। इसके लिए एफएआर का प्रोत्साहन दिया जाएगा

● नॉन ओनरशिप, रेंटल हाउसिंग और अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग कांप्लेक्स को डिवेलप करना। खास तौर पर यह मास ट्रांजिट एरिया के आसपास होंगे। इनमें सर्विस अपार्टमेंट, होस्टल, स्टूडेंट हाउसिंग, वर्कर हाउसिंग जैसी सुविधा होंगी

● पार्किंग मैनेजमेंट के लिए प्लान के साथ ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा दिया गया है। इसमें ई वीकल और ई चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दिया गया है

● ट्रीटेट वॉटर के इस्तेमाल को बढ़ाने, ड्यूल पाइपिंग सिस्टम, ग्रीन रेटिंग, रिन्यूबल एनर्जी, रिसोर्स का बेहतर इस्तेमाल, वेस्ट मैनेजमेंट के लिए स्टेटेजी बनाना

● जीआईएस पर आधारित लैंड यूज प्लान विकसित किया जाएगा

● क्लाइमेट चेंज के प्रभाव और प्रदूषण से निपटने की तैयारियां भी इसमें शामिल है।

अपहरण कर हत्या के मामले में वांछित बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कालकाजी में वर्ष 2010 में एक स्कूली बच्चे के अपहरण और हत्या मामले में वांछित आरोपित को पुणे से गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान गुरनाम सिंह उर्फ रंगीला के रूप में हुई है। आरोपित पंजाब के खुद्दा का रहने वाला है। वारदात को अंजाम देने के बाद वह गिरफ्तारी से बचने के लिए होशियारपुर जिले के एक गांव में अपना रूप बदलकर रह रहा था। आरोपित के ऊपर 50 हजार का इनाम भी घोषित था। अपराध शाखा के विशेष पुलिस आयुक्त रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि एक महिला ने अगस्त 2010 में कालकाजी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने अपने बेटे की स्कूल से घर वापस नहीं लौटने की बात कही थी। हालांकि 27 अगस्त 2010 को उनकी बेटी को एक बस कंडक्टर ने फोन किया और उसने बताया कि चंदन उर्फ राहुल का स्कूल बैग उसके पास पड़ा है। जब मृतक की मां ने दोबारा उसी नंबर पर कॉल किया तो नंबर बंद बताने लगा। फिर बाद में महिला को सूचना मिली कि एक छात्र का शव ओखला और तुगलकाबाद रेलवे स्टेशनों के बीच रेलवे ट्रैक पर पाया गया है।

चालान काटने से बचाने के लिए रिश्वत मांगने वाला निगम कर्मी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पूर्वी शालीमार बाग में एक निमार्णाधीन मकान के अंदर पानी में मच्छरों का लार्वा मिलने पर चालान काटने से बचाने के एवज में बिल्डिंग मालिक से एक लाख रुपये रिश्वत मांगने वाले नगर निगम के कर्मचारी नारायण उर्फ आंचल को भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने गिरफ्तार कर लिया है। नारायण, नगर निगम के मलेरिया विभाग में तैनात है। चालान काटने से बचाने के एवज में मांगे घूस संयुक्त आयुक्त भ्रष्टाचार निरोधक शाखा मधुर वर्मा के मुताबिक एक मार्च को पूर्वी शालीमार बाग के रहने वाले सौरभ जैन ने भ्रष्टाचार निरोधक शाखा में आकर शिकायत कर बताया कि नारायण नाम का कर्मचारी जो एमसीडी के स्वास्थ्य विभाग में मलेरिया विभाग में अनुबंध पर तैनात है। वह चालान काटने से बचाने के एवज में उनसे एक लाख रुपये रिश्वत मांग रहा है।10 हजार रुपये में मामला निपटाने को था तैयार

शिकायतकर्ता के बड़े भाई राजीव जैन ने बताया कि नारायण 10 हजार रुपये में मामले का निपटारा करने को तैयार है। डीसीपी श्वेता सिंह व एसीपी श्री एके सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर यशवंत, पवन कुमार, एएसआई पवन, हवलदार अमित कुमार, प्रदीप, अनिल, रेणु, सुनील व सिपाही मुकेश कुमार की टीम ने शालीमार बाग से नारायण को गिरफ्तार कर लिया। वह रिश्वत लेने के लिए अपनी टाटा टियागो कार से वहां आया था।

2012 में टउऊ में शुरू की थी नौकरी नारायण, बलिया का रहने वाला है। यहां वह जेलर वाला बाग, फेज-दो, अशोक विहार में रह रहा था। उसने अखिल भारतीय संस्थान जनकपुरी से स्वच्छता निरीक्षक में डिप्लोमा किया। उसके बाद 2012 में एमसीडी के साथ अनुबंध के आधार पर घरेलू प्रजनन परीक्षक, केशव पुरम जोन, संगम पार्क में नौकरी शुरू की थी।

स्विगी के डिलीवरी पार्टनरों का हो रहा चालान, दुविधा की बनी स्थिति

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार द्वारा शहर में दोपहिया वाहनों को टैक्सी के रूप में इस्तेमाल करने पर लगायी गयी रोक के कारण भ्रम की स्थिति बन गयी है क्योंकि ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी के डिलीवरी पार्टनरों का भी चलान कर दिया गया है। कंपनी के प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुये कहा ह्लहमारी ऑन-ग्राउंड टीम ने बताया है कि क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के अधिकारी कुछ क्षेत्रों में डिलीवरी पार्टनरों को चालान जारी कर रहे हैं, जो फूड डिलीवरी और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए काम कर रहे हैं। स्विगी के प्रवक्ता ने कहा ह्लदिल्ली में बाइक टैक्सी सेवाओं पर नियमों में हालिया बदलावों की वजह से फूड और अन्य वाणिज्यिक सामानों की डिलीवरी करने वालों को समस्या का सामना करना पड़ा है। अधिसूचना केवल बाइक टैक्सी सेवा प्रदाताओं के लिए लागू किया गया था। इसके बावजूद हमारे डिलीवरी कर्मचारियों का चालान गलत तरीके से जारी किया जा रहा है। हमारे डिलीवरी कर्मचारियों को जारी किए गए कुछ चालान 15,000 रुपये से अधिक के हैं। इन सब वजहों से हमारे डिलीवरी कर्मचारियों के बीच डर और आशंका की स्थिति पैदा हो गई है। ये लोग यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण हैं कि हमारे ग्राहक समय पर अपने ऑर्डर प्राप्त करें।

हम सरकार के निर्देश पर स्पष्टता हासिल करने के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। यह सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि हमारे डिलीवरी कर्मचारी सुचारू रूप से काम कर सकें और बिना किसी रुकावट के अपने ग्राहकों की सेवा कर सकें ह्व इस तथ्य के बावजूद कि दिल्ली सरकार का आदेश केवल टैक्सी सेवाओं से संबंधित है, डिलीवरी पार्टनरों को गलत तरीके से निशाना बनाया गया है और चालान जारी किए गए हैं। इससे फूड डिलीवरी करने में समस्या और भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है।

हमारे कई डिलीवरी पार्टनरों को रोका गया है और चालान जारी किए गए हैं। इस वजह से सर्विस में देरी हो रही है और इन सेवाओं का उपयोग करने वाले कस्टमर के ऑर्डर भी प्रभावित हो रहे हैं। कंपनी ने कहा ह्लहम अपने डिलीवरी पार्टनर की कुशलता को लेकर चिंतित हैं और उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सरकार के निर्देश पर स्पष्टता के लिए संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं और अपने डिलीवरी पार्टनरों के सामने आने वाली चुनौतियों पर अपनी चिंता व्यक्त की है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में 65वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में गुरुवार को 65वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन विश्वविद्यालय के गौतम बुद्ध शताब्दी उद्यान में किया गया. इसमें विश्वविद्यालय से जुड़े अनेक कॉलेजों ने हिस्सा लिया. प्रदर्शनी का आयोजन पुष्पोत्सव 2023: दिल्ली विश्वविद्यालय के खिलखिलाते सौ वर्षह्व रखा गया था. इस दौरान सबसे अच्छे प्रदर्शन के लिए इस वर्ष शताब्दी कप मिरांडा हाउस कॉलेज को गया. समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने कहा कि फूलों से हमें समर्पण और निस्वार्थ भाव से लोगों को खुशी देने का संदेश मिलता है. समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि आज के समय में फूलों के कारोबार में भी करियर की अपार संभावनाएं हैं.मुख्य अतिथि सतीश उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि फूलों के संपर्क में आने से अपार खुशी मिलती है. उन्होने कहा कि पूजा-अर्चना से लेकर सामाजिक समारोहों तक हर जगह फूलों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. साहित्य के माध्यम से हमें फूलों को लेकर बहुत से संदेश मिलते हैं. उन्होंने बताया कि हमारे देश में ट्यूलिप को विदेशों से मंगवाना पड़ता है. इन्हें लाना आसान नहीं होता. अब हम कोशिश कर रहे हैं कि एक बार आए ट्यूलिप के फूलों को अगले साल दोबारा प्रयोग प्रयोग लिए संरक्षित किया जा सके. शायद कश्मीर में इसके अनुकूल संभावनाएं हो सकती हैं. अगर यह संभव हुआ तो 35-40 रुपए में आए एक ट्यूलिप बल्ब को मात्र दो रुपए में संरक्षित किया जा सकेगा. इस अवसर पर उन्होंने कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह के नेतृत्व में दिल्ली विश्वविद्यालय में हो रहे अच्छे कामों को लेकर कुलपति और उनकी पूरी टीम को बधाई दी. समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने हिमाचल के चायल के एक गांव मगो का उल्लेख करते हुए बताया कि 1998 में उस गांव में एक शख्स द्वारा फूलों की खेती शुरू की गई और आज वहां से करीब 40 करोड़ रुपये के फूलों का कारोबार होता है. उन्होने बताया कि विश्व में फूलों की मांग 90 हजार करोड़ रुपए की है, जिसमें भारत का हिस्सा कुल एक प्रतिशत का है. इतने बड़े वैश्विक बाजार में हम अपनी हिस्सेदारी और बढ़ा सकते हैं. परंपरागत खेती के साथ फूलों की खेती अपनाने से अच्छा भविष्य बन सकता है. उन्होंने बताया कि डीयू आगे से ऐसी व्यवस्था कर रहा है कि सज्जा के लिए फूलों को कम से कम तोड़ा जाए. अगर सज्जा करनी है तो गमलों से की जाए ताकि उन्हें वापस सुरक्षित रखा जा सके और फूलों को कोई नुकसान न हो.

महामारी से निपटने के लिए सहयोग की जरुरत

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव राजेश भूषण ने कहा है कि महामारी नियंत्रण के लिए वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग और ज्ञान तथा संसाधनों को साझा करने की आवश्यकता है।

श्री भूषण ने बृहस्पतिवार को यहां महामारी कोष से संबंधित संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कहा कि रोग निगरानी और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में भारत द्वारा पहले से ही दी जा रही सहायता का विस्तार होगा।

कोविड-19 महामारी के भारत के व्यापक प्रबंधन का उल्लेख करते हुए श्री भूषण ने कहा कि रोग निगरानी और प्रबंधन में भारत की अच्छी स्थिति में रहेगी। उन्होंने महामारी कोष के निर्माण की दिशा में प्रयासों के की सराहना की और इसे एक लचीला और फिट-फॉर-पर्पज ग्लोबल हेल्थ आर्किटेक्चर के निर्माण की खोज में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। संगोष्ठी का आयोजन केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने किया। संगोष्ठी महामारी कोष के कामकाज और हाल ही में घोषित प्रस्तावों पर केंद्रित थी। इसके अलावा, महामारी कोष की कार्यान्वयन संस्थाओं के रूप में भारतीय स्वास्थ्य संगठनों की संभावित भूमिका की भी चर्चा की गई।

अदालत ने ईडी से कहा, धनशोधन के आरोपों के खिलाफ सुकेश की याचिका पर अपना रुख स्पष्ट करें

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

उच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय से कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की उस याचिका पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है, जिसमें 2017 निर्वाचन आयोग रिश्वत मामले में धन शोधन रोधी कानून के तहत उसके खिलाफ आरोप तय किए जाने को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार ने याचिकाकर्ता के वकील और एजेंसी की दलीलें सुनने के बाद कहा कि मामले पर और गौर किए जाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति कुमार ने दोनों पक्षों को लिखित प्रतिवेदन दाखिल करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा, आप दोनों लिखित प्रतिवेदन दाखिल करें। मैं अभी नोटिस जारी नहीं कर रहा हूं।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस मामले में अपराध के संबंध में कार्यवाही पर रोक के मद्देनजर निचली अदालत धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आरोप तय नहीं कर सकती थी।

प्रवर्तन निदेशालय के वकील ने कहा कि याचिका मामले को लटकाने का एक तरीका है और अगर याचिकाकर्ता के तर्क को स्वीकार किया जाता है, तो इसके व्यापक परिणाम होंगे। धन शोधन का यह मामला दिल्ली पुलिस की, 2017 के उस मामले की जांच के दौरान सामने आया, जिसमे आरोप लगाया गया था कि सुकेश चंद्रशेखर ने अन्नाद्रमुक के पूर्व नेता टीटीवी दिनाकरण से निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को रिश्वत देने के लिए पैसे लिए, ताकि तमिलनाडु की आर. के. नगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में वीके शशिकला गुट के लिए अन्नाद्रमुक का दो पत्तियों का चुनाव चिह्न प्राप्त किया जा सके।

उच्च न्यायालय ने 2019 में दिनाकरण और सुकेश के खिलाफ रिश्वत के मामले में सुनवाई पर रोक लगा दी थी।

निचली अदालत ने चंद्रशेखर के खिलाफ पिछले साल अक्टूबर में पीएमएलए के तहत आरोप तय किए थे। पिछले साल के शुरू में ही सुकेश को एक अन्य मामले के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया गया था। वह अभी जेल में है। इस मामले की आगे की सुनवाई पांच अप्रैल को की जाएगी। सुकेश पर फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रमोटर शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह सहित कुछ अन्य नामी लोगों के साथ कथित तौर धोखाधड़ी करने और जबरन पैसे वसूलने का मामला भी चल रहा है। वह अभी जेल में है।

पार्किंग विवाद में युवती समेत दो को बेरहमी से पीटा

नई दिल्ली। गीता कॉलोनी में बुधवार शाम को पार्किंग विवाद में दो भाइयों ने एक युवती समेत दो की पिटाई कर दी। घायल 23 वर्षीय वैशाली और उसके मुंह बोले भाई यासीन को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस दोनों भाई नादिर और यासिर के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पीड़िता वैशाली परिवार के साथ गीता कॉलोनी के न्यू लाहौर, शास्त्री नगर इलाके में रहती हैं और एक निजी कंपनी में काम करती हैं। वैशाली के अनुसार, बुधवार शाम करीब छह बजे वह अपने यासीन के साथ बाइक से घर लौट रही थी। उनके घर के आगे एक बाइक और स्कूटी खड़ी थी। जिससे उनके घर में जाने का रास्ता बंद हो गया। पता चला कि बगल में खान क्लीनिक के डॉक्टर के बेटे नादिर ने बाइक खड़ी की है। तभी नादिर आ गया और कहने लगा कि बाइक मेरी है और स्कूटी हमारे क्लीनिक के मरीज की है। वह वाहनों को हटाने से मना करने लगा। इसको लेकर उनके बीच कहासुनी हो गई। शोर सुनकर नादिर का भाई यासिर आ गया। दोनों उनके साथ मारपीट करने लगे। उनके मुंहबोले भाई यासीन ने बचाने का प्रयास किया तो उसकी भी पिटाई कर दी। दोनों को जमीन पर गिराकर बेरहमी से पीटा। लोगों की भीड़ जमा होने लगी तो धमकी देकर फरार हो गए।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने मंजिले नूर

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पुस्तक के अंग्रेजी अनुवाद का विमोचन किया

ध्यान-अभ्यास के विश्व-विख्यात आध्यात्मिक गुरु और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सुप्रसिद्ध लेखक संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने 28 फरवरी, 2023 को नई दिल्ली स्थित सीरी फोर्ट ऑडिटोरियम में मंजिले नूर पुस्तक के अंग्रेजी अनुवाद का विमोचन किया। महान सूफी-संत शायर दर्शन सिंह जी महाराज द्वारा लिखित यह पुस्तक मंजिले नूर गुरु नानक देव जी महाराज के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर आधारित है। इस पुस्तक को गुरु नानक देव जी महाराज के 500वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सन् 1969 में पहली बार प्रकाशित किया गया था। जिसके लिए संत दर्शन सिंह जी महाराज को सन् 1972 में ऊर्दू एकेडमी द्वारा महान सूफी शायर की उपाधि से सम्मानित किया गया।

संत दर्शन सिंह जी महाराज की सूफी-शायरी आने वाले कई दशकों तक आध्यात्मिक मार्ग पर चलने वाले प्रभु-प्रेमियों का मार्गदर्शन करती रहेंगी। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज द्वारा अनुवादित मंजिले नूर पुस्तक में दिया गया एक-एक शेर संपूर्ण विश्वभर के लोगों की आत्माओं को रूहानी उभार प्रदान करेगा। कार्यक्रम की शुरूआत में संत राजिन्दर सिंह जी महाराज, आदरणीय माता रीटा जी, श्री हरदीप सिंह पुरी, भारत सरकार के आवास व शहरी विकास तथा पैट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री और श्रीमती लक्ष्मी पुरी जी का फूलों के गुलदस्ते देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात इन सभी ने पारंपरिक रूप से दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उदघाटन किया।

पुस्तक विमोचन समारोह में आए हुए अतिथियों, गणमान्य व्यक्तियों और देश-विदेश से आए दर्शकों से खचाखच भरे ऑडिटोरियम को संबोधित करते हुए परम पूजनीय संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने कहा कि मुझे मंजिले नूर पुस्तक के अंग्रेजी संस्कारण का विमोचन करते हुए बड़ी ही खुशी हो रही है कि इसके जरिये प्रत्येक व्यक्ति तक गुरु नानक देव जी महाराज का संदेश पहुँचेगा ताकि वो अपना जीवन शांति, खुशी, दिव्य-प्रेम और एकता से जीते हुए अपने अंतर में प्रभु की ज्योति के साथ जुड़ सकें। गुरु नानक देव जी महाराज ने हजारों लोगों के जीवन को रोशन किया, ताकि वे आध्यात्मिक रूप से जागृत हों क्योंकि गुरु नानक देव जी महाराज स्वयं प्रभु के प्रकाश से भरपूर थे। पुस्तक में दिये गए अनेक शेरों की व्याख्या करते हुए संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने फरमाया कि गुरु नानक देव जी महाराज ने लाखों लोगों को पिता-परमेश्वर को अपने अंतर में अनुभव करने के मार्ग पर चलाया। गुरु नानक देव जी महाराज चाहते थे कि हम सही मायनों में यानि आत्मिक रूप में अपने आपको जानें और पिता-परमेश्वर से एकता का अनुभव करें। उन्होंने पुरुष और नारी में समानता तथा ईमानदारी से अपनी आजीविका कमाने पर बहुत जोर दिया है, जिसे हम सभी को अपने जीवन में ढालना चाहिए। अंत में उन्होंने कहा कि मेरी यह प्रार्थना है कि गुरु नानक देव जी की दयामेहर हम सब पर बनी रहे और यह पुस्तक हम सभी के जीवन को प्रभु की ज्योति से भरपूर कर दे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हरदीप सिंह पुरी जी ने अपने संदेश में कहा कि मैं संत राजिन्दर सिंह जी महाराज का धन्यवाद करना चाहूँगा कि उन्होंने इस पुस्तक का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद करके बहुत ही महान कार्य किया है क्योंकि यह पुस्तक व्यक्ति के अंतर्मन की भावनाओं को छूती है। इस पुस्तक में दिये गए 96 शेरों में गुरु नानक देव जी के शांति, एकता और सेवा के संदेश को समझाया गया है। पुस्तक में मूल रूप से ऊर्दू के शेरों को अंग्रेजी भाषा में अनुवाद करके उन्हें हिन्दी और रोमन भाषा में भी दिया गया है ताकि हरेक व्यक्ति उन्हें समझ सके।

सूफी-संत शायर दर्शन सिंह जी महाराज की दूरदर्शिता, ज्ञान और नम्रता आज हमें संत राजिन्दर सिंह जी महाराज में देखने को मिलती है, जो बात का सर्वोच्च उदाहरण हैं कि सदाचारी जीवन और भक्ति मार्ग पर हम कैसे चल सकते हैं। इस कार्यक्रम का समापन एक खूबसूरत अंदाज से हुआ।

अलग गोरक्षा प्रकोष्ठ की मांग वाली याचिका पर अदालत ने केंद्र, दिल्ली सरकार से जवाब मांगा

● बृहस्पतिवार को सुनवाई के दौरान कहा कि यह एक यथार्थ मुद्दा है और इस देश में गायों को पूजा जाता है।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्र और दिल्ली सरकार से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें अधिकारियों को राष्ट्रीय राजधानी में गोहत्या रोकने के लिए कदम उठाने के निर्देश की मांग की गई है।

इस याचिका में अदालत से अधिकारियों को राष्ट्रीय राजधानी के हर जिले में एक अलग गोरक्षा प्रकोष्ठ बनाने के निर्देश देने की भी मांग की गई है।

मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र, दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किये।

पीठ ने प्राधिकारियों को मामले में जवाबी हलफनामा या स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए छह हफ्ते का समय दिया। साथ ही मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 मई की तारीख मुकर्रर कर दी।अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा और केंद्र सरकार के स्थायी वकील अजय दिगपाल ने बृहस्पतिवार को सुनवाई के दौरान कहा कि यह एक यथार्थ मुद्दा है और इस देश में गायों को पूजा जाता है। याचिकाकर्ता अजय गौतम ने अपनी याचिका में कहा है कि दिल्ली में 15 जिले हैं, जिनमें 200 से अधिक थाने और 52 पुलिस चौकियां हैं तथा उनमें लगभग 80 हजार पुलिसकर्मी तैनात हैं।

याचिका में दावा किया गया है, ह्लपुलिस थानों में केवल 38,000 पुलिसकर्मियों की प्रतिनियुक्ति की जाती है और बाकी का बल बटालियन और अन्य इकाइयों में प्रतिनियुक्त किया जाता है। इतने बड़े बल की मौजूदगी के बावजूद दिल्ली में बड़े पैमाने पर गोकशी की घटनाएं हुई हैं।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि दिल्ली से लगभग 85 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हरियाणा का मेवात क्षेत्र गोकशी के लिए कुख्यात है और वहां के लोग दिल्ली से गायों की तस्करी कर मेवात ले जाते हैं और वहां उनकी हत्या कर देते हैं।

डीएम के तीखे तेबर देख बिल्डर की इमारत पर हुआ ध्वस्तीकरण, पहली बार प्रवर्तन विभाग के नोडल अधिकारी भी रहे आगे

गाजियाबाद, संवाददाता

शालीमार गार्डन में एक अवैध निर्माण को लेकर डीएम/जीडीए उपाध्यक्ष के तीखे तेबर के बाद तोडने के लिए प्राधिकरण के पूरे अमले को सडक पर उतरना पडा। आमतौर पर संबंधित प्रवर्तन जोन प्रभारी के देखरेख में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाती है,लेकिन ये पहला मौका था कि जब प्राधिकरण के प्रवर्तन विभाग के नोडल अधिकारी एवं को भी आगे आना पडा। बिल्डर के द्वारा रोड साइड में जो निर्माण किया गया था,उसे बुलडोजर से

न केवल ध्वस्त किया गया,बल्कि बिल्डर के द्वारा जो अतिरिक्त छत डाली गई थीं,उसे भी तहस नहस कर दिया गया। अपर सचिव सीपी त्रिपाठी ने बताया कि बिल्डर सलाउददीन के द्वारा शालीमार गार्डन के भूखंड संख्या बी 129 में बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है,बिल्डर को साफ शब्दों में चेतावनी दी गई थीं कि लीक से हटकर किसी भी स्थिति में निर्माण न किया जाए। तमाम चेतावनी के बावजूद बिल्डर के द्वारा लीक से हटक छत डाल दी गई। इस दौरान जीडीए के ओएसडी सुशील कुमार चैबे,तहसीलदार दुर्गेश सिंह भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

निजी पूजी निवेश से जुडे प्रोजेक्ट धरातल पर साकार करने को उठाए कदम

गाजियाबाद, संवाददाता। हाल में संपन्न हुई ग्लोबल इंन्वेस्टर्स सम्मिट के दौरान विभिन्न क्षेत्र के लोगों के साथ हुए करार योजनाओं को धरातल पर साकार करने के लिए शासन ने इम्पलीमेशन यूनिट गठित करने के आदेश दिए है। ये भी साफ किया कि जिला स्तर पर नोडल अधिकारी के साथ साथ आवश्यकता के अनुसार अन्य अधिकारी भी सम्मिलित किए जाए। शासन स्तर पर भी इम्पलीमेशन यूनिट गठित होगी। मुख्यालय पर सचिव आवास की अध्यक्षता में यूनिट का गठन किया जाएगा। प्रमुख सचिव आवास नितिन रमेश गोकर्ण ने जारी किए फरमान में साफ किया कि इम्पलीमेशन यूनिट के द्वारा हर पंद्रह दिवस के अंतराल पर समीक्षा की जाएगी। प्राधिकरण स्तर पर हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे। परियोजनाओं की लागत आधार अर्थात दो हजार करोड से अधिक,501 करोड से एक हजार करोड तक आदि की परियोजनाओं को अलग अलग सूचीबद किया जाए। इसके साथ अल्प अवधि एक साल,मध्य समयावधि 2 साल में क्रियान्वित की जा सकने परियोजनाओं को अलग अलग किया जाए।

स्वच्छ सर्वेक्षण में शहरों को और प्रभावी बनाने के लिए जिले को मिले 27 करोड़

गाजियाबाद, संवाददाता। स्वच्छ सर्वेक्षण में शहरों को और प्रभावी बनाने के लिए इस बार गाजियाबाद जिले को शासन की ओर से यूपी एसबीएम द्वारा 26 करोड़ 71 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। शासन की ओर से डीएम के संयुक्त एकाउंट में यह पैसा दिया है। स्वच्छ सर्वेक्षण में सर्वोच्च अंक लाने के लिए यह पैसा शासन की ओर से जारी करना एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह पैसा जिले की ग्राम पंचायतों के अलावा नगर पंचायतों, नगर पालिका, नगर पालिका परिषद तथा नगर निगम के बीच वितरित किया जाएगा। इस पैसे को शासन की ओर से क्षतिपूर्ति मद के नाम से जारी किया गया है। निगम प्रशासन का कहना है कि जल्दी कितना पैसा दिया गया है इसके आवंटन की सूचना मिल जाएगी।

कश्मीरी हिंदू के लिए काल बना कश्मीर, कट्टरता सबके लिए खतरनाकः बीके शर्मा हनुमान

गाजियाबाद, संवाददाता। विश्व ब्रह्मर्षि ब्राह्मण महासभा के संस्थापक राष्ट्रीय/अध्यक्ष ब्रह्मर्षि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि कट्टरपंथियों द्वारा ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाए जाने की बात हो अथवा कश्मीर में सिर्फ एक समुदाय के लोगों की हत्या के बढ़ते मामलों की बात हो। ऐसी सभी घटनाओं के पीछे धार्मिक कट्टरता को ही जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। देश-दुनिया में लगातार बढ़ती धार्मिक कट्टरता को रोकने के लिए हमें सबसे पहले ऐसे लोगों की पहचान करनी होगी जो हमारे बीच समाज मैं रहकर अप्रत्यक्ष रूप से कट्टरता को भड़काने का कार्य करते रहते हैं। समाज में भाईचारे, सद्भाव व समरसता के भाव को खत्म करके लोगों में नफरत ब का जहर घोलने के कार्य में लगे हुए तमाम बड़े संगठनों पर सरकार को तुरंत रोक लगानी चाहिए।

नई व्यवस्थाओं को लेकर भड़के रोडवेज कर्मचारी

- किया प्रदर्शन,कहा मुख्यालय वापस ले निर्णय

गाजियाबाद, संवाददाता

रोडवेज में चालक/परिचालक के द्वारा 5500 किलो मीटर से कम दूरी तय करने वाले परिचालकों को मुख्यालय से अनुमति के बाद ही भुगतान की नई व्यवस्था से गुस्साएं कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया तथा नोएडा क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के क्षेत्रीय मंत्री एसके मित्तल ने कहा कि नोएडा क्षेत्र में लंबी दूरी/अंतर्राज्यीय बस सेवाओं व नगरीय/उपनगरीय मार्गों पर नियमित चालक/परिचालक अपनी सेवाएं दे रहे है तथा मुख्यालय द्वारा पूर्व से तय व्यवस्थाओं के अंतर्गत 300/200 किलो मीटर से अधिक दूरी की संचालित वाहनों के सुरक्षित बस संचालन हेतु डबल क्रू के माध्यम से ही सेवाएं उपलब्ध करा रहे है। निर्धारित शिडयूल पूरा करने के उपरांत भी कुल संचालित किलो मीटर 02 चालकों में बराबर डयूटी कर रहे है। इसके साथ ही नोएडा क्षेत्र की काफी संख्या में बसें अपनी आयु सीमा पूरी करने के उपरांत संचालन बेडे से बाहर हो गई है। ऐसे में 5500 किलो मीटर की नई व्यवस्था पूरी किया जाना चालक एवं परिचालकों के लिए संभव नहीं है। इसमें भी नोएडा की भौगोलिक स्थिति अन्य क्षेत्रों से भिन्न है। वैसे ही महंगाई के दौर में मात्र 17 प्रतिशत महंगाई भत्ते की दर के साथ वेतन भुगतान किया जा रहा है। इस दौरान धीरज सिंह,लटूरी सिह,पुनीत शर्मा,कपिल तोमर,लक्ष्मण शर्मा,मनोज कुमार,नेत्रपाल सिंह,रवि शर्मा,प्रेम चंद,भगवान दास,शैलेंद्र कुमार,विक्रम सिंह,महेंद्र सिंह,रतिमान सिंह,कदम सिंह आदि शामिल रहे।

होली पर्वः राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा बाहरी राज्यों से शराब लाने वालों पर निगरानी

- अवैध शराब के कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए विशेष अभियान शुरू

गाजियाबाद, संवाददाता

होली पर्व को अब कुछ दिन ही शेष बचे हैं। होली पर्व को लेकर होटल और ढाबों पर अवैध शराब की बिक्री को लेकर आबकारी विभाग पहले ही सतर्क हो गया हैं। वहीं नेशनल हाईवे पर वाहनों की चैंगि के साथ-साथ ट्रेन एवं बस में सफर करने वाले यात्रियों की भी चेकिंग की जा रही हैं। त्योहार सीजन में शराब की खपत बढ़ जाती है। खपत बढ़ने पर नकली शराब का धंधा भी जोर पकड़ने लगता है। अवैध शराब की बिक्री एवं निर्माण व परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिले में आबकारी विभाग विशेष अभियान चला रहा है। जनपद में चल रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी की कई टीमें गठित की गई है। यह टीमें नियमित रूप से रेस्टोरेंट, बार, ढाबे, शराब की दुकान, चेक पोस्ट, बॉर्डर क्षेत्रों में छापेमारी कर रही रही है। जिला आबकारी अधिकारी के सख्त निर्देश है कि बगैर अनुमति के किसी भी कार्यक्रम में शराब परोसे जाने की शिकायत मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी। अलबत्ता रेस्टोरेंट, क्लब और मैरिज होम संचालकों को नियम-कानूनों का पालन करना चाहिए। नियमों का उल्लंघन करने वाले रेस्टोरेंट, बार एवं ढाबों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि होली पर्व को लेकर आबकारी विभाग की टीम द्वारा लगातार चेकिंग एवं दबिश की कार्रवाई की जा रही हैं। बुधवार को भी आबकारी निरीक्षक अखिलेश बिहारी वर्मा, आशीष पाण्डेय, अभय दीप सिंह, त्रिभुवन सिंह हयांकी, त्रिवेणी प्रसाद मौर्य, राकेश त्रिपाठी एवं अनुज वर्मा की संयुक्त टीम द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में संचलित रेस्टोरेंट, बार, ढाबे, शराब की दुकानों का निरीक्षण किया। जांच में लगभग सभी शराब की दुकान पर स्टॉक और रजिस्टर के हिसाब से सही मिली। निरीक्षकों के द्वारा बार कोड से शराब की बोतल की गुणवत्ता चेक की गई। निरीक्षण के समय कोई अनियमितता नहीं पायी गयी। निरीक्षण के दौरान रेस्टोरेंट, बार, ढाबा एवं शराब दुकानों के संचालकों को नियमानुसार बिक्री करने के निर्देश दिए। बैंक्वेट हॉल एंव रेस्टोरेंट के संचालकों को आबकारी विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले ऑकेजनल बार लाइसेंस के बारे में जानकारी भी दी गयी। बिना लाइसेंस शराब परोसने की शिकायत मिलने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई। गौरतलब हो कि जनपद में अवैध शराब के कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए आबकारी विभाग की टीम ने शराब तस्करों के संबंधित ठिकानों पर दबिश एवं हाईवे पर संचलित ढाबों के साथ-साथ शहरी क्षेत्र के होटल एवं रेस्टोरेंट के अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा बाहरी राज्यों से शराब लाने वालों पर नजर बनाए हुए है। आबकारी विभाग समय-समय पर रूटीन चेकिंग के क्रम में इस बात की तस्दीक करता है कि सभी शराब की दुकान के लाइसेंस धारक विभाग की ओर से निर्धारित मानकों के अनुरूप ही संचालित करें।

सफल घुटना प्रत्यारोपण ऑपरेशन के बाद डिस्चार्ज हुए केंद्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय

गाजियाबाद, संवाददाता

कौशांबी के यशोदा अस्पताल में 18 फरवरी से भर्ती केंद्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय बुधवार को डिस्चार्ज हो गए। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने अस्पताल के सीएमडी डॉ पीएन अरोड़ा का आभार प्रकट किया और हॉस्पिटल के डॉक्टरों, नर्सों और स्टाफ का भी उनका अच्छे से ध्यान रखने के लिए धन्यवाद किया।

डिस्चार्ज होते ही उन्होंने अस्पताल परिसर में लगे सांई बाबा की पूजा अर्चना भी की। उन्होंने हॉस्पिटल की फिजियोथिरैपी टीम एवं डायटीशियन टीम की भी बहुत तारीफ की। केन्द्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय ने बताया कि वह अब पहले से अच्छा महसूस कर रहे हैं और घुटना प्रत्यारोपण के बाद चल फिर भी पा रहे हैं। यह सब यशोदा के सीएमडी एवं उनके नेतृत्व में उपचार करने वाले कुशल डॉक्टर, स्टॉफ एवं नर्स की बदौलत ही हुआ हैं। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडे के बाएं पैर में घुटने का दर्द लगातार बढ़ रहा था। उन्हें चलने फिरने में भी दिक्कत महसूस होती थी। घुटने की सर्जरी के लिए वह 18 फरवरी को अस्पताल में भर्ती हुए थे। 19 फरवरी को डॉ महेंद्र नाथ पांडेय का घुटना प्रत्यारोपण आपरेशन हुआ, उसके बाद से वह अस्पताल में भर्ती थे। सीएमडी डॉ पीएन अरोड़ा ने बताया डॉ महेंद्र नाथ पांडेय का हॉस्पिटल में सफल घुटना प्रत्यारोपण हुआ और जिस के बाद वह चल फिर भी पा रहे हैं। इलाज कर रहे डॉक्टरों की टीम ने बताया उनकी रिकवरी अच्छी हुई है। डिस्चार्ज के दौरान महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, पप्पू पहलवान मौजूद रहे।

मोदी नगर प्रस्तावित विश्वविद्यालय का रास्ता हुआ साफ

-शासन ने कुछ पहलुओं पर जीडीए से तलब की रिपोर्ट

गाजियाबाद, संवाददाता। सब कुछ ठीक ठाक रहा तो मोदीनगर वासियों को जल्द विश्व विद्यालय की सुविधा का लाभस प्राप्त हो जाएगा। शासन स्तर से जारी 42 पेज की रिपोर्ट के बाद मोदी नगर में केएन मोदी के नाम पर विश्वविद्यालय का रास्ता साफ होते हुए दिखाई दे रहा है। कुछ पहलुओं को लेकर शासन ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से रिपोर्ट तलब की है। शासन की तरफ से प्रमुख सचिव डा सुधीर एम बोबडे के द्वारा मोदी समूह को लेटर भेजा है। लेटर में स्पष्ट किया गया कि शहरी क्षेत्र में बीस एकड में विश्वविद्यालय स्थापित करना होगा। विश्व विद्यालय स्थापना कडी में कर्ज प्राप्त करने के लिए जमीन को बंधक नहीं रखा जाएगा। शर्तों से जुडे पुलिंदे को निदेशक उच्च शिक्षा विभाग एवं अपर सचिव उच्च शिक्षा विभाग को भी भेजा है। 42 पेज की रिपोर्ट में मंत्री मंडल स्तर से लिए गए फैसलों का भी उल्लेख किया गया है। इसके साथ साथ जिला प्रशासन,मेरठ विश्वविद्यालय के स्तर से जारी रिपोर्ट का भी इसमें उल्लेख किया गया है।

बैंक, नगर निकाय तथा डूडा विभाग अपने-अपने कर्मचारियों की ड्यूटी बैंको की प्रत्येक ब्रांच में लगाए

- पथ विक्रेताओं को बैंको के चक्कर न लगाने पड़े
- पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत वितरित ऋणों की प्रगति की नगर आयुक्त ने की समीक्षा में जारी किया फरमान

गाजियाबाद, संवाददाता

नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के महात्मा गांधी सभागार में बुधवार को लीड बैंक मैनेजर, समस्त अधिशासी अधिकारी एवं संबंधित बैंक के मैनेजरों के साथ केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत वितरित प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय ऋण की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की। नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ ने लीड बैंक मैनेजर एवं समस्त अधिशासी अधिकारियों से अब तक लंबित मामलों की बैंक वार जानकारी ली। उन्होंने सभी संबंधित अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत क्षेत्र के लंबित मामलों का संबंधित बैकों से संपर्क बनाकर अगले दो से तीन-दिन के अंदर प्राथमिकता पर निस्तारण कराएं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत जारी होने वाली प्रथम एवं द्वितीय ऋण को लेकर उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जितने लाभार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय ऋण दिलवाने है उनसे यथाशीघ्र संपर्क स्थापित कर सभी आवश्यक कार्यवाही पूरी कर लें। उन्हें संबंधित बैंकों को उपलब्ध करा दें, जिससे लाभार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय ऋण उपलब्ध हो सके। बैठक के दौरान कोटक बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक के जिला समन्वयक के अनुपस्थित रहने पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जाहिरक करते हुए कड़ी चेतावनी दी कि अगली बैठक में उपस्थित रहे न कि अपने सहायक को भेजें। नगर आयुक्त ने अग्रणी जिला प्रबंधक को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी शाखा प्रबंधकों को निर्देश दें कि वह क्यूआर कोड उपलब्ध कराएं जो क्यूआर कोड संचालित नहीं है उन्हें संचालित कराया जाए।

उन्होंने अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैंक, नगर निकाय तथा डूडा विभाग अपने-अपने कर्मचारियों की ड्यूटी बैंको की प्रत्येक ब्रांच में लगाए जिससे की पथ विक्रेताओं को बैंको के चक्कर न लगाने पड़े और सभी पथ विक्रेता को योजना का लाभ मिल सकें। इसमें बैंक भी अपने कर्मचारियों को लगाएं किसी भी बैंक से पथ विक्रेता को वापस न किया जाए साथ ही इस योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कराकर लोगों को लाभान्वित कराया जाए। आयोजित बैठक में अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव, अग्रणी जिला प्रबंधक एचएस तिवारी, पीओ डूडा संजय कुमार, शहर मिशन प्रबंधक भानु प्रिया, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत सहित सभी संबंधित बैंकों के जिला समन्वयक एवं अन्य सभी संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

जनरल ने तमिलनाडु में संगठन के विस्तार के लिए चर्चा की

गाजियाबाद, संवाददाता। सांसद एवं केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल डॉ. वी.के.सिंह तमिलनाडु के दौरे पर हैं। वहां उन्होंने कन्याकुमारी, राधापुरम, नंगुनेरी और तिरूनेलवेली में संगठन के कार्यकताओं, पदाधिकारियों से संगठन के विस्तार के लिए चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में बताया। इन बैठकों के माध्यम से माननीय वीके सिंह ने अनेकों क्षेत्रवासियों को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। इस दौरे के दौरान साउथ जॉन में चल रहे सरकार के एनए एच ए आई प्रोजेक्ट की समीक्षा भी की। इसी बीच जनरल वहां मंदिरों में गए और वहां उन्होंने पूजा अर्चना कर देशवासियों की खुशहाली की कामना की।

स्क्रैप कारोबारी से पांच लाख की लूट का खुलासा, लूट के माल समेत दो लुटेरे गिरफ्तार

गाजियाबाद, संवाददाता। साहिबाबाद थाना क्षेत्र में 17 दिन पूर्व हुई स्क्रैप कारोबारी से 5 लाख की लूट का साहिबाबाद पुलिस ने खुलासा करते हुए लूट का माल समेत दो लुटेरे को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से घटना में प्रयुक्त तंमचा, कारतूस एवं स्कूटी बरामद किया है। पकड़े गए आरोपियों ने स्क्रैप कारोबारी की गाड़ी रुकवाकर उससे पांच लाख रुपए से भरा बैग लूट कर फरार हो गए थे। बुधवार को अपने कार्यालय में घटना का खुलासा करते हुए डीसीपी (ट्रांस हिंडन) डॉ दीक्षा शर्मा ने एसीपी साहिबाबाद भाष्कर वर्मा की मौजूदगी में बताया कि शालीमार गार्डन निवासी अनस मलिक स्क्रैप कारोबारी हैं। मुजफ्फरनगर और कोटद्वार में उनकी स्क्रैप फैक्ट्रियां हैं। अनस ने इसका ऑफिस शालीमार गार्डन में खोला हुआ है, जहां से इन दोनों फैक्ट्रियों का फाइनेंस कार्य संचालित होता है। 11 फरवरी की रात को अनस मलिक अपने ममेरे भाई के साथ कार से घर जा रहे थे। घर से कुछ दूरी पहले ही एक कार में चार बदमाश आए और ओवरटेक करके उन्हें रोक लिया। गन पॉइंट पर आतंकित करते हुए बदमाशों ने कार की सीट पर रखा पांच लाख रुपयों से भरा बैग लूट लिया। बदमाशों ने पीछा करने पर गोली मारने की धमकी दी और फरार हो गए। घटना के खुलासे के लिए सीसीटीवी, सर्विलांस व मुखबिर की मदद से मंगलवार देर रात साहिबाबाद थाना प्रभारी की टीम ने 80 फुटा रोड नियर दिल्ली सीमापुरी बार्डर शालीमार गार्डन से वसीम पुत्र हसमत अली निवासी डी ब्लाक बुलन्द मस्जिद शास्त्री पार्क दिल्ली एवं इमरान पुत्र जमाल उर्फ अनरूल उर्फ महबूब निवासी शास्त्री पार्क दिल्ली को गिरफ्तार किया गया। जिनके पास से घटना में प्रयुक्त तंमचा, स्कूटी एवं लूट के 85000 रुपये बराम किया गया। पुलिस पूछताछ में डीसीपी (ट्रांस हिंडन) ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपियों ने अपने साथी असफाक के कहने पर असफाक व 1 अन्य साथियों के साथ मिलकर 11 फरवरी को पांच लाख रुपए लूट की वारदात को अंजाम दिया था। घटना में प्रयुक्त वैगनार कार असफाक ही लाया था। एसीपी साहिबाबाद भाष्कर वर्मा ने बताया कि लूट का मास्टर मांइड असफाक है, जिसने लूट की पूरी योजना तैयार की थी। बरामद स्कूटी से पहले अनस मलिक की रैकी थी। लूट के बाद पकड़े गए आरोपियों के हिस्से मे 80-80 हजार रुपये आये थे। बाकी रुपय फरार साथियों के पास हैं। उन्होंने बताया फरार साथियों को गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही हैं।

गैंगस्टर मामले में 7 साल से फरार 25 हजार इनामी गिरफ्तार

गाजियाबाद, संवाददाता। गैंगस्टर मामले में 7 साल से फरार चल रहे 25 हजार इनामी को क्राइम ब्रांच टीम ने गिरफ्तार किया हैं।

एडीसीपी क्राइम ज्ञानेन्द्र सिंह ने बताया कि थाना साहिबाबाद से गैंगस्टर मामले में फरार चल रहे 25 हजार इनामी मसरूफ पुत्र मुस्ताक निवासी दयागंज थाना अहोडिया जनपद अहरिया बिहार शनिवार देर रात क्राइम ब्रांच प्रभारी अब्दुर रहमान सिद्दीकी की टीम ने सीमापुरी चौकी क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी शातिर चोर हैं और साथ ही रेलवे परिसर में चोरी करने वाले गैंग का सदस्य भी है। जो कि अपने साथियों के साथ मिलकर दिल्ली, एनसीआर व आसपास के क्षेत्रों में ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों का सामान चोरी की वारदात को अंजाम देता था। चोरी के माल को दुसरे क्षेत्र में ले जाकर बेंच देता था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस पिछले काफी समय से प्रयास कर रही थी। आरोपी चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद दुसरे क्षेत्र में जाकर छिप जाता था। ट्रेन में पुलिस से बचने के लिए आरोपी बकायदा टिकट लेकर चढता था। जिससे चेकिंग में बच सकें। क्राइम ब्रांच प्रभारी अब्दुर रहमान सिद्दीकी ने बताया पकड़ा गया आरोपी शातिर किस्म का हैं। जो कि दिल्ली में ई-रिक्शा चलाता था। दिन में ई-रिक्शा और रात में ट्रेन में यात्रियों के सामानों की चोरी करना इसका पेशा था। आरोपी पुलिस से बचने के लिए अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। आरोपी वर्ष 2016 से गैंगस्टर में फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पिछले काफी समय से टीम प्रयास कर रही थी। आरोपी के फरार साथियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही हैं।

13 साल पुराने अनुबंध पर बने एफओबी की जांच के बाद हो सकती हैं कार्रवाई

गाजियाबाद, संवाददाता। शहर में दो नए एफओबी बन गए हैं। यह दोनों ही एफओबी वर्ष 2013 में हुए अनुबंध के आधार पर बनाए गए हैं। इस प्रकरण को लेकर पिछले महीने नगर निगम बोर्ड की सात जनवरी को हुई बैठक में हंगामा हुआ था। इस प्रकरण के सामने आने के बाद नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने जांच बैठा दी है। जांच अधिकारी अपर नगर आयुक्त अरूण कुमार यादव को बनाया गया है। हिंडन शमशान घाट हिंडन सामने जीटी रोड और सिद्धार्थ विहार के पास डीपीएस के सामने एफओबी बनाया गया है। हाल ही में इन एफओबी को बनाने के लिए कोई भी एमओयू कंपनियों के बीच नहीं हुआ है। पता चला है कि वर्ष 2013 में शहर में 14 स्थानों पर एफओबी बनाने के लिए कंपनियों के लिए अनुबंध हुआ था। इसके बाद कभी नगर निगम ने न तो इसके लिए टेंडर निकाला और न ही कभी किसी एफओबी के लिए अनुबंध ही निगम की ओर से साइन किया गया है। नगर निगम बोर्ड की बैठक में उठे इस प्रकरण के बाद जांच के दौरान यह भी बात सामने आया कि जिस जगह एफओबी बने हैं वहां इन्हें बनाने के लिए नगर निगम ने अनुबंध नहीं किया था। मगर अब 13 वर्ष पुराने अनुबंध पर दूसरी जगह एफओबी बनाने के मामले में कार्रवाई शुरू हो सकती है।

निरीक्षण लेबल चिपकाने से लेकर पेटियों में पेकिग करने तक कार्य को बारीकी से देखा, गर्मी में बढ़ने वाली बीयर की सप्लाई को बढ़ाने के निर्देश दिए...

आबकारी आयुक्त ने किया डिस्टलरी, ब्रेवरी एवं मानव ब्रेवरी का निरीक्षण

- फरमान किसी भी दशा में आबकारी दुकानों में ओवर रेटिंग न होने पाए

गाजियाबाद, संवाददाता

उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग के आयुक्त सेंथित पांडियन सी ने मंगलवार देर शाम मोहन मीकिंग डिस्टलरी, ब्रेवरी एवं डायमंड फ्लाईओवर स्थित मानव ब्रेवरी का अधिकारियों संग औचक निरीक्षण किया। करीब एक घंटे के निरीक्षण में आबकारी आयुक्त ने कांच की बोतल बनने से लेकर उसमें शराब भरने, ढक्कन लगाने और लेबल चिपकाने से लेकर पेटियों में पेकिग करने तक कार्य को बारीकी से देखा। कुछ जरूरी निर्देश देकर आयुक्त फैक्टरी से चले गए। निरीक्षण के दौरान आबकारी आयुक्त ने निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता एवं उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ साथ इंटीग्रेटेड एक्साइज सप्लाई चैन मैनेजमेंट सिस्टम (आईएफएससीएमएस) प्रोजेक्ट के प्रगति की भी समीक्षा की और इसे एन्ड टू एन्ड पूर्णतया लागू करने में आ रही समस्या को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही गर्मी में बढ़ने वाली बीयर की सप्लाई को बढ़ाने के निर्देश दिए। आबकारी आयुक्त डिस्टलरी फैक्टरी में कांच की बोतल बनाने वाले प्लांट में पहुंचे। उसके बाद शराब बनाने वाले प्लांट में गए, जहां शराब किस तरह से तैयार की जाती है, इसकी जानकारी संबंधित इंजीनियरों से ली। पव्वा, हाफ और बोतल में भरी शराब में कितनी मात्रा किस-किस पदार्थ की होती है, इसको जाना। बोतलों में मशीनों से शराब भरने के बाद ढक्कन लगने, लेबल चिपकाने के बाद पेटियों में किस तरह से बोतल रखी जाती हैं, इसकी जानकारी की। प्रत्येक प्लांट मे सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था देखी और उन्हें कनेक्ट करने और परिसर को पूर्ण रूप से स्वच्छ रखने के निर्देश दिए। उन्होंने एक-एक बिंदु की जांच कर एनजीटी के साथ सरकार की गाइडलाइन का पालन करने के भी निर्देश दिए। साथ ही आबकारी निरीक्षकों को भी सख्त निर्देश देते हुए कहा कि निर्जन स्थान, इंडस्ट्रियल एरिया, बंद फैक्ट्री आदि स्थानों पर नियमित रूप से निरीक्षण किया जाए। शराब की ऐसी दुकानों जिनके द्वारा कोटे का उठान काफी अंतराल पर किया जा रहा है, उनकी लगातार चेकिंग की जाए। कहीं ऐसा न हो ऐसे दुकानदारों द्वारा अवैध शराब की बिक्री की जा रही हो। किसी भी दशा में आबकारी दुकानों में ओवर रेटिंग न होने पाए। निरीक्षण के दौरान उप आबकारी आयक्त मेरठ प्रभार मेरठ राजेन्द्र कुमार शर्मा, संयुक्त आबकारी आयुक्त मेरठ जोन मेरठ सुनील कुमार मिश्रा, जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार सिंह, मोहन मींकिग के सहायक आबकारी आयुक्त बख्तावर हनीफ, मानव ब्रेकरी सहायक आबकारी आयुक्त रमेश विद्यार्थी एवं आबकारी निरीक्षक व आईएफएससीएमएस प्रोजेक्ट के अंतर्गत सेवा प्रदाता कंपनी ओएएसवाईएस के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

किसान की आय दो रुपए !

किसान की आय 2 रुपए ही नहीं है। यह प्रतीकात्मक आंकड़ा है कि किसानी कितनी सस्ती है या कृषि की मंडी कितनी क्रूर है ! हम और भारत सरकार बखूबी जानते हैं कि किसानी के बाजार में बिचौलियों का कितना दबदबा है ! केंद्रीय खाद्य मंत्री रहते हुए रामविलास पासवान ने इस आशय का बयान देकर सरकार को चौंका दिया था। आज वह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन एक और क्रूर यथार्थ सामने आया है। महाराष्ट्र की सोलापुर मंडी में प्याज की फसल बेचने गया था किसान राजेन्द्र तुकाराम चव्हाण। फसल 512 किलोग्राम थी। प्याज का भाव मात्र 1 रुपए किलो देने की बात हुई, तो किसान को पहला झटका लगा। फिर ट्रांसपोर्ट, मजदूरी, माल ढुलाई और आढ़ती की कमीशन निकाल कर किसान को मात्र 2 रुपए का चेक दिया गया। वह भी 15 दिन बाद का था। अर्थात 512 किग्रा प्याज की कुल कीमत मात्र 2 रुपएङ्क ! क्या नंगी नहाए, क्या निचोड़े ! यह यथार्थ तब का है, जब किसान की आय दोगुनी करने का सरकारी वायदा एक साल पहले गुज चुका है। आमदनी तो बढ़ी नहीं, किसान को फसल की लागत भी नसीब नहीं है। मुनाफा तो सपनों की बात है।

किसान राजेन्द्र चव्हाण ने 512 किग्रा प्याज बोने और पैदा करने की संपूर्ण प्रक्रिया पर 40,000 रुपए से ज्यादा खर्च किए थे और आमदनी मात्र 2 रुपए हो पाई ! वह घर-परिवार कैसे चलाए? रोटी कैसे खाए? बच्चों को कैसे पढ़ाए? बेटी की शादी कैसे करे? और किसानी के धंधे को बदस्तूर जारी कैसे रखे? ऐसी ही कहानी तेलंगाना में टमाटर की है। वहां टमाटर अनाथ की तरह रुल रहा है। किसान कह रहे हैं कि जितना चाहिए, टमाटर तोड़ कर ले जाएं। प्याज, टमाटर के अलावा आलू ने भी यही क्रूर यथार्थ झेला है। कुछ और सब्जियों की भी यही नियति होगी ! इन परिस्थितियों में किसान आत्महत्या नहीं करेगा, तो उसके सामने विकल्प क्या है? किसान अपने ट्रैक्टर तले फसलों को रौंद रहे हैं या सडकों पर फेंक रहे हैं। यह प्याज, टमाटर की बबार्दी नहीं है, बल्कि अर्थव्यवस्था को कुचलना है। भारत में प्याज की 150 लाख टन से ज्यादा की खपत है और उत्पादन 200 लाख टन से ज्यादा हुआ है। इसके बावजूद प्याज आयात किया जाता रहा है। हम इस धंधे को समझ नहीं पाए हैं। फिलीपींस में 3512 रुपए किलो प्याज बिक रहा है। अमरीका में 240, दक्षिण कोरिया में 250, ताइवान और जापान में 200, कनाडा में 190 और सिंगापुर में 180 रुपए प्रति किलो प्याज बिक रहा है। यदि हम अपने ही खुदरा बाजार की बात करें, तो औसतन 30-35 रुपए के दाम हैं। तो फिर किसान को उसकी फसल के सही भाव क्यों नहीं दिए जा रहे?

भारत में किसान की औसत आय 27 रुपए रोजाना की है। यह नीति आयोग का तथ्य है। माहवार आय भी 4500 रुपए के करीब है। किसान 5500-6000 रुपए मजदूरी बगैरह करके कमाता है। क्या कृषि के मौजूदा बाजार के व्यवहार से स्पष्ट है कि किसान को किसानी छोडे पर विवश किया जा रहा है? क्या सरकार और मंडी किसानों को आंदोलन की सजा दे रही है? सरकार प्याज और टमाटर के भी भाव तय क्यों नहीं कर रही कि उससे कम पर फसल बिकेगी ही नहीं। किसानों को मंडी के बजाय विदेश में निर्यात क्यों नहीं करने दिया जा रहा? और आयात की क्या जरूरत है, जब नैफेड के कोल्ड स्टोरेज या गोदामों में प्याज भरा रखा होता है?

बेहद पेचीदा नीतियां हैं सरकार की ! विडंबना यह भी है कि सरकार उद्योगों में पूंजी निवेश करती है, लेकिन किसानी को कुदरत और मौसम के भरोसे छोड़ देती है। बेल-आउट पैकेज भी उद्योगों के लिए हैं। यह मेहरबानी खेती पर नहीं है। आखिर क्यों? किसान की फसल की कीमत 2 रुपए तब दी जा रही है, जब देश आजादी का अमृतकाल मना रहा है। प्रधानमंत्री किसानों में 6000 रुपए सालाना की खैरात बांट सकते हैं, लेकिन किसानी की उचित कीमत और किसान-समर्थक व्यवस्था तैयार नहीं कर सकते।

सेहत, सफलता और खुशी

पीके खुराना

जैसे-जैसे मुझे जीवन की कुछ समझ आ रही है, वैसे-वैसे सिर्फ एक बात साफ नजर आनी शुरू हुई है कि अगर हम सचमुच जीवंत जीवन जीना चाहते हैं तो हमें प्रकृति के नजदीक जाना होगा और प्राकृतिक जीवन जीना होगा, या प्रकृति को अपने जीवन में उतारना होगा। बचपन से ही हम असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योमार्मृतं गमय प्रार्थना गाते आए हैं जिसका अर्थ है कि हे प्रभु हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो। आइए, इस प्रार्थना पर थोड़ा गहराई से विचार करें। लालची व्यवसायियों और कुटिल राजनीतिज्ञों ने आज हमारे हमारे जीवन में जहर घोल दिया है। झूठ को सच बनाकर पेश करना, जानबूझ कर झूठे वायदे करना राजनीतिज्ञों का शगल हो गया है और यह किसी एक दल तक सीमित नहीं है। हर दल इस बीमारी को फैला रहा है और हम उनके झूठ के शिकार बन रहे हैं। ये राजनीतिज्ञ हमें सत्य से असत्य की ओर ले जा रहे हैं। पर हमारा आज का विषय राजनीति नहीं है, इसलिए इसे हम यहीं छोडकर आगे बढ़ते हैं। ह्यहे प्रभु, हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलोह्ल का अर्थ है कि हम अज्ञानी न रहें, अज्ञान अंधकार की तरह है जिसमें हमें कुछ नहीं सूझता, इस अज्ञान की जगह हमें ज्ञान का प्रकाश मिले। ज्ञान का प्रकाश मिलना तो हमारी आकांक्षा में शामिल है ही, पर आज हम उससे भी पहले की बात भी करेंगे, यानी इस प्रार्थना के शाब्दिक अर्थ पर भी गौर करेंगे। आज हम सचमुच प्रकाश से वंचित हैं और ऐसा हमने खुद जानबूझ कर किया है।

हमारे भवन ऐसे बनने लगे हैं जहां सूर्य का सीधा प्रकाश नहीं आता, आता भी है तो उसे हम मोटे-मोटे परदे लगाकर बाहर रोक देते हैं और कृत्रिम प्रकाश में जीवन गुजारते हैं। घर से बाहर निकलते हैं तो सन-स्क्रीन लगाते हैं जो सूर्य की किरणों के गुणों से हमें वंचित कर देती है। सूर्य की किरणें हमारी त्वचा के सीधे संपर्क में आती हैं तो हमारे शरीर को अत्यावश्यक विटामिन-डी मिलता है, बिल्कुल मुफ्त। अब चूंकि यह मुफ्त है, इसलिए फार्मास्यूटिकल कंपनियां इसका विज्ञापन नहीं करतीं और अक्सर डाक्टर भी इसके बारे में जदा बात नहीं करते। यह एक ऐसा असाधारण और गुणकारी पोषक तत्व है जिसके बारे में हमारी हैल्थ इंडस्ट्रीह्ल बात ही नहीं करती। सूर्य की किरणें जब शीशे में से गुजर कर हम तक पहुंचती हैं तो विटामिन-डी नहीं बनता, इसलिए घर, दफ्तर या कार में बैठने पर यदि हमें सूर्य का प्रकाश मिले भी तो हमें उसका असली लाभ नहीं मिल पाता। शरीर में विटामिन-डी की कमी हो तो हमारा शरीर भोजन से मिलने वाले कैल्शियम को नहीं सोख पाता और हमारी हड्डियां कमजोर रह जाती हैं। सूर्य की रोशनी से मिलने वाला विटामिन-डी एकाएक नहीं बढ़ाया जा सकता, इसके लिए सूर्य के प्रकाश में नियमित रूप से बाहर निकलना आवश्यक है। सुबह की सैर को इसीलिए अमृत समान माना गया है जो हमें पूर्ण स्वास्थ्य प्रदान करता है क्योंकि इससे हमें व्यायाम के अलावा सूर्य की किरणों का पोषण भी मिल जाता है। उगते सूरज की रोशनी में लंबी सैर, थोड़ा सा योग, आंखों के व्यायाम और सही खानपान स्वास्थ्य की गारंटी हैं जो मुफ्त में उपलब्ध हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि हमें इनके बजाय दवाइयों पर निर्भर रहना सिखाया जा रहा है और हमें भी वह ज्यादा आसान लगता है।

सूरज की किरणों से मिलने वाले लाभ को जानने के अलावा यह जानना और भी जरूरी है कि विटामिन-डी की कमी से होने वाले नुकसान क्या हैं। शरीर में विटामिन-डी की कमी से हड्डियां कमजोर होती हैं, शरीर में इन्सुलिन का बनना कम हो जाता है और हम टाइप-2 शूगर के मरीज बन सकते हैं, और यदि शरीर में विटामिन-डी की आवश्यक मात्रा उपलब्ध हो तो हम प्रोस्टेट कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, ओवेरियन कैंसर, कोलोन कैंसर आदि कई तरह के कैंसर से बच सकते हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि दोषपूर्ण जीवन शैली के कारण खुद डाक्टर भी विटामिन-डी की कमी के शिकार हो रहे हैं। सही खानपान भी हमारी सेहत के लिए बहुत आवश्यक है। हम भारतीय रोटी और चावल के आदी हैं और सलाद की महत्ता की उपेक्षा करते हैं। दरअसल अभी हम भोजन में जितनी सब्जी और जितना सलाद लेते हैं वह बहुत कम है। भोजन का सही तरीका यह है कि हम रोटी का एक कौर खाएं और उसके बाद दो-तीन बड़े चम्मच सब्जी या दाल लें, उसी प्रकार तीन-चार बार सलाद लें, तब अगला कौर खाएं। इससे शरीर में फाइबर की आवश्यक मात्रा पहुंचेगी और भोजन पूरी तरह से पचेगा। अभी हम सलाद दवाई की तरह खाते हैं, बहुत थोड़ा खाते हैं या खाते ही नहीं हैं। रोटी या चावल की जगह सब्जी और सलाद की मात्रा बढ़ा देने से हमें डाइटिंग की आवश्यकता भी नहीं रहती और हम स्वस्थ भी रहते हैं। हम नौकरी करते हों, छोटे या बड़े व्यवसायी हों या उद्यमी हों, समस्याएं तो आती ही हैं। समस्याएं जीवन का शाश्वत सत्य हैं। जीवन है तो समस्याएं हैं, चुनौतियां हैं, फर्क यही है कि उन चुनौतियों के प्रति हमारा दृष्टिकोण क्या है।

महाअधिवेशन के भव्य आयोजन से भूपेश बघेल का कद कांग्रेस पार्टी में बढ़ गया है

कांग्रेसी राजनीति में एक शख्स ऐसा है, जिसका कद इस महाधिवेशन के बाद बढ़ना तय है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर कांग्रेस के गांधी-नेहरू परिवार की मिजाजपुर्सी का विपक्षी खेमे की ओर से चाहे जितना भी आरोप लगा हो, लेकिन इस महाधिवेशन की कामयाबी के बाद कांग्रेसजनों की नजर में उनका कद बढ़ गया है। इसका फायदा वे आगामी विधानसभा चुनावों में उठाने की कोशिश करेंगे। कांग्रेस अपने गठन के 138वें साल में प्रवेश कर चुकी है। इस अवधि में उसके 85 महाधिवेशन हो चुके हैं। रायपुर से सटे नवा रायपुर में हुए 85वें अधिवेशन के जैसे इंतजाम रहे, कम से कम उससे कांग्रेसी खेमे में संतुष्टि का भाव नजर आ रहा है। इसकी वजह है, महाधिवेशन का सफल आयोजन। कांग्रेस में सक्रिय आज की पीढ़ी के बीच अब तक हैदराबाद अधिवेशन की जमकर चर्चा होती थी। उस अधिवेशन का इंतजाम आंध्र प्रदेश के दिग्गज कांग्रेसी नेता वाई राजशेखर रेड्डी ने किया था।

उमेश चतुर्वेदी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

रायपुर में हुआ कांग्रेस महाधिवेशन राजनीतिक तौर पर कितना सफल हुआ, कांग्रेस की भावी चुनावी सफलता और विपक्षी खेमे में उसकी स्वीकार्यता पर इसका आकलन निर्भर करेगा। लेकिन कांग्रेसी राजनीति में एक शख्स ऐसा है, जिसका कद इस महाधिवेशन के बाद बढ़ना तय है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर कांग्रेस के गांधी-नेहरू परिवार की मिजाजपुर्सी का विपक्षी खेमे की ओर से चाहे जितना भी आरोप लगा हो, लेकिन इस महाधिवेशन की कामयाबी के बाद कांग्रेसजनों की नजर में उनका कद बढ़ गया है। इसका फायदा वे आगामी विधानसभा चुनावों में उठाने की कोशिश करेंगे।

कांग्रेस अपने गठन के 138वें साल में प्रवेश कर चुकी है। इस अवधि में उसके 85 महाधिवेशन हो चुके हैं। रायपुर से सटे नवा रायपुर में हुए 85वें अधिवेशन के जैसे इंतजाम रहे, कम से कम उससे कांग्रेसी खेमे में संतुष्टि का भाव नजर आ रहा है। इसकी वजह है, महाधिवेशन का सफल आयोजन। कांग्रेस में सक्रिय आज की पीढ़ी के बीच अब तक हैदराबाद अधिवेशन की जमकर चर्चा होती थी। उस अधिवेशन का इंतजाम आंध्र प्रदेश के दिग्गज कांग्रेसी नेता वाई राजशेखर रेड्डी ने किया था। महज डेढ़ साल पहले ही उन्होंने अपने दम पर आंध्र प्रदेश की सत्ता पर कांग्रेस को काबिज कराया था। 2004 में केंद्रीय राजनीति में कांग्रेस की वापसी में भी आंध्र प्रदेश ने बड़ी भूमिका निभाई थी। तब आंध्र प्रदेश की 42 सीटों में से कांग्रेस ने अकेले 29 और उसकी सहयोगी कम्युनिस्ट पार्टियों ने दो सीटें जीती थीं। लोकसभा के साथ हुए विधानसभा चुनाव की 294 सीटों में से कांग्रेस ने जहां वाईएसआर की अगुआई में 185 सीटें जीती थीं, वहीं उसकी सहयोगी कम्युनिस्ट पार्टियों को पंद्रह सीटों पर जीत हासिल हुई थी। इसके साथ ही कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। जाहिर है कि दोनों जीतों और अरसे से आंध्र की सत्ता पर काबिज तेलुगू देशम को पराजित करने का असर दो साल बाद हुए हैदराबाद कांग्रेस महाधिवेशन पर दिखा। वाईएसआर ने महाधिवेशन को कामयाब बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी।

लेकिन कांग्रेसी हलकों में माना जा रहा है कि भूपेश बघेल ने हैदराबाद अधिवेशन की सुनहली यादों को अपने इंतजामों के जरिए कम से मौजूदा पीढ़ी के कांग्रेसियों के दिल-ओ-दिमाग से निकाल दिया है। इस अधिवेशन को रायपुर में कराने का प्रस्ताव भूपेश बघेल ने दिया था। कांग्रेस के पहले परिवार से अपनी नजदीकी के चलते इसे आयोजित कराने के लिए आलाकमान की सहमति लेने में भी कामयाब रहे। कांग्रेसी हलकों में कहा जा रहा है कि उनके आयोजन को खराब करने की कोशिश भी हुई। प्रवर्तन निदेशालय के छापे भी इस दौरान चलते रहे। कांग्रेसियों का कहना है कि प्रवर्तन निदेशालय का छापा महाधिवेशन का इंतजाम देख रहे कारोबारी के घर भी पड़ा। लेकिन वह पीछे नहीं हटा। जिससे आयोजन पर असर नहीं पड़ा। कांग्रेसी जानकार कहते हैं कि इसके सफल आयोजन के पीछे भूपेश बघेल की अपनी टीम का हाथ रहा। जिसमें दो पूर्व पत्रकार समेत कुछ अधिकारी शामिल हैं। लगातार तीन दिनों तक चले महाधिवेशन में देशभर से करीब पंद्रह हजार कांग्रेसी जुटे। आखिरी दिन सभा भी हुई। उस दिन रायपुर में करीब एक लाख से ज्यादा की भीड़ जनसभा में जुटी। कांग्रेस संगठन का भीड़ जुटाने में सरकारी तंत्र का आरोप भाजपा ने लगाया है। लेकिन विधानसभा चुनावी वर्ष में इतनी भीड़ जुटना कांग्रेसी मामूली बात नहीं मानते। इसकी वजह से माना जा रहा है कि भूपेश बघेल एक बार फिर कांग्रेस आलाकमान का भरोसा जीतने में कामयाब रहे। कांग्रेस में उनके विरोधी टीएस सिंहदेव कुछ महीने तक बगावती तेवर अख्तियार किए हुए थे। माना जा रहा है कि कांग्रेस महाधिवेशन की सफलता के बाद उनका असर कम होगा।

महाधिवेशन के बाद छत्तीसगढ़ की कांग्रेसी राजनीति में भूपेश बघेल का कद के बढ़ने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आखिरी दिन की रैली में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने आयोजन की ना सिर्फ तारीफ की, बल्कि बघेल को बधाई भी दी। बघेल कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के नजदीकी माने जाते हैं। प्रियंका के स्वागत में बघेल ने प्रियंका की राह में गुलाब की पंखुड़ियों का गलीचा बिछा दिया। इसकी आलोचना होनी थी और हुई भी। इसे राजनीतिक हलकों में अच्छे संदर्भ में नहीं लिया गया। आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी इसे मुद्दा जरूर बनाएगी। लेकिन लगता नहीं कि भूपेश बघेल को इसकी परवाह है। उन्हें अपने आलाकमान को प्रसन्न करना था और वे कामयाब रहे हैं। उनकी तारीफ में प्रियंका का यह कहना कि छत्तीसगढ़ मॉडल देश को रास्ता दिखा रहा है और इसी कारण से यहां छापे पड़ रहे हैं, भूपेश बघेल की कुर्सी के सलामत रहने और आगामी विधानसभा चुनाव उनकी ही अगुआई में लड़ने का स्पष्ट संदेश हैं।

इस महाधिवेशन पर होने वाले खर्च कांग्रेस विरोधी दलों के निशाने पर रहेंगे ही। इस महाधिवेशन के लिए देश भर से पंद्रह हजार से ज्यादा लोग रायपुर में जुटे। भूपेश बघेल की टीम ने सबके ठहरने का बेहतर इंतजाम किया। अधिवेशन स्थल पर वाईफाई, अस्पताल, प्रदर्शनी, लाउंज, आरामकक्ष और पार्टी के सर्वोच्च नेताओं के लिए अस्थायी दफ्तर बनाया गया था। इस आयोजन में चाहे बड़ा नेता हो या छोटा कार्यकर्ता, सबके लिए भूपेश की टीम ने एक समान भोजन का इंताजम किया था। इस आयोजन पर सरकारी धन का भी खर्च हुआ। सभी आगंतुकों को छत्तीसगढ़ मॉडल को लेकर किताबें और उपहार आदि भी दिए गए। इससे महाधिवेशन में शामिल कांग्रेसी गदगद हैं। इसके चलते माना जा रहा है कि इस आयोजन के जरिए बघेल ने कांग्रेस में लम्बी लकीर खींच दी है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी के लिए आगामी विधानसभा चुनावों में उन्हें चुनौती देने के लिए नए हथियार तलाशने होंगे। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के बीच भूपेश बघेल की रणनीतिकार की छवि 2018 में सत्ता में वापसी के साथ ही बन गई थी। माना जा रहा है कि महाधिवेशन के बाद पूरी कांग्रेस उनके लिए ऐसा सोचने लगी है। ऐसे में दो बातें तय हैं, एक कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ का अगला विधानसभा चुनाव भूपेश बघेल की ही अगुआई में लड़ेगी। वहीं भारतीय जनता पार्टी की चुनौती भी बढ़ गई है। इसलिए भूपेश को पटखनी देने के लिए उसे अपनी तरकश से नए तीर निकालने होंगे।

रेलव- पूर्वोत्तर भारत के नए विकास का इंजन

दशकों बाद, रेलवे डिब्रूगढ़ से कोलकाता तक यात्रा की अवधि को 15 दिनों से घटाकर 24 घंटे तक करने में सफल रहा है। हालांकि, 2014 तक, पूर्वोत्तर में रेलवे की सेवाएं मुख्य रूप से वर्तमान के असम तक ही सीमित रहीं। पिछले 8 वर्षों में, पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे के विस्तार को सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए गए हैं और जिस धैर्य व दृढ़ता से इस सपने को साकार किया गया है, उसे लोगों के सामने लाये जाने की आवश्यकता है। एक नई सुबहझ्र पूर्वोत्तर में बदलाव भूतल परिवहन की तेजी से प्रगति, किसी भी क्षेत्र के त्वरित विकास के लिए महत्वपूर्ण है और इसके लिए भारतीय रेलवे पूर्वोत्तर में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दशकों की उपेक्षा और विकास की धीमी गति को देखते हुए, सरकार ने इस क्षेत्र में परिवहन-संपर्क को अभूतपूर्व बढ़ावा दिया है। पिछले 9 वर्षों में, भारतीय रेलवे ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए इस क्षेत्र में नई रेल लाइनों, पुलों, सुरंगों आदि के निर्माण पर 50,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं और लगभग 80,000 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

जी. किशन रेड्डी
केंद्रीय उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास, पर्यटन और संस्कृति मंत्री

डिब्रू-सादिया रेलवे के पहले लोकोमोटिव ने 1882 में ब्रह्मपुत्र के साथ दूर के चाय-बागानों को जोड़ा, ताकि वस्तुएं अंततः कोलकाता तक पहुंच सकें। दशकों बाद, रेलवे डिब्रूगढ़ से कोलकाता तक यात्रा की अवधि को 15 दिनों से घटाकर 24 घंटे तक करने में सफल रहा है। हालांकि, 2014 तक, पूर्वोत्तर में रेलवे की सेवाएं मुख्य रूप से वर्तमान के असम तक ही सीमित रहीं। पिछले 8 वर्षों में, पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे के विस्तार को सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए गए हैं और जिस धैर्य व दृढ़ता से इस सपने को साकार किया गया है, उसे लोगों के सामने लाये जाने की आवश्यकता है।

एक नई सुबहझ्र पूर्वोत्तर में बदलाव

भूतल परिवहन की तेजी से प्रगति, किसी भी क्षेत्र के त्वरित विकास के लिए महत्वपूर्ण है और इसके लिए भारतीय रेलवे पूर्वोत्तर में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दशकों की उपेक्षा और विकास की धीमी गति को देखते हुए, सरकार ने इस क्षेत्र में परिवहन-संपर्क को अभूतपूर्व बढ़ावा दिया है। पिछले 9 वर्षों में, भारतीय रेलवे ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए इस क्षेत्र में नई रेल लाइनों, पुलों, सुरंगों आदि के निर्माण पर 50,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं और लगभग 80,000 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

पूंजीगत व्यय पर विशेष जोर ने यह सुनिश्चित किया है कि राजधानी रेल-संपर्क परियोजना, जिसका उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों की सभी राजधानियों को जोड़ना है, अब एक वास्तविकता है। इसके हिस्से के रूप में, भारत, जिरीबाम-इम्फाल रेल लाइन का निर्माण कर रहा है, जिसमें 141 मीटर की ऊंचाई पर दुनिया का सबसे ऊंचा लंबा तटबंध पुल है। इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए, भारत सरकार द्वारा पूर्ण समर्थन और संसाधन प्रदान किए गए हैं। 2009 और 2014 के बीच प्रति वर्ष 2,122 करोड़ रुपये के खर्च की तुलना में, औसत वार्षिक बजट आवंटन में 370 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 9,970 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। अवसंरचना विकास के सन्दर्भ में, पूर्वोत्तर की स्थलाकृति हमेशा से एक कठिन चुनौती रही है। हालांकि, मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों से क्षेत्र के सुदूर स्थलों को भी रेल-संपर्क से जोड़ना सुनिश्चित हुआ है। वर्तमान में 121 नई सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है और इनमें 10.28 किलोमीटर लंबी सुरंग संख्या 12 शामिल है, जो देश की दूसरी सबसे लंबी सुरंग होगी।

रोजगार के अवसरों का सृजन-युवाओं का सशक्तिकरण

स्थानीय व्यवसायों और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने 2022 में असम और गोवा के बीच पहली पार्सल कार्गो एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन किया। रानी गाइदिनल्यू, नागालैंड और मणिपुर की एक महान आध्यात्मिक गुरु हैं। एक उपयुक्त श्रद्धांजलि के रूप में, पहली मालगाड़ी ने मणिपुर के तमेंग्लॉन्ग जिले के रानी गाइदिनल्यू रेलवे स्टेशन में प्रवेश किया था।

जो लोग पूर्वोत्तर जाते हैं, वे इस क्षेत्र की शानदार पर्यटन क्षमता से अभिभूत हो जाते हैं। मनोरम दृश्य, वन्यजीव और संस्कृति व त्योहारों के रूप में अमूर्त विरासत, सम्पूर्ण पूर्वोत्तर की विशिष्टता है। पर्यटकों को पूर्वोत्तर भारत की लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता का आनंद मिले, इसके लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने कई अत्याधुनिक विस्टाडोम कोच शामिल किए हैं। इससे पर्यटकों की संख्या में वृद्धि की उम्मीद है, परिणामस्वरूप महिलाओं और आदिवासियों जैसे वंचित समुदायों के लिए रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी।

इस क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में रेलवे भी महत्वपूर्ण रहा है। पिछले 3 वित्त वर्षों में, रेलवे ने बीस हजार से अधिक अकुशल श्रमिकों को रोजगार दिया है और कुशल काम के लिए रिक्तियां पैदा की हैं। इस प्रकार, रेलवे ने क्षेत्र के बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में योगदान दिया है।

समय के साथ, स्थानीय समुदायों को अपने घरों के करीब रोजगार के अवसरों के मिलने से देश के अन्य हिस्सों में उनके प्रवास में कमी आयेगी। इससे क्षेत्र की संस्कृति और पहचान को बनाए रखने में मदद मिलेगी तथा भावी पीढ़ियां यहां की विशिष्टताओं से अवगत हो सकेंगी। एक सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त युवा, क्षेत्र और राष्ट्र के लिए हितैषी होंगे।

पूर्वोत्तर- भारत की ह्यएक्ट ईस्टह्ल नीति का प्रवेश द्वार

अर्थव्यवस्था, व्यापार और शक्ति के वैश्विक केंद्र के रूप में एशिया के उदय के कारण, 21वीं सदी को अक्सर एशियाई सदी के रूप में जाना जाता है। भारत इस उदय का इंजन है।

2014 में, भारत की ह्लुक ईस्ट पॉलिसीह्ल, जिसने भारत के पूर्वी पड़ोसियों के साथ बेहतर आर्थिक संबंधों को बनाने पर ध्यान केंद्रित किया था, को अधिक प्रभावी, परिणाम-केन्द्रित और भू-रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ह्लएक्ट ईस्टह्ल नीति में बदल दिया गया। विभिन्न मंचों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेख किया है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र; एक जीवंत ह्यएक्ट ईस्टह्ल नीति को लागू करने का प्रवेश द्वार होगा। इस नीति का एक शानदार उदाहरण है, अगरतलाझ्र अखौरा रेल लिंक, जिसे भारत और बांग्लादेश के बीच 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के साथ निर्मित किया जा रहा है। यह न केवल हमारे पूर्वी पड़ोसी के साथ ऐतिहासिक रेल लिंक स्थापित करेगा, बल्कि क्षेत्र में विकास और समृद्धि के एक नए युग की भी शुरूआत करेगा। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) और विदेश मंत्रालय इस परियोजना को वित्त-पोषित कर रहे हैं। इसी तरह, इम्फाल रेलवे लाइन को मोरेह तक बढ़ाया जाएगा और वहां से, यह कलय में म्यांमार रेलवे से जुड़ जाएगी। इस प्रकार, एक ट्रांस-एशियाई रेलवे का उदय होगा। इसके अलावा, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए क्षेत्र के भू-रणनीतिक महत्व की पहचान करते हुए, सरकार ने एक रेल-सड़क गलियारे का निर्माण करने का फैसला किया है; जो असम और अरुणाचल प्रदेश को आपस में जोड़ देगा। इसमें ब्रह्मपुत्र नदी में भारत की पहली पानी के नीचे की रेल सुरंग का निर्माण शामिल होगा। रेलझ्र सड़क संपर्क के निर्माण से भारत की उत्तर-पूर्वी सीमाओं तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी और हम राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों का गति एवं तत्परता से जवाब देने में सक्षम होंगे।इसी तरह, 2017 में, उत्तरी असम को पूर्वी अरुणाचल प्रदेश से जोड़ने वाले और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण धोला- सादिया ब्रिज को यातायात के लिए खोला गया था।

न्याय की देवी या देवता उसको क्यूं नहीं दिखता अन्याय ?

विजय तिवारी

आजकल अनेक ऐसे मामले सामने आ रहे हैं कि न्याय की देवी या देवता के ऊपर से जनता के मन में अविश्वास होने लगा है ! लोगों को लगता हैं कि पुलिस या अन्य जांच एजेंसियां गरीबों और सत्ता के आलोचकों के मुंह बंद कराने का ही काम कर रही है। परंतु वहीं अदालतों द्वारा इन जांच एजेंसियों के काम की कानूनी परख नहीं किए जाने से इस अन्याय में अदालातें भी अन्याय की भागीदार बनती जा रही हैं। इसके लिए क्या कानून की देवी की आंखों की पट्टी जिम्मेदार है? कहते है कि सनातन धरम में न्याय के देवता शनि (एक ग्रह) हैं, अगर ऐसा हैं तब अधिकांश सनातनी समुदाय इस देवता के प्रकोप से भयभीत रहता हैं। इसीलिए सड़क और चौराहों तथा बाजारों में शनिवार के दिन एक बाल्टी में एक काला पत्थर जो की सरसों के तेल में डूबा रहता है झ्रउसे लेकर एक लड़का या आदमी शनिदेव शनिदेव की गुहार लगाता हुआ सभी स्त्री झ्रपुरुषों के आगे पैसे के लिए तेल भरी बाल्टी आगे कर देता है फिर वे धरम भीरु लोग कुछ सिक्के निकाल कर उसमें दाल देते हैं ! बिना यह जाने समझे कि वह याचक क्या शनि के शमन का मंत्र को जनता भी है अथवा नहीं ! बस यह एक अंधश्रद्धा की परंपरा चलती जाती हैं। कहीं शाम को तेल और बाल्टी का ठेकेदार उस तेल और पैसे की वसूली करता हैं। अब अगर हमारे न्याय के देवता का यही हाल हैं तब तो मौजूदा न्याय व्ययस्था का भी यही हाल है। अदालतों में पैसे का प्रयोग कुछ कानूनी और कुछ गैर कानूनी रूप से होता दिखाई पड़ता हैं। हमारे संविधान की उद्घोषणा में भारत के संघ की सीमा में रहने वाले सभी नागरिकों को धरम झ्रजाती या वर्ग के भेदभाव के बिना न्याय देने की प्रतिज्ञा लिखी हुई हैं, परंतु ऐसा कभी होता नहीं दिखाई देता ! क्यू ऐसा होता है या ऐसा क्यूं हो रहा हैं यह सवाल कोचता रहता हैं। वैसे तो अदालत या न्याय के मंदिर झ्र बहुत खचीर्ले और समय खाते हैं, वादी या याची के हिस्से में आती है, बस तारीख और वकील की फीस और अदालत के पेशकार को और पुलिस के सिपाही को रिश्वत ! शायद यही कारण हैं कि आजकल सनातनी समुदाय भी अपने आरध्य के दर्शन के लिए भी टिकट लेने पर बाध्य हैं। चाहे वह चार धाम की यात्रा हो अथवा त्रिवेन्द्रम का पद्मनाभ मंदिर हो, तिरुपति हो अथवा सुबरमानियम मंदिर हो आजकल सभी बड़े मंदिरो में टिकट से दर्शन होते हैं। अब यह उन लोगो के लिए सबक हैं जो मुगलों द्वारा सनातनी लोगों की धरम यात्रा पर जजिया कर लगता था बस फर्क इतना हैं कि तब कर का पैसा राज्य को जाता था अब टिकट का पैसा मंदिर की प्रबंधकरिणी को मिलता हैं ! सवाल यह हैं कि हमारे धरम शास्त्रों में जब सभी जातियों के श्राद्धलुओं को निर्बाध दर्शन के अधिकार भावना हैं, तब टिकट क्यूं? आजादी के पहले काफी मंदिरों में अनुसूचित जाती के लोगों को मंदिर प्रवेश और दर्शन की अनुमति नहीं थी। तब संसद ने एक कानून पास करके मंदिर में प्रवेश को वर्जित करने को अपराध घोषित किया। परंतु अभी हाल में ही तमिलनाडू के एक इलाके में अनुसूचित जाति के मंदिर प्रवेश को लेकर किसी कट्टरपंथी ने पानी की टंकी मानव मल घोल दिया, जिसे कि दर्जनों बच्चों की तबीयत खराब हो गयी। जब जिला अधिकारियों ने जांच की पानी की तब यह राज खुला। परिणाम स्वरूप महिला कलेक्टर ने सब को समझाया तब अनुसूचित जातिको उनका न्याय पूर्ण अधिकार मिला। यह घटना लिखने का तात्पर्य यह हैं की संवैधानिक अधिकार को प्राप्त करना भारत में कितना मुश्किल हैं। तब न्याय के देवता आम जनता को किस प्रकार न्याय दिला पा

सेना भर्ती : पूरे भारत में 176 स्थानों पर आयोजित होगी ऑनलाइन सीईई

लखनऊ, एजेसी

भारतीय सेना ने जे.सी.ओ-ओ.आर. की भर्ती प्रक्रिया में बदलाव की घोषणा की है। पहले चरण में वे उम्मीदवार जिन्होंने वेबसाइट में अपना रजिस्ट्रेशन और आवेदन किया है, वही परीक्षा में शामिल होंगे। दूसरे चरण में विभिन्न राज्यों के भर्ती कार्यालयों द्वारा ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा या सी.ई.ई में उत्तीर्ण उम्मीदवारों को उनके सम्बंधित ए.आर.ओ द्वारा एक ई-प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा, जिसमें रैली भर्ती के दूसरे चरण की तारीख और उसके स्थान की पूर्ण जानकारी दी जाएगी। ये सभी उम्मीदवार शारीरिक परीक्षा में शामिल होंगे। शारीरिक परीक्षा में पास उम्मीदवारों को मेडिकल टेस्ट देना होगा। ऑनलाइन सी.ई.ई पूरे भारतवर्ष में 176 स्थानों पर आयोजित की जा रही है। कर्नल नरेंद्र प्रसाद सेमल्टी, निदेशक, सेना भर्ती कार्यालय रायपुर ने गुरूवार को मीडिया को जानकारी दी। इस दौरान साथ में ग्रुप कैप्टन समीर गंगाखेड़कर, प्रवक्ता रक्षा मंत्रालय और सुनिक कुमार तिवारी, कार्यालय प्रमुख, पीआईबी रायपुर भी मौजूद थे। कर्नल ने बताया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 16 फरवरी से 15 मार्च तक भारतीय सेना की वेबसाइट ह्यज्वाइनइंडियनआर्मी.एनआईसी.
इनह्ल पर खुला रहेगा। छत्तीसगढ़ राज्य में रायपुर भिलाई-दुर्ग और बिलासपुर में ऑनलाइन सी.ई.ई. आयोजित की जाएगी। उम्मीदवार के पास पांच परीक्षा स्थानों के चयन करने का विकल्प होगा और उनको उन विकल्पों में से परीक्षा स्थान दिया जाएगा। रजिस्ट्रेशन में परीक्षा शुल्क के हिस्से के रूप में 500 रू. के शुल्क का भुगतान भी शामिल है। जिसमें से 50 प्रतिशत सेना द्वारा वहन किया जाएगा और शेष उम्मीदवारों को स्वयं भुगतान करना होगा, जब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि ऑनलाइन सी.ई.ई में बैठने के लिए परीक्षा के 10 से 14 दिन पहले ज्वॉइनइंडियनआर्मी की वेबसाइट पर एडमिट कार्ड उपलब्ध हो जाएगा। सी.ई.ई में प्रदर्शन के आधार पर चयनित उम्मीदवार को भर्ती रैली के लिए निश्चित स्थानों पर बुलाया जाएगा। भर्ती रैली की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं होगा। अंतिम मेरिट ऑनलाइन सी.ई.ई और शारीरिक टेस्ट के अंकों को मिलाकर पहले की तरह ही तय की जाएगी। उम्मीदवारों की समस्याओं-शंकाओं का निवारण करने के लिए एक हेल्प डेस्क भी तैयार की गई है। जिसका हेल्पलाइन नंबर 7996157222 पर भी संपर्क करके आप अपनी समस्या बता सकते हैं। इस बदली हुई प्रक्रिया का प्रमुख उद्देश्य भर्ती के दौरान सभी पहलुओं पर उम्मीदवार का ध्यान केंद्रित रहेगा, जिसके परिणाम स्वरूप देश भर में बेहतर प्रचार-प्रसार होगा तथा भर्ती रैली में भीड़ को कम करेगा तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं की आवश्यकता भी कम होगी और प्रक्रिया अधिक आसान हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में मानव हस्तक्षेप न के बराबर है। उम्मीदवार दलालों के चुंगल मे न फंसे क्योंकि वे आपकी किसी भी प्रकार की मदद नहीं कर सकता है। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय प्रवक्ता समीर गंगाखेड़कर ने दी।

संक्षिप्त खबरें

एसडीएम कार्यालय पर ग्रामीणों का प्रदर्शन,अवैध कब्जा हटवाएं जाने की मांग

हसनपुर। तहसील क्षेत्र की नगर पंचायत के ग्रामीणों ने सरकारी संपत्ति पर हो रहे अवैध निर्माण का विरोध करते हुए एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकारी संपत्ति से अवैध कब्जा हटवाए जाने तथा राजस्व विभाग पर मिलीभगत का आरोप लगाया है।गुरुवार को तहसील क्षेत्र के सैदनगली निवासी दिव्यांग समेत ग्रामीण एकत्रित होकर एसडीएम कार्यालय पर पहुंच गए। जहां उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए मांग की है कि दबंग भू-माफियाओं द्वारा सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा कर निर्माण किया जा रहा है। जिसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की गई। जिसके बाद अवैध निर्माण रोकने के आदेश पारित किए गए थे।लेकिन राजस्व विभाग की मिलीभगत के चलते निर्माण कार्य नहीं रुक सका है।दबंग भू-माफिया सरकारी संपत्ति पर निर्माण कर रहे हैं।साथ ही उन्होंने राजस्व विभाग पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए भू-माफियाओं को संरक्षण देने का आरोप भी लगाया है। आरोप है कि जब भू-माफियाओं द्वारा किए गए अवैध कब्जे का ग्रामीणों द्वारा विरोध किया गया।तो उनको थाने में बंद कराकर मुकदमे में फंसाए जाने की धमकी दी गई है।जिससे प्रतीत होता है कि दबंग भू-माफिया सरकारी अमले से हम साज होकर करोड़ों की संपत्ति पर अवैध निर्माण कर रहे हैं।लेकिन शासन प्रशासन इस तरफ ध्यान नहीं दे रहा है।उप जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रार्थना पत्र सौंप कर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मामले में उक्त भूमि को कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की है।प्रदर्शन करने वालों में मोहम्मद आमिर,अशरफ अली,मौहम्मद आसिफ,फिरोज अख्तर,मौहम्मद फरीद,मौहम्मद शुएब,मौहम्मद आफाक, दानिश, समसुद्दीन आदि मौजूद रहे।

तहसील बार एसोसिएशन द्वारा आईजीआरएस की शिकायत

हसनपुर। तहसील बार एसोसिएशन एवं संघर्ष समिति की बैठक आयोजित कर आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराई गई।शिकायत का फर्जी रिपोर्ट लगाकर निस्तारण करने की कड़े शब्दों में निंदा की है।जल्द से जल्द समस्याओं के समाधान की मांग की है।गुरुवार को नगर की तहसील परिसर बार भवन में बार एसोसिएशन एवं संघर्ष समिति की बैठक आयोजित की गई।जिसमें अध्यक्ष मेघराज सिंह एवं महासचिव राजीव शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि अधिवक्ताओं के चेंबर हेतु भूमि कम होने व बाहर भवन एंव कंप्यूटर कक्ष तथा शौचालय आदि की व्यवस्था नहीं होने पर रोष व्यक्त किया गया। अध्यक्ष द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायत में बार का पक्ष लिए बिना ही आधारहीन एंव फर्जी रिपोर्ट के आधार पर निस्तारण किए जाने की कड़े शब्दों में निंदा की गई है।इस संबंध में राजस्व परिषद एवं मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायत करने का निर्णय लिया गया है।साथ ही उन्होंने कहा कि सौलह फरवरी से चल रहे न्यायालय का बहिष्कार अनिश्चितकालीन तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।उत्तर प्रदेश बार काउंसिल मंडल जिला एंव तहसील स्तर पर एसोसिएशन के सहयोग हेतु पत्र लिखने का निर्णय लिया गया।बैठक में बार अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुए जुलूस निकालकर अपनी मांगे स्वीकार किए जाने की आवाज बुलंद की है।बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष मेघराज सिंह एवं महावीर सिंह चैहान पूर्व ब्लॉक प्रमुख ने की तथा संचालन महासचिव राजीव शर्मा ने किया।इस अवसर पर महावीर सिंह,महिपाल सिंह,श्योराज सिंह,मंगल सेन शर्मा, सुनील भटनागर, विनोद सक्सेना,मुजाहिद चैधरी,नासिर अली,गंगासरन खड़गवंशी, वीर सिंह प्रजापति,आफताब आलम, कपिल कुमार अग्रवाल,शेर सिंह भड़ाना,वीर सिंह त्यागी,दिनेश कुमार प्रजापति,नंदराम सिंह,हितेश त्यागी आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

उमेश पाल हत्या मामले में अतीक के एक और करीबी का मकान जमींदोज

लखनऊ, एजेसी

प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने गैंगस्टर अतीक अहमद के एक और करीबी व्यक्ति पर बृहस्पतिवार को कार्रवाई करते हुए बुलडोजर से उसका मकान जमींदोज कर दिया। गन हाउस चलाने वाले सफदर अली के धूमनगंज थाना अंतर्गत राजरूपपुर के 60 फुट रोड स्थित दो मंजिला मकान को गिराने के लिए बृहस्पतिवार को सुबह करीब 12 बजे चार बुलडोजर और एक पोकलैंड मशीन सफदर के मकान पर पहुंची और भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच दोपहर डेढ़ बजे के आसपास मकान गिराने की कार्रवाई शुरू हुई। सफदर अली का मकान गिराने के लिए तीन बुलडोजर लगाये गये, लेकिन मकान गिराने में बुलडोजर के विफल रहने पर पोकलैंड मशीन लगाई गई जिसने चार बजे तक मकान को जमींदोज कर दिया। दो दिनों में ध्वस्तीकरण की यह दूसरी कार्रवाई है। बुधवार को अतीक के करीबी जफर अहमद का मकान गिराया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बुधवार को जफर अहमद के मकान से एक बंदूक बरामद हुई थी जिसे कथित तौर पर अली की दुकान से खरीदा गया था। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने कहा कि सफदर अली का मकान अवैध ढंग से बनाया गया था। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से पूर्व सफदर अली के मकान से सभी घरेलू सामानों को निकाल कर पड़ोस में खाली पड़े स्थान पर रख दिया गया। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से पूर्व सफदर अली ने संवाददाताओं से कहा, ह्यह्ययह मकान मेरा नहीं है, बल्कि मेरे बेटे के नाम पर है जिसने अपनी मेहनत की कमाई से इसे बनवाया है। हमें कोई नोटिस नहीं दिया गया। माफिया अतीक अहमद से किसी तरह के संबंध की संभावना नकारते हुए सफदर अली ने कहा, ह्यह्यमैं अतीक अहमद को नहीं जानता। जिन लोगों से मेरी निजी दुश्मनी है, उन्होंने पुलिस को अतीक का नाम लेकर मुझे निशाना बनाया है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल और उनके दो सुरक्षाकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उमेश पाल की पत्नी जया पाल ने धूमनगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई जिसमें पूर्व सांसद अतीक अहमद, उसके भाई अशरफ, पत्नी शाइस्ता परवीन, दो बेटों, अतीक के साथी गुड्डू मुस्लिम और गुलाम तथा नौ अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन में कहा था कि उनकी सरकार माफियाओं को मिट्टी में मिला देगी। सोमवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ में उमेश पाल हत्याकांड का एक अभियुक्त अरबाज मारा गया।

बिना कोच के खिलाडीयो को कैसे मिलेगा प्रशिक्षण:महबूब अली

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। सदर विधायक/पूर्व कैबिनेट मंत्री,सभापति लोक लेखा समिति महबूब अली ने विधानसभा मे योगी सरकार मे प्रदेश के खेल मंत्री से कहा कि सन 1972 में गठित हुए खेल विभाग में तब से स्वीकृत 48 सहायक कोच के पदो के सापेक्ष सिर्फ 4 सहायक कोच ही नियुक्त है,स्थाई कोच तो प्रदेश में 1 भी नहीं है, बिना कोच के प्रदेश के खिलाडीयो को कैसे प्रशिक्षण मिलेगा। प्रदेश में कितने स्टेडियमों में कितने कोच जिनका कार्य शुद्ध प्रशिक्षण देना होता है।कोरोना काल में जब प्रदेश सरकार और सभी व्यक्तिगत भी जरूरतमंदों की मदद कर रहे थे, पहले से ही प्रशिक्षकों की भारी कमी होने के कारण उस काल में खेल विभाग ने अपने प्रदेश में 377 अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों को हटा दिया, जिसमें कई कोच मजदूरी कर खाने तक को मजबूर हो गये। 20 सितम्बर 2020 को खेल - विभाग के सभी अंशकालिक प्रशिक्षकों को जैम पोर्टल, टी०एंड एम० सर्विस तथा अवनि परिधि द्वारा ही रखने का फरमान सुना दिया। प्रशिक्षको को आउडसोर्सिंग से रखने से क्या प्रदेश के होनहार खिलाड़ीयों का उद्धार हो सकेगा।श्री अली ने अमरोहा स्टेडियम में भी सुधार कर प्रशिक्षको को नियुक्त करने की माँग की स्टेडियम में प्रशिक्षको के नियुक्त होने से जिले मे खेल को बढ़ावा मिलेगा तथा नये नये खिलाड़ी देश व प्रदेश का नाम रोशन करेगें।

जुनैद व ताहिर की हत्या को लेकर प्रदर्शन, बोले-सांप्रदायिक कार्ड खेल रही सरकार

प्रात : किरण संवादाता

अमरोहा। राजस्थान के भरतपुर जिले के घाटनिका पहाड़ी गांव से बीती 16 फरवरी 2023 को अपहरण करके,कथित गौरक्षकों द्वारा नासिर और जुनैद की पिटाई कर हरियाणा के शिवानी इलाके में जिंदा जलाने के मामले में कार्रवाई न होने पर आजाद समाज पार्टी(कांशीराम) के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने अमरोहा कलेक्ट्रेट में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।हरियाणा और राजस्थान सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार आम विधानसभा चुनाव नजदीक होने के चलते वहां सांप्रादिक कार्ड खेल रही है।गुरुवार को अमरोहा जिला मुख्यालय पहुंचे भीम आर्मी के मुरादाबाद मंडल के प्रचारक बंटी आर्य ने कहा कि राजस्थान के भरतपुर जिले के घाटनिका पहाड़ी गांव से बीती 16 फरवरी 2023 को अपहरण करके, कथित गौरक्षकों द्वारा नासिर और जुनैद की निर्मम पिटाई और फिर उन्हीं की गाड़ी में हरियाणा के शिवानी इलाके में जिंदा जलाने की घटना में अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई।

18 फरवरी को की थी गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग

अमरोहा। जबकि बीती 18 फरवरी को आजाद समाज पार्टी ने अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की थी, लेकिन राजस्थान और हरियाणा सरकारों ने इस प्रकरण में कोई ठोस कार्यवाही नहीं की। जिससे प्रतीत होता है कि घटना में सफेदपोश नेता, अधिकारियों और पुलिस प्रशासन की मिलीभगत है।साथ ही कहा कि राजस्थान में होने वाले आम विधानसभा चुनाव को लेकर सांप्रदायिक कार्ड खेलने की साजिश से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

राजस्थान में हो रहा दलितों का शोषण

अमरोहा। राजस्थान प्रदेश में दलितों, आदिवासियों और मुस्लिम समाज के साथ लगातार हत्या, बलात्कार और शोषण की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। जातिगत कारण से मुआवजे और न्याय में भेदभाव कर रही प्रदेश सरकार साथ ही प्रदेश सरकार जातिगत कारण से मुआवजा और न्याय में भेदभाव कर रही है। कहा कि उदयपुर के कन्हैया हत्याकांड में मुख्यमंत्री खुद पीड़ित परिवार के घर जाकर 50 लाख मुआवजा और दो सरकारी नौकरी प्रदान करते हैं, लेकिन इसके उलट इंद्र मेघवाल, जितेंद्र मेघवाल, ओमप्रकाश रेंगर और कार्तिक भील के बाद अब नासिर और जुनैद हत्याकांड पर भी भेदभाव करते दिख रहे हैं। साथ ही एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को सौंपते हुए जुनैद एवं नासिर की हत्या के अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने की मांग उठाई।

वाराणसी एयरपोर्ट को ड्रोन बम से उड़ाने की धमकी मिली, सीआईएसएफ अलर्ट

फूलपुर थाने में एयरपोर्ट के मुख्य सुरक्षा अधिकारी ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया

लखनऊ, एजेसी

बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अन्तर राष्ट्रीय एयरपोर्ट को रंगों के पर्व होली पर ड्रोन बम से उड़ाने की धमकी भरा पत्र मिला है। पत्र मिलने के बाद से एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीआईएसएफ के जवान अलर्ट है। वाराणसी एयरपोर्ट के अधिकारियों ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण नई दिल्ली को भी इसकी सूचना दी। एयरपोर्ट की सुरक्षा को लेकर एयरपोर्ट प्रबंधन और सुरक्षा एजेंसियों के अफसरों ने आपात बैठक की। इसके बाद धमकी भरे पत्र को लेकर एयरपोर्ट के मुख्य सुरक्षा अधिकारी शक्ति त्रिपाठी ने फूलपुर थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया। तहरीर के अनुसार होली से पहले एयरपोर्ट पर ड्रोन बम से हमले की धमकी भरा पत्र डाक से विमान पतन निदेशक के नाम से भेजा गया। बुधवार शाम को डाक से आए पत्रों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान धमकी भरा पत्र मिला। पत्र में लिखा गया था कि होली पर्व पर वाराणसी एयरपोर्ट को उड़ा दिया जाएगा। पत्र मिलने के बाद तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई और रात में ही मीटिंग बुलाई गई। इस संबंध में एसीपी पिंडरा अमित कुमार पांडेय ने पत्रकारों को बताया कि एयरपोर्ट के सुरक्षा संबंधित सभी एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है। फूलपुर पुलिस ने भी अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जॉच शुरू कर दी है।

गैस की बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेसियों का प्रदर्शन,सौपा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। होली के त्यौहार से पहले गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ाए जाने पर गुरुवार को अमरोहा जिला कांग्रेस कमेटी ने कलेक्ट्रेट में नारेबाजी करते हुए धरना-प्रदर्शन किया।जहां केंद्र की मोदी सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।इसके साथ ही कहा कि मोदी सरकार लगातार महंगाई की मार देश के नागरिकों पर थोप रही है।इसके साथ ही कांग्रेसियों ने राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए गैस की बढ़ी कीमतों को वापस लेने की मांग की है।जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष ओंकार सिंह कटारिया के नेतृत्व में कांग्रेस के तमाम कार्यकर्ता गुरुवार को जिला मुख्यालय पर पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की।इसके साथ ही कहा कि होली के त्यौहार के अवसर पर मोदी की भाजपा सरकार ने गैस की कीमत बढ़ाकर यह साबित कर दिया है कि उनको देश की जनता से कोई सरोकार नहीं है। मोदी सरकार लगातार महंगाई की मार देश के नागरिकों पर थोप रही है।होली के त्योहार से पहले ही मोदी सरकार ने धरेलू गैस सिलेंडर पर पचास रुपए और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर साढ़े तीन सौ रुपए की बढ़ोतरी की है,जो इस महंगाई में जनता की कमर तोड़ने के बराबर है।इसके साथ ही कांग्रेसियों ने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इसमें जल्द बढ़ी कीमतों को वापस लेने की मांग की है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने किया जुलूस मार्गों का भ्रमण,भाईचारा कायम रखने की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

हसनपुर। रंग एकादशी के जुलूस को निकाले जाने के मद्देनजर प्रशासनिक अफसरों ने रास्तों का निरीक्षण किया।जुलूस आयोजकों को अफसरों ने जरूरी दिशा निर्देश देते हुए भाईचारा कायम रखने की अपील की है।गौरतलब है कि नगर में गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार सिंह ने एसडीएम विजय शंकर,सीओ अभिषेक कुमार यादव को साथ लेकर प्रशासनिक अमले के साथ नगर के मोहल्ला कायस्थान स्थित हनुमान मंदिर पहुंचकर रंग एकादशी का जुलूस निकालने वाले आयोजकों से वार्ता की।अपर पुलिस अधीक्षक ने जुलूस निकालने वाले कमेटी के सदस्यों से कहा कि रास्तों में जुलूस को बड़ी सावधानी के साथ निकाले।यदि कही तार लटक रहे हैं तो उनको ठीक किया जाये। उन्होंने कहा कि आपसी भाईचारे के साथ रंग एकादशी का जुलूस निकाला जाये।हनुमान मंदिर से प्राचीन समय से रंग एकादशी का जुलूस निकाला जाता है।जिसमें जमकर गुलाल उड़ाते हुए हुड़दंग किया जाता है।इस अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकारी अभिषेक कुमार यादव, प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार वर्मा, ईओ निहाल सिंह,सचिन गुप्ता,तरुण शास्त्री, मनोज कुमार, नरेश सिंह आदि मौजूद रहे।

हाथरस मामले में एक आरोपी को उम्र कैद की सजा, तीन बरी

लखनऊ, एजेसी

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले की अनुसूचित जाति/जनजाति अदालत ने तीन साल पुराने हाथरस बलात्कार-हत्या मामले के मुख्य आरोपी को दोषी करार देते हुये बृहस्पतिवार को उम्रकैद की सजा सुनाई जबकि तीन अन्य को बरी कर दिया। इस मामले में चार आरोपी थे जिनमें संदीप (20), रवि (35), लव कुश (23) और रामू (26) शामिल थे। अदालत ने भादसं की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) एवं एससी एसटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत संदीप को दोषी पाया और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनायी। इसके अलावा उसके खिलाफ 50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया। संदीप के अधिवक्ता मुन्ना सिंह पुंडीर ने कहा कि संदीप के खिलाफ बलात्कार का आरोप साबित नहीं हो सका। मामले में सीबीआई ने हत्या, सामूहिक बलात्कार और अनुसूचित जाति/जनजाति अधिनियम की धाराओं के तहत चारों आरोपियों के खिलाफ यहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अदालत में आरोप पत्र दायर किया था। महिला के परिवार का प्रतिनिधित्व कर रहीं वकील सीमा कुशवाहा ने कहा कि वे इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती देंगी। पुंडीर ने यह भी कहा, ह्यमेरा मुवक्किल निर्दोष है। हम सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करेंगे। हाथरस की 19 वर्षीय युवती के साथ उसके गांव के चार लोगों ने 14 सितंबर, 2020 को कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया था। घटना के एक पखवाड़े बाद दिल्ली के एक अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी। बाद में आधी रात को उसके गांव में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया था। मृत युवती के परिवार के सदस्यों ने दावा किया था कि दाह संस्कार उनकी सहमति के बिना किया गया था और उन्हें अंतिम बार शव घर लाने की अनुमति नहीं दी गयी थी। इस घटना ने पूरे देश में सुर्खियां बटोरी थीं और प्रदेश सरकार की विपक्ष ने खूब आलोचना की थी।

विधान परिषद में योगी बोले, छह साल तक पसीना बहाया तब यूपी के बारे में लोगों की धारणा बदली

लखनऊ, एजेसी

बजट पर विधान सभा में विपक्ष को करारा जवाब देने के बाद गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद में बजट पर चर्चा करते हुए सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उनका फोकस फरवरी में संपन्न हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर रहा। उन्होंने कहा कि हमने फरवरी 2018 में यूपी इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया था। 2023 में फिर से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट किया गया। पहले जहां 4.68 लाख करोड़ के प्रस्ताव आते थे, आज उसी यूपी में 35 लाख करोड़ के प्रस्ताव आए हैं। केवल एनसीआर तक ही ये सीमित नहीं है, पूर्वांचल और बुंदेलखंड में लाखों करोड़ के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसके लिए अभियान चलाना पड़ा। 6 साल तक टीम यूपी लगातार काम करती रही, पसीना बहाया तब धारणा (परसेप्शन) बदली। हमारे पास आज बेहतर कनेक्टिविटी है, एक्सप्रेस-वे, रेल नेटवर्क, एयर नेटवर्क है। हमने सेक्टोरल पॉलिसी बनाई और उसमें कार्ययोजना बनाकर अपने परिश्रम को आगे बढ़ाया। पॉलिसी बनाई गई, एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स बनाकर, 64 हजार हेक्टेयर भूमि का लैंडबैंक बनाकर भूमाफियाओं से मुक्त कराया। परिणाम हमारे सामने है। विदेशों से लेकर प्रदेश के पिछड़े इलाकों तक से आ रहा निवेश मुख्यमंत्री योगी ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए सरकार की ओर से किए गए प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस बार हमारे डिप्टी सीएम और वरिष्ठ मंत्रीगण जिस देश में गए उनका हर जगह सम्मान के साथ स्वागत हुआ। हमारी टीम दुनिया के 16 देशों और भारत के आठ शहरों में से बड़े पैमाने पर निवेश लेकर आई। हमारे जनप्रतिनिधियों ने यूपी के हर जिले में निवेशक सम्मेलन किए। यूपी की ये सबसे बड़ी सफलता है कि जहां 75 जनपद कवर हो रहे हैं तो वहीं सबसे पिछड़े इलाके पूर्वांचल और बुंदेलखंड से भी भारी निवेश हुआ है।

कैंटीन संचालक की हत्या में शक में कई लोगों से पूछताछ जारी

प्रात : किरण संवाददाता

हसनपुर। कालाखेड़ा की किसान सहकारी चीनी मिल के सामने कैंटीन चलाने वाले संभल निवासी युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस कई संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि अभी कोई सुराग नहीं मिला है। संभल जिले के थाना हयातनगर थाना क्षेत्र के गांव धनेटा निवासी 50 वर्षीय ताहिर पुत्र अबरार करीब आठ माह से कालाखेड़ा की किसान सहकारी चीनी मिल के सामने कैंटीन चला रहा था। बताया जा रहा है वह कैंटीन में ही सोता था। मंगलवार रात करीब नौ बजे वह कैंटीन से कहीं चला गया। बुधवार सुबह आठ बजे तक भी कैंटीन नहीं खुली तो नजदीकी गांव नया गांव के रिश्तेदारों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। कैंटीन से करीब 100 मीटर की दूरी पर आम के बाग में नलकूप की कोठरी के पास ताहिर का गोली लगा हुआ शव मिला। उसके माथे पर गोली लगी थी। मौके पर पड़ा हुआ खून सूख चुका था। माना जा रहा है कि रात में किसी वक्त ताहिर की गोली मारकर हत्या की गई। खबर लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसपी व सीओ ने मौका मुआयना किया। पुलिस पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार वर्मा ने बताया कि पूछताछ व जांच पड़ताल जारी है।

एसडीएम ने प्राथमिक विद्यालय के जर्जर कमरे को लेकर निरीक्षण किया

प्रात: किरण, संवाददाता

मंडावली। थाना क्षेत्र के गांव औरंगपुर बसंता प्राथमिक विद्यालय में उप जिला अधिकारी विजय वर्धन तोमर नजीबाबाद ने विद्यालय की जर्जर कमरे को लेकर निरीक्षण किया जिसमें उप जिलाधिकारी विजय वर्धन तोमर तथा कानूनगो नरेंद्र कुमार तथा हल्का लेखपाल पंकज कुमार व ग्राम प्रधान दीपा पत्नी लोकेंद्र सिंह तथा स्कूल के प्रधानाचार्य दिलदार अहमद तथा स्कूल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा प्रधानाचार्य दिलदार अहमद ने बताया की इन कमरो में इसलिए हम बच्चों को इधर आधार बैठाते हैं और पढ़ने वाले बच्चों को खतरा है उप जिला अधिकारी ने बताया की इस जर्जर बिल्डिंग को जांच करा कर शीघ्र से शीघ्र बनवाया जाएगा उसके बात प्रभादेवी पत्नी नरेंद्र उपाध्याय के घर का निरीक्षण किया महिला ने आपने मकान को लेकर उप जिलाधिकारी से शिकायत की आज तक मेरा मकान नहीं बन पाया है जिसको लेकर मैं परेशान हूं और अपने बच्चों का पालन पोषण एक पन्नी डालकर करती हूं उप जिलाधिकारी ने प्रभादेवी को आश्वासन दिया कि तुम्हारा मकान शीघ्र से शीघ्र बनवाया जाएगा आप अपने ग्राम सचिव से मिलकर अपना नाम लिखित में दें।

संक्षिप्त खबरें

भारत ने जापानी वायु सेना से किए शिन्यू मैत्री और धर्म गार्जियन हवाई अभ्यास

- दोनों हवाई अभ्यासों से आपसी समझ व पारस्परिकता बढ़ाने का मौका मिला
- भारत के लड़ाकू विमानों ने अपनी युद्धक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना ने जापान की एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के साथ एक ही समय दो-दो हवाई अभ्यास किये हैं। भारत-जापान की वायु सेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास शिन्यू मैत्री के साथ ही धर्म गार्जियन अभ्यास का भी जापान में गुरुवार को समापन हो गया। शिन्यू मैत्री अभ्यास जापान के कोमात्सु में और धर्म गार्जियन अभ्यास शिगा प्रांत के कैंप इमाजू में किया गया। दोनों ही हवाई अभ्यासों में भारत के लड़ाकू विमानों ने अपनी युद्धक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। संयुक्त सैन्य अभ्यास धर्म गार्जियन में शामिल होने के लिए भारतीय सेना की टुकड़ी 12 फरवरी को जापान पहुंची थी, जहां जापान ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेजीएसडीएफ) की ओर से गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। यह अभ्यास 17 फरवरी को जापान में शिगा प्रांत के कैंप इमाजू में शुरू हुआ। 02 मार्च तक चले इस अभ्यास में भारतीय वायु सेना ने अपनी युद्धक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। मौजूदा वैश्विक हालात में दोनों देशों के समक्ष सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर यह अभ्यास अत्यंत महत्वपूर्ण और सार्थक रहा। इस अभ्यास में भारतीय सेना की गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट और जेजीएसडीएफ में मिडिल आर्मी की एक इन्फैंट्री रेजिमेंट ने हिस्सा लिया। इसी अभ्यास के बीच में 01 और 02 मार्च को भारतीय वायु सेना के दल ने एक सी-17 ग्लोबमास्टर विमान के साथ अभ्यास शिन्यू मैत्री में हिस्सा लिया। अभ्यास के पहले चरण में परिवहन संचालन और सामरिक युद्धाभ्यास पर चर्चा हुई। इसके बाद दूसरे चरण में भारतीय वायु सेना के सी-17 और जापान की एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के सी-2 परिवहन विमानों ने उड़ान अभ्यास किया। इस विशेष अभ्यास ने एक-दूसरे के संचालन प्रदर्शन में आपसी तालमेल बढ़ाने तथा विचार-विमर्श करने का अवसर दिया। साथ ही दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच आपसी समझ व पारस्परिकता को भी बढ़ाया।

टोंक में सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित चार की मौत

जयपुर। राजस्थान के टोंक जिले में बृहस्पतिवार को एक वैन के सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा जाने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों समेत चार लोगों की मौत हो गयी और तीन अन्य घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर देवड़ाबास चौराहे पर हुआ। वैन में सवार लोग खाटू श्याम जी मंदिर में पूजा-अर्चना कर अपने गांव देवली लौट रहे थे। घाड़ के थाना प्रभारी राधाकिशन मीणा ने कहा, दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घयल हो गए। शवों को पास के अस्पताल के शवगृह में रखा गया है। मृतकों की पहचान मनीष शर्मा, उनकी पत्नी ईशु शर्मा, उनके भाई अमित शर्मा और वैन चालक रवि के रूप में हुई है। घायलों को इलाज के लिए टोंक जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक सूचना के अनुसार वाहन चलाते समय चालक को झपकी आ गई, जिसके कारण वह वाहन से संतुलन खो बैठा और यह हादसा हो गया। मामले में जांच जारी है।

प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश की समिति की सिफारिश पर होगी मुख्य चुनाव आयुक्त, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को कार्यपालिका के हस्तक्षेप से बचाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि उनकी नियुक्तियां प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) की एक समिति की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा की जाएंगी। न्यायमूर्ति के. एम. जोसेफ की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने अपने सर्वसम्मत फैसले में कहा कि यह नियम तब तक कायम रहेगा जब तक संसद इस मुद्दे पर कोई कानून नहीं बना लेती। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर लोकसभा में कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं है, तो सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता को निर्वाचन आयुक्तों और मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति संबंधी समिति में शामिल किया जाएगा। पीठ ने मुख्य चुनाव आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम जैसी प्रणाली की मांग करने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया। संविधान पीठ में न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी, न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस, न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार भी शामिल हैं। पीठ ने चुनाव प्रक्रिया में शुचिता पर जोर दिया और कहा कि लोकतंत्र आंतरिक रूप से लोगों की इच्छा से जुड़ा हुआ है। संविधान पीठ के लिए न्यायमूर्ति जोसेफ की ओर से लिखे गए फैसले से न्यायमूर्ति रस्तोगी ने सहमति जतायी, लेकिन उन्होंने अपने तर्क के साथ एक अलग फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने कहा कि लोकतंत्र में निस्संदेह निष्पक्ष चुनाव होना चाहिए और इसकी शुचिता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की है। न्यायालय ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव की शुचिता को बनाए रखा जाना चाहिए, अन्यथा इसके भयावह परिणाम होंगे। पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग को संवैधानिक ढांचे तथा कानून के दायरे में काम करना चाहिए और यह अनुचित तरीके से काम नहीं कर सकता। संविधान पीठ ने कहा कि अगर निर्वाचन आयोग प्रक्रिया में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष भूमिका सुनिश्चित नहीं करता तो इससे कानून का शासन चरमरा सकता है, जो कि लोकतंत्र का आधार है। पीठ ने कहा कि लोकतंत्र नाजुक है और कानून के शासन पर दिखावा इसके लिए नुकसानदेह हो सकती है। पीठ ने निर्वाचन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 324 का उल्लेख करते हुए कहा कि संसद ने इस संबंध में संविधान की आवश्यकता के अनुसार कोई कानून पारित नहीं किया है। अनुच्छेद 324(2) के अनुसार, निर्वाचन आयोग में मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्त होते हैं। उनकी नियुक्तियां संसद द्वारा इस संबंध में बनाए गए किसी भी कानून के प्रावधानों के अधीन राष्ट्रपति द्वारा की जाएंगी। पीठ ने पिछले साल 24 नवंबर को इस मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने पूर्व नौकरशाह अरुण गोयल को चुनाव आयुक्त नियुक्त करने में केंद्र द्वारा दिखाई गई जल्दबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनकी फाइल 24 घंटे में विभिन्न विभागों से बिजली की गति से पास हो गयी थी।

पूर्वोत्तर में बेहतर प्रदर्शन : भाजपा ने केंद्र सरकार के शांति और विकास के एजेंडे की सराहना की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के पूर्वोत्तर में शांति और विकास के एजेंडे की सराहना की। भाजपा त्रिपुरा में अधिकतर सीटों पर आगे है जबकि नगालैंड में उसका गठबंधन सत्ता में बरकरार रहने की राह में है। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि क्षेत्र के लोगों ने पहली बार देखा है कि केंद्र ने क्षेत्र में शांति और विकास लाने के लिए कितनी बारीकी और ईमानदारी से काम किया है, चाहे वह राजमार्ग बनाने जैसी बड़ी परियोजनाएं हों या उन्हें पेयजल, मुफ्त राशन और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना हो। उन्होंने कहा कि केंद्र और पूर्वोत्तर के बीच पहले एक व्यापक अंतर था, लेकिन मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने दूरियों को खत्म कर दिया है।

रीजीजू ने कहा कि त्रिपुरा के लोगों ने देखा है कि कैसे भाजपा ने पुरानी समस्याओं को हल करके उनसे किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए काम किया है। भाजपा महासचिव तरुण चुग ने त्रिपुरा एवं मेघालय के शुरूआती नतीजों में भाजपा की शानदार बढ़त पर खुशी जताई और कहा कि पूर्वोत्तर में भाजपा प्रचंड जीत की ओर अग्रसर होते हुए कांग्रेस का सफाया करने जा रही है।

निर्वाचन आयोग की ओर से प्राप्त रुझानों के मुताबिक कि भाजपा ने त्रिपुरा में तीन सीटें जीती हैं और 60 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में 29 पर आगे है। उसकी सहयोगी आईपीएफटी ने एक सीट जीती है। नगालैंड में एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन 39 सीटों पर आगे हैं।

मेघालय में भाजपा का प्रदर्शन हालांकि उम्मीद के मुताबिक नहीं दिख रहा है क्योंकि वह पहली बार सभी 60 सीटों पर चुनाव लड़ने के बाद केवल तीन सीटों पर आगे है। मेघालय और नगालैंड में भी विधानसभा की 60-60 सीटें हैं।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक प्रतिशोध की हिंसा में गयीं 175 से ज्यादा जानें

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में 2021 में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान एवं उसके बाद राजनीतिक प्रतिशोध की खूनी जंग में अब तक 175 से अधिक लोगों की जानें जा चुकी हैं। वरिष्ठ पत्रकार और लेखक रास बिहारी ने पश्चिम बंगाल की खूनी राजनीति पर लिखी पुस्तक पश्चिम बंगाल विधानसभा 2021, भय-आतंक का चुनाव में यह तथ्यात्मक खुलासा किया है। पुस्तक का विमोचन शुक्रवार तीन मार्च को विश्व पुस्तक मेले में किया जाएगा। पुस्तक में खुलासा किया गया है कि विधानसभा चुनाव से पहले, मतदान की प्रक्रिया के दौरान और राज्य में 2 मई को हुई मतगणना और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी के तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद 175 से ज्यादा लोग मारे गए। लेखक के अनुसार चुनावी हिंसा में मरने वालों का यह अब तक का सबसे बड़ा रिकार्ड है। 2018 के पंचायत चुनाव से पहले जारी हिंसा 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान तेज हो गई थी। लोकसभा चुनाव में भाजपा के 42 में 18 सीटें जीतने के बाद राज्य में हिंसा तेज हो गई थी। तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने भाजपा समर्थकों को चुन-चुन कर मारा और दहशत फैलाने के लिए कई कार्यकताओं को फांसी पर लटकाया गया। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार रास बिहारी की पश्चिम बंगाल की खूनी राजनीति पर यह चौथी पुस्तक है। इससे पहले 2021 में बंगाल की रक्तरंजित राजनीतिक इतिहास पर रक्तांचल-बंगाल की रक्तचरित्र राजनीति, रक्तरंजित बंगाल-लोकसभा चुनाव 2019 और बंगाल- वोटों का खूनी लूटतंत्र प्रकाशित हुई थी। पुस्तक में बताया गया है कि चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव की घोषणा 26 फरवरी 2021 को थी। चुनाव आयोग की तैयारियों के साथ ही राज्य में जगह-जगह हिंसा बढ़ने लगी थी। राजनीतिक हिंसा में जनवरी में 12 और फरवरी में आठ लोगों की हत्या हुई। चुनाव की घोषणा के बाद मतदान तक मार्च और अप्रैल के दौरान 50 से ज्यादा लोग राजनीतिक हिंसा में मारे गए। 2 मई को मतगणना के बाद एक महीने में ही लगभग 50 लोग मारे गए। जून से लेकर दिंसबर तक 53 लोग मारे गए। आंकड़ों को देखे थे 2021 में पूरे वर्ष में 175 से ज्यादा लोग मारे गए। पुस्तक में खुलासा किया गया है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दो मई 2021 को नतीजे आने के बाद राज्य हिंसा की आग में जल उठा था।

बहुत ज्यादा समझौता करने वाला निर्वाचन आयोग अब अत्यंत सक्षम बन सकता है: डेरेक ओब्रायन

नई दिल्ली, एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओब्रायन ने उच्चतम न्यायलय की संविधान पीठ द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के संबंध में दिए गए फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि बहुत ज्यादा समझौता करने वाला निर्वाचन आयोग अब अत्यंत सक्षम बन सकता है। उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने बृहस्पतिवार को फैसला दिया कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक समिति की सलाह पर की जाएगी, जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के प्रधान न्यायाधीश शामिल होंगे। ओब्रायन ने एक ट्वीट में कहा, बहुत बड़ा (फैसला)। इसलिए बहुत अधिक समझौता करने वाला (निर्वाचन आयोग) फिर से अत्यंत सक्षम (निर्वाचन आयोग) बनने का प्रयास कर सकता है। न्यायमूर्ति के एम जोसेफ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से अपने फैसले में कहा कि यह नियम तब तक कायम रहेगा जब तक कि संसद इस मुद्दे पर कानून नहीं बना देती। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर लोकसभा में कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं हैं तो सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता को निर्वाचन आयुक्तों और मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति संबंधी समिति में शामिल किया जाएगा। पीठ ने मुख्य चुनाव आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम जैसी प्रणाली की मांग करने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया।

एनआईए ने श्रीनगर में मुश्ताक जरगर की संपत्ति कुर्क की

श्रीनगर, एजेंसी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार सुबह पाकिस्तान स्थित शीर्ष आतंकवादी कमांडर मुश्ताक जरगर के श्रीनगर स्थित घर को कुर्क कर लिया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि अल-उमर-मुजाहिदीन के संस्थापक जरगर का घर और संपत्ति श्रीनगर के नौहट्टा इलाके में कुर्क किया गया। उन्होंने बताया कि अप्रैल 2022 में, गृह मंत्रालय (एमएचए) ने सख्त गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत जरगर को एक आतंकवादी के रूप में नामित किया। स्थानीय पुलिस और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की सहायता से एक एनआईए टीम ने इस शुरूआत में जरगर की संपत्ति जब्त कर ली और उसके घर के सामने एक नोटिस लगा दिया गया। गौरतलब है कि जरगर को 15 मई 1992 को गिरफ्तार किया गया था और बाद में 1999 में जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर और शेख उमर के साथ रिहा कर दिया गया। सन् 1999 में अपहृत इंडियन एयरलाइंस के विमान आईसी-814 के यात्रियों को रिहा करने के लिए गिरफ्तार जरगर को रिहा कर अदला-बदली की गयी थी।

पूर्व न्यायाधीश सप्रे की अध्यक्षता वाली समिति हिंडनबर्ग की रिपोर्ट विवाद की करेगी जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने अडानी समूह पर अमेरिकी शोध संस्थान ह्यहिंडनबर्गह्न की एक रिपोर्ट से भारत के शेयर बाजार से जुड़े विवाद की जांच के लिए गुरुवार को शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में छह सदस्यों की एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और जे बी पारदीवाला की पीठ ने समिति के गठन का आदेश पारित करते हुए समिति से जांच का काम दो महीने में पूरा करने और अपनी रिपोर्ट पेश करने का अनुरोध किया है। पीठ ने ओ पी भट, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जे पी देवधर, के वी कामत, नंदन नीलेकणि, सोमशेखर सुंदरसन को समिति का सदस्य नियुक्त किया है। शीर्ष अदालत ने अधिवक्ता एम एल शर्मा, विशाल तिवारी, कांग्रेस नेता जया ठाकुर और अनामिका जायसवाल की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद समिति के गठन संबंधी अपना यह आदेश पारित किया। पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 17 फरवरी 2023 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने आदेश पारित करते हुए कहा कि समिति स्थिति का समग्र मूल्यांकन करेगी। पीठ ने समिति से शेयर बाजार में निवेशकों की सुरक्षा को और मजबूत करने के उपाय सुझाने के लिए भी कहा है। समिति से यह भी जांच करने के लिए कहा गया है कि क्या अडानी समूह या अन्य कंपनियों के संबंध में प्रतिभूति बाजारों से संबंधित कानूनों के कथित उल्लंघन में नियामक विफलता हुई है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद सेबी की ओर से की जा रही अडानी समूह की कंपनियों की जांच जारी रहेगी। हिंडनबर्ग ने 25 जनवरी को अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें अडानी समूह समूह पर लेखांकन धोखाधड़ी और बेशर्म स्टॉक हेरफेर में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। अडानी समूह ने हालांकि हिंडनबर्ग की उस रिपोर्ट मे लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया था। याचिकाकताओं में शामिल अधिवक्ता शर्मा और तिवारी ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट के पीछे साजिश का आरोप लगाया है, जबकि डॉ. ठाकुर ने अडानी एंटरप्राइजेज के खिलाफ अमेरिकी फर्म द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की मांग की। डॉ. ठाकुर ने शीर्ष अदालत के समक्ष दायर अपनी याचिका में हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के मद्देनजर अदानी समूह और उसकी सहयोगी कंपनियों की जांच उच्चतम न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश की देखरेख में केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय जैसी केंद्रीय एजेंसियों से जांच कराने का निर्देश देने की गुहार लगाई थी। अधिवक्ता शर्मा ने अपनी याचिका में दावा किया है कि हिंडनबर्ग रिसर्च संस्था के नैट एंडरसन और उनकी भारतीय संस्थाओं ने मिलकर एक आपराधिक साजिश रची तथा 25 जनवरी 2023 से पहले और उसके बाद सैकड़ों अरब डॉलर की शेयर की बिक्री की। इसके बाद उन्होंने कथित तौर पर एक मनगढ़ंत रिपोर्ट जारी की।

महिलाओं को पुलिस ने किया जागरूक

बढापुर। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिये चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के अन्तर्गत थाने पर गठित पुलिस टीम द्वार अपने थाना क्षेत्र में बालिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के संबन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाईन नंबर 102, 108, 112, 181, 1076, 1098, 1090 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सडकों पर तथा स्कूल व कॉलेजों के आसपास बेवजह घूम रहें मनचलों पर शिकंजा कसा गया।

मजनुओं को पुलिस ने सिखाया सबक

चांदपुर। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिये चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के अन्तर्गत थाने पर गठित पुलिस टीम द्वार अपने थाना क्षेत्र में बालिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के संबन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाईन नंबर 102, 108, 112, 181, 1076, 1098, 1090 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सडकों पर तथा स्कूल व कॉलेजों के आसपास बेवजह घूम रहें मनचलों पर शिकंजा कसा गया।

हैल्प डैस्क के प्रति चलाया अभियान

नगीना। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिये चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के अन्तर्गत थाने पर गठित पुलिस टीम द्वार अपने थाना क्षेत्र में बालिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के संबन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाईन नंबर 102, 108, 112, 181, 1076, 1098, 1090 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सडकों पर तथा स्कूल व कॉलेजों के आसपास बेवजह घूम रहें मनचलों पर शिकंजा कसा गया।

पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी

मंडावली। गुरूवार को थाना मंडावली पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 45/22 धारा 380/429/411 भादवि के वांछित अभियुक्त अफजाल पुत्र अय्यूब निवासी कल्हेडी बिजनौर को मु0अ0सं0 46/23 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

चांदपुर के ट्रक चालक की इंदौर में हत्या

चांदपुर। नगर निवासी एक ट्रक चालक की इंदौर में हत्या कर दिये जाने की खबर से उसके परिजनों में कोहराम मच गया। गुरूवार की सुबह मृतक का शव घर पहुंचने पर घरवालों का बिलखना देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखे नम हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के मौह0 काजीजादगान में पुराने बिजलीघर के पास रहने वाले जुल्फिकार अहमद 50 वर्ष ट्रक चलाने का कर्य करते थे। ट्रक पर ग्राम इस्माईलपुर निवासी सतेन्द्र कुमार परिचालक है। परिजनों के अनुसार जुल्फिकार शुक्रवार को ट्रक लेकर गया था तथा मंगलवार की रात्रि को वे इंदौर से पपीता लेकर चांदपुर के लिये निकले थे। बुधवार की सुबह को इंदौर जनपद के थाना तेपाजी क्षेत्र में जुल्फिकार की हत्या कर दी गयी। सुबह 10 बजे नम आंखों से जुल्फिकार के शव को सुपुर्दे खाक कर दिया गया। मृतक अपने पीछे पत्नी व चार बच्चों को रोता बिलखता छोड गया। परिजनों के अनुसार इंदौर पुलिस जांच पडताल करने में ली हुई है।

कोर्ट ने दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा सुनायी

बिजनौर। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रकाशचन्द्र शुक्ला ने पोक्सो एक्ट के तहत दुष्कर्म करने वाले को बीस वर्ष कठोर कारावास एवं 70 हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। अर्थदण्ड जमा होने पर 60 हजार रुपए पीडिता को दिये जाने का भी आदेश दिये हैं। विशेष लोक अभियोजक योगेन्द्र कुमार के अनुसार नजीबाबाद क्षेत्र के ग्राम गजरौला निवासी एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि उसकी 14 वर्षीय पुत्री दिमागी रूप से कमजोर है। पिछले कई महीनों से उसके परिवार का ही राहुल पुत्र अशोक उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म कर रहा था। एक दिन अचानक उसकी पुत्री की तबीयत बिगडी तो उसने डाक्टर को दिखाया। डाक्टर ने उसकी पुत्री को गर्भवती बताया। राहुल ने जबरदस्त उसकी पुत्री को गोली खिला दी थी जिसके कारण उसकी पुत्री की तबीयत खराब हो गयी थी। राहुल ने उसकी पुत्री को किसी से इस मामले का जिक्र करने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में आरोप सिद्धि होने पर पाक्सो एक्ट की धारा 4 के तहत बीस वर्ष का कठोर कारावास एवं 50 हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाई।

सम्मेलन उपचुनावों के परिणाम को उन्होंने पार्टी के लिए उत्साहजनक बताया और कहा कि पश्चिम बंगाल में उपचुनाव में पार्टी का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा...

हमारे लिए चुनाव परिणाम कहीं निराशाजनक तो कहीं उत्साहजनक रहे : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने कहा है कि पूर्वोत्तर के तीन राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव परिणाम उसके लिए निराशाजनक रहे लेकिन विभिन्न राज्यों में हुए उपचुनावों के परिणाम बहुत ही उत्साहवर्द्धक हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी संगठन राज्यों में मजबूत है और चुनाव परिणामों को लेकर यह कहना गलत है कि पूर्वोत्तर में पार्टी के शीर्ष नेता चुनाव प्रचार में नहीं गये थे। उनका कहना था कि स्थानीय चुनाव में पार्टी का संगठन और जिला तथा प्रदेश स्तर के नेता ज्यादा प्रभावी होते हैं। इस बार विधानसभाओं तथा उपचुनावों के परिणाम पार्टी के लिए निराशाजनक और उत्साहजनक रहे हैं। उपचुनावों के परिणाम को उन्होंने पार्टी के लिए उत्साहजनक बताया और कहा कि पश्चिम बंगाल में उपचुनाव में पार्टी का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। महाराष्ट्र में तो 30 साल बाद आरएसएस भाजपा के गढ में कांग्रेस ने जीत हासिल की है और यह बहुत सकारात्मक है। तमिलनाडु उपचुनाव में कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता जीते और जिस अंतर से जीते हैं वे बहुत उत्साहजनक हैं। इससे साफ है कि कांग्रेस को अब पूरे देश में जनादेश मिलने लगा है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में पार्टी मानकर चल रही थी कि वहां कांग्रेस और वामपंथी गठबंधन को जीत मिलेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पार्टी को यह भी उम्मीद थी कि वहां उसे 33 से ज्यादा सीटें मिलेंगी लेकिन नहीं जीत सके। सबका मानना था कि त्रिपुरा में कांग्रेस गठबंधन को बहुमत मिलेगा लेकिए ऐसा नहीं हुआ। ऐसा क्यों हुआ इस बारे में विचार किया जाएगा। वहां हमने भविष्य की रणनीति को ध्यान में रखते हुए टिकट दिये हैं लेकिन इस बार हमें सफलता किन कारणों से नहीं मिली इस पर विचार होगा और पांच साल बाद कांग्रेस को इसका फायदा जरूर मिलेगा। प्रवक्ता ने कहा कि नागालैंड में पार्टी पहले ही मान चुकी थी कि भाजपा तोड़फोडकर सरकार बना ही लेगी लेकिन हमारा वहां वोट शेयर बढा है। उन्होंने कहा कि नागालैंड में पार्टी ने 60 में से दस महिलाएं उम्मीदवार बनाई। ज्यादा उम्मीदवार 45 से कम उम्र के थे। पूर्वोत्तर कांग्रेस का गढ़ रहा है लेकिन आठ दस सालों में वहां किस तरह से राजनीतिक बाजाद में भाजपा सरकार बनाने में सफल होती है और इस बार भी यही देखने को मिला है। हम चुनाव परिणाम को स्वीकार करते हैं लेकिन हमें संगठन को और मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि मेघालय में पिछली बार पार्टी के 21 विधायक थे और दूसरी पार्टी उनको तोड़कर ले गई। कांग्रेस को उनकी जगह नये उम्मीदवार घोषित करने पड़े लेकिन जो दल कांग्रेस के उम्मीदवारों को तोड़कर ले गया उसके परिणाम भी उम्मीदों के अनुसार नहीं हैं।

अब मैं अकेला नहीं रहा

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने फोटोग्राफरों को कैमरे में अकेले पोज देने के अनुरोध के लिए बेहतरीन प्रतिक्रिया दी। सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने इंस्टाग्राम पर शेरशाह अभिनेता का एक वीडियो साझा किया, जिसने कैमरों के लिए अकेले पोज देने के लिए कहने पर मजाकिया जवाब दिया। जब फोटोग्राफर्स ने उन्हें अकेले पोज देने के लिए कहा तो उन्होंने कहा, अब मैं अकेला नहीं रहा। सिद्धार्थ और कियारा ने पिछले महीने जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में शादी की थी। काम के मोर्चे पर, सिद्धार्थ अब अपनी पहली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आएंगे, जिसमें शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय भी हैं। उनकी फिल्म योद्धा भी आ रही है।

शाहिद को नहीं अच्छी लगती अपनी चॉकलेट बॉय वाली इमेज

एक्टर शाहिद कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज फर्जी को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। इस सीरीज के जरिए उन्होंने अपना ह्रअ्र डेब्यू किया है, जिसमें उनकी बेहतरीन एक्टिंग को खूब सराहा जा रहा है। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान शाहिद ने अपने एक्टिंग के शुरुआती दिनों के याद करते हुए बताया कि उन्हें अपनी चॉकलेट बॉय वाली इमेज बिल्कुल पसंद नहीं है। इतना ही शाहिद ने कहा कि उन्हें खुद के लिए क्यूट शब्द का इस्तेमाल बिल्कुल अच्छा नहीं लगता है।

मुझे हमेशा से क्यूट शब्द बिल्कुल नहीं पसंद

हाल ही में दिए इंटरव्यू में शाहिद ने कहा– 'मुझे हमेशा से ये बात बहुत बुरी लगती है जब भी कोई कहता है– 'ओह तुम तो बहुत क्यूट हो।' मुझे हमेशा यही लगता है कि भला कोई किसी को ये कैसे कह सकता है? ये शब्द मुझे कभी भी पसंद नहीं आया।' शाहिद ने आगे कहा– 'अब लोग मुझे जो कुछ भी कॉम्प्लीमेंट देते हैं तो मैंने उन्हें खुशी–खुशी एक्सेप्ट करना सीख लिया है। लेकिन इस शब्द को लेकर मुझे हमेशा यही लगा है कि ये हमें सीमित कर देता है।'

फार्जी की दूसरा सीजन जरूर आएगा

हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान शाहिद ने कहा– फर्जी का सीजर 2 जरूर आएगा, लेकिन चीजों में वक्त लगता है। शो खत्म होने के बाद उसके पोस्ट प्रोडक्शन में करीब एक साल का वक्त लगता है। इसके बाद उसे 35–40 भाषाओं में और 200 देशों में रिलीज करते हैं। जब शूटिंग होगी तो सीरीज उसके एक साल बाद रिलीज होगी। मुझे लगता है कि फर्जी सीजन 2 आने में करीब 1.5 साल का समय लगेगा।

क्या है वेब सीरीज फर्जी की कहानी?

बता दें कि शाहिद कपूर की वेब सीरीज फर्जी फरवरी में अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई थी, जिसे ऑडियंस ने खूब प्यार दिया। ये एक लोकल स्ट्रीट आर्टिस्ट पर आधारित है, जो पैसों के चक्कर जुर्म का रास्ता पकड़ लेता है और नकली नोट बनाने का धंधा शुरू करता है। इस सीरीज में शाहिद के अलावा विजय सेतुपति, के के मेनन, राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा और अमोल पालेकर मुख्य भूमिका में हैं।

रिभु दासगुप्ता द्वारा निर्देशित कोर्टरूम थ्रिलर सेक्शन 84 में काम करेंगे बिग बी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन और फिल्म निर्माता रिभु दासगुप्ता अपकमिंग कोर्ट रूम ड्रामा थ्रिलर सेक्शन 84 में साथ नजर आएंगे। रिलायंस एंटरटेनमेंट, फिल्म हैंगर, सरस्वती एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, और फिल्म निर्माता रिभु दासगुप्ता की सेक्शन 84 में अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में होंगे। निर्देशक रिभु दासगुप्ता ने व्यक्त किया- मैं फिर से सर के साथ काम करने के लिए खुश, धन्य और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इसके लिए उत्सुक हूं। रिलायंस एंटरटेनमेंट के निर्माता विवेक बी. अग्रवाल ने कहा- हमारी अगली फिल्म में मिस्टर बच्चन का होना एक सम्मान की बात है और मैं सेक्शन 84 में उनके और रिभु के साथ इस साहसिक कार्य को शुरू करने के लिए रोमांचित हूं। रिलायंस एंटरटेनमेंट के वीपी मार्केटिंग समीर चोपड़ा ने कहा- हम सेक्शन 84 पर काम शुरू करने के लिए बिल्कुल खुश हैं। मिस्टर बच्चन के अद्वितीय सुपरस्टारडम के साथ रिभु की अद्भुत कहानी कहने की कला सेक्शन 84 को दुनिया भर के दर्शकों के लिए एक अविश्वसनीय पल बना देगी। सेक्शन 84 रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा जियो स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है और रिलायंस एंटरटेनमेंट, फिल्म हैंगर और सरस्वती एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित है। फिल्म रिभु दासगुप्ता द्वारा लिखी और निर्देशित की जाएगी।

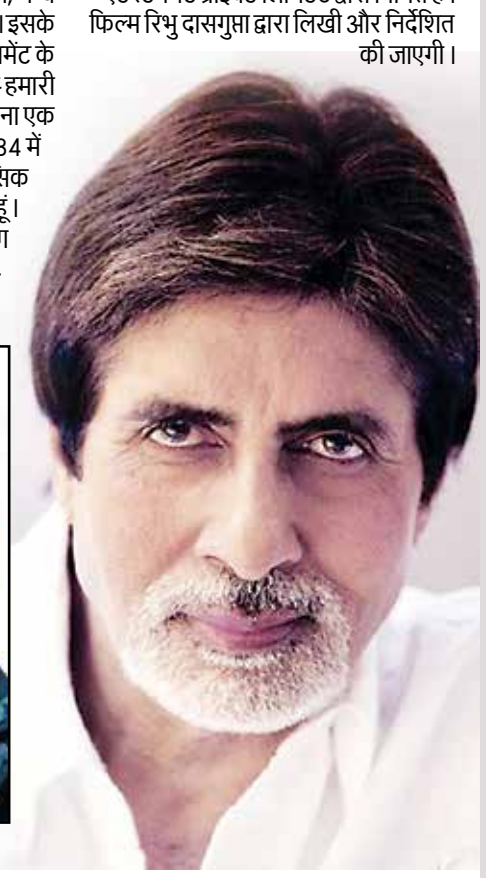

अल्लू अर्जुन ने ठुकराई शाहरुख खान की जवान

शाहरुख खान इन दिनों पठान से ज्यादा चर्चा अपनी आने वाली फिल्म जवान को लेकर पा रहे हैं। दक्षिण के ख्यातनाम युवा निर्देशकों में शुमार एटली कुमार निर्देशित यह फिल्म इस वर्ष 2 जून को प्रदर्शित होने जा रही है। शाहरुख खान के बैनर रैड चिलीज द्वारा निर्मित इस फिल्म को पैन इंडिया रिलीज किया जाएगा। हाल ही में जवान की चर्चा तब और ज्यादा हो गई थी जब इस फिल्म में पुष्पा- द राइज से पैन इंडिया स्टार बन चुके अल्लू अर्जुन के शामिल होने के समाचार मीडिया में छाए। कहा जा रहा था कि निर्देशक एटली कुमार ने जवान में एक विशेष भूमिका निभाने के लिए अल्लू अर्जुन से सम्पर्क किया है। लेकिन अब अल्लू अर्जुन ने स्पष्ट कर दिया है कि उन्होंने जवान के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। सिने गलियारों में चर्चा है कि अल्लू अर्जुन अपनी फिल्म पुष्पा- द रूल के लिए इन दिनों कडी मेहनत कर रहे हैं। पुष्पा–2 के अपने लुक के चलते वे किसी और फिल्म को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। सुकुमार के निर्देशन में बन रही इस फिल्म के लिए अल्लू अर्जुन का लुक और स्टाइल दोनों अलग प्रकार के हैं। बताया जा रहा है कि अल्लू अर्जुन ने सिर्फ जवान ही नहीं अपितु तमिल तेलुगू उद्योग से मिले अन्य प्रस्तावों को पुष्पा–2 के चलते अस्वीकार कर दिया है। पुष्पा–2 में अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर प्रदर्शित होने की तैयारियों में है। इस फिल्म की शूटिंग इन दिनों हैदराबाद में तेजी से पूरी की जा रही है।

ब्लैक के बाद अब मिला दर्शकों का ऐसा प्यार

रानी मुखर्जी मिसेज चटर्जी बनाम नॉर्वे की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसने प्रशंसकों के बीच काफी चर्चा पैदा कर दी है। कुछ दिनों पहले इसका ट्रेलर रिलीज हुआ था। यह सही कारणों से चर्चा का विषय बन गया।

मिसेज चटर्जी बनाम नॉर्वे का ट्रेलर मशहूर हस्तियों और फिल्म प्रेमियों को समान रूप से पसंद आया। अपनी फिल्म के ट्रेलर को मिले प्रतिसाद से रानी मुखर्जी अभिभूत हैं। उन्होंने दर्शकों द्वारा ट्रेलर को पसन्द किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मिसेज चटर्जी बनाम नॉर्वे एक इमोशनल ड्रामा है, जिसका निर्देशन आशिमा चिब्बर ने किया है। रानी मुखर्जी ने कहा है कि मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे के ट्रेलर को मिल रही प्रतिक्रिया से वह अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि इसने उन्हें ब्लैक (2005) के लिए मिले प्यार की याद दिला दी। रानी ने यह भी कहा कि वह दर्शकों की इस प्रतिक्रिया को बड़ी विनम्रता के साथ स्वीकार करती हैं। रानी मुखर्जी ने अपने हाल ही में मीडिया को दिए बयान में कहा कि, ट्रेलर को मिली प्रतिक्रियाएं बहुत खास और अभिभूत करने वाली हैं, कम से कम कहने के लिए.... मैं दुनिया भर से अपने प्रशंसकों, सोशल मीडिया पर ट्रेलर देखने वाले लोगों, मेरे प्रशंसकों खुद के उद्योग सहयोगी, दोस्त और परिवार, से मिल रहे प्यार को देखकर बहुत विनम्र हूं। उन्होंने कहा, मेरे पूरे करियर में, यह शायद पहली बार है जब मैं अपने काम के लिए इस तरह का प्यार और इस तरह की भावनाएं देख रही हूं! आखिरी बार मुझे याद है कि यह ब्लैक के दौरान हुआ था! किसी ट्रेलर के लिए ऐसी सर्वसम्मत प्रतिक्रिया हमें बहुत कम देखने को मिलती है। किसी फिल्म का ट्रेलर देखकर लोगों की आंखों में आंसू आना और रोना फिर कभी नहीं सुना गया। मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे एक इमोशनल ड्रामा है, जो एक ऐसी मां के इर्द–गिर्द घूमती है, जो अपने बच्चों की कस्टडी हासिल करने के लिए पूरे देश से भिड़ जाती है। फिल्म की कास्ट रानी मुखर्जी, अनिर्बान भट्टाचार्य और जिम सर्भ द्वारा सुर्खियों में है। यह 17 मार्च को सिनेमाघरों में पहुँचेगी।

चंद्रमुखी 2 के सेट पर लौटीं कंगना रनौत

एक्ट्रेस कंगना रनौत अपनी अपकमिंग फिल्म इमरजेंसी के पोस्ट–प्रोडक्शन में काफी बिजी हैं। फिल्म में कंगना रनौत ने एक निर्देशक के रूप में और एक अभिनेता के रूप में दो मोचरें पर काम किया है। क्वीन की एक्ट्रेस ने चंद्रमुखी 2 के लिए शूटिंग शुरु कर दी हैं। कंगना ने बुधवार को सोशल मीडिया पर वैनिटी वैन से तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्हें फिल्म के सीन के लिए तैयार होते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, अपनी टीम के साथ अपकमिंग फिल्म चंद्रमुखी 2 के सेट पर वापसी। हम इसे लेकर बहुत उत्साहित हैं। इससे पहले एक्ट्रेस ने शेयर किया था कि वह चंद्रमुखी 2 के लिए क्लाइमैक्स सॉन्ग के लिए हिंसल कर रही थी। इसे कला मास्टरजी द्वारा कोरियोग्राफ किया गया है, जिसमें गोल्डन ग्लोब अवार्ड विनर एम.एम. कीरावनी द्वारा कंपोज किया गया। चंद्रमुखी का वरई सॉन्ग एक बड़ा हिट है। फैंस कंगना से भी यही उम्मीद कर रहे हैं। चंद्रमुखी 2 रजनीकांत की लोकप्रिय फिल्म चंद्रमुखी का सीक्वल है। जहां कंगना सीक्वल में एक नर्तकी की मुख्य भूमिका निभाएंगी, वहीं राघव लॉरेंस फिल्म में पुरुष प्रधान भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म पी. वासु द्वारा निर्देशित और लाइका प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है।

शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान के खिलाफ लखनऊ में एफआईआर दर्ज

शाहरुख खान की वाइफ गौरी उत्तर प्रदेश पुलिस के राडार पर आ गई हैं और मुश्किल में फंस गई हैं। गौरी के खिलाफ लखनऊ में एफआईआर दर्ज की गई है। मुंबई के रहने वाले एक बिजनेसमैन ने गौरी खान समेत 3 लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। गौरी खान पर पैसे हड़पने का आरोप लगा है।

बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान जहां एक तरफ पठान की सुपर सक्सेस के जश्न में डूबे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके लिए एक बुरी खबर है। शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान एक बड़ी मुश्किल में फंस गई हैं। गौरी खान समेत 3 लोगों के खिलाफ लखनऊ में एफआईआर दर्ज की गई है। गौरी के खिलाफ यह केस आईपीसी की धारा 409 के तहत दर्ज किया गया है। दरअसल तुलस्यानी कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स लिमिटेड की ब्रांड एंबेसेडर हैं। मुंबई के रहने वाले किरीट जसवंत शाह नाम के एक शख्स ने इस प्रोजेक्ट का लखनऊ में एक फ्लैट खरीदा था। शख्स का दावा है कि अब तक 86 लाख रुपये दिए जाने के बावजूद उसे फ्लैट नहीं मिला है। उसने गौरी खान पर पैसे हड़पने का आरोप लगाते हुए लखनऊ थाने में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत के आधार पर गौरी खान के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता का दावा

रिपोर्ट के मुताबिक, शिकायत में शख्स ने दावा किया कि तुलसियानी गोल्फ व्यू के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में स्थित फ्लैट किसी और को दे दिया गया। शिकायतकर्ता ने गौरी खान के अलावा तुलस्यानी कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट लिमिटेड के सीएमडी अनिल कुमार तुलस्यानी और इसके निदेशक महेश तुलस्यानी के खिलाफ भी शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायतकर्ता ने कहा कि उसने ब्रांड एंबेसडर गौरी खान से प्रभावित होकर फ्लैट खरीदा था।

क्या है पूरा मामला?

शिकायतकर्ता ने बताया कि गौरी खान 2015 में तुलस्यानी कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स लिमिटेड की ब्रांड एंबेसेडर थीं। तब वह इसका प्रमोशन कर रही थीं और उनके द्वारा जानकारी दी गई थी कि लखनऊ की सुशांत गोल्फ सिटी सेक्टर–1 पॉकेट डी में फ्लैट बनाए जा रहे हैं। इससे प्रभावित होकर शिकायतकर्ता तुरंत ही फ्लैट लेने जा पहुंचा। वहां तुलस्यानी कंस्ट्रक्शन के सीमएडी और डायरेक्टर ने उसे फ्लैट की कीमत 86 लाख रुपये बताई और कहा कि 2016 तक फ्लैट मिल जाएगा। लेकिन पैसे चुकाए जाने के बाद भी फ्लैट नहीं मिला। चूंकि गौरी खान इस कंपनी की ब्रांड एंबेसेडर रहीं, इसलिए उनका एफआईआर में नाम दर्ज है। उन्हें इस बारे में कोई जानकारी भी नहीं है। फिलहाल उनकी या खान फैमिली के तरफ से कोई रिएक्शन नहीं आया है।

शेयर बाजार पर बिकवाली का दबाव, सेंसेक्स 362 अंक टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी

एक दिन की मजबूती के बाद ही घरेलू शेयर बाजार में आज एक बार फिर दबाव नजर आने लगा है। मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार ने आज कमजोरी के साथ कारोबार की शुरूआत की।

आज के कारोबार में शुरू से ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार नीचे गिरते चले गए। शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.61 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

पहले 1 घंटे के कारोबार में स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से कोल इंडिया, अडाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, बीपीसीएल और अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 1.51 प्रतिशत से लेकर 0.66 प्रतिशत तक की मजबूती के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। दूसरी ओर टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, इंफोसिस और मारुति सुजुकी के शेयर 1.87 प्रतिशत से लेकर 1.45 प्रतिशत तक की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 1,919 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी।

इनमें से 1,051 शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 868 शेयर नुकसान उठाकर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में और 23 शेयर बिकवाली के दबाव के कारण लाल निशान में बने हुए थे।

जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 13 शेयर हरे निशान में और 37 शेयर लाल निशान में कारोबार करते दिख रहे थे।

मिलेजुले ग्लोबल संकेतों के बीच बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सेंसेक्स ने आज गिरावट के साथ कारोबार की शुरूआत की। ये सूचकांक 123.90 अंक टूट कर 59,287.18 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स तेजी से नीचे गिरने लगा।

बाजार में लगातार जारी बिकवाली के बीच खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली करके सेंसेक्स को सहारा देने की कोशिश भी की। लेकिन बिकवाली का दबाव इतना ज्यादा था कि ये सूचकांक लगातार नीचे गिरता रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 362.21 अंक की कमजोरी के साथ 59,048.87 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी ने भी आज कमजोर शुरूआत की। ये सूचकांक 29.40 अंक टूट कर 17,421.50 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से निफ्टी भी तेजी से नीचे गिरता चला गया। शुरूआती 20 मिनट के कारोबार के बाद खरीदारों ने कुछ देर के लिए लिवाली करके निफ्टी को सहारा देने की कोशिश की। हालांकि खरीदारों की ये कोशिश काम नहीं आ सकी। थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव दोबारा बढ़ जाने की वजह से ये सूचकांक एक बार फिर नीचे लुढ़कने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 95.10 अंक टूट कर 17,355.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

मिलेजुले ग्लोबल संकेतों के बीच आज प्री ओपनिंग सेशन में घरेलू शेयर बाजार ने मामूली कमजोरी के साथ कारोबार की शुरूआत की थी। इस सेशन में बीएसई का सेंसेक्स 28.91 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,382.17 अंक के स्तर पर था।

वहीं निफ्टी प्री ओपनिंग सेशन में 18.50 अंक यानी 0.14 प्रतिशत टूट कर 17,427.30 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को सेंसेक्स 448.96 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ 59,411.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 146.95 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,450.90 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

संक्षिप्त खबरें

रुपया शुरूआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 82.60 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा में मजबूती के रुख के बीच बृहस्पतिवार को शुरूआती कारोबार में रुपया 11 पैसे टूटकर 82.60 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। फॉरेक्स डीलरों ने कहा कि विदेशी कोषों की सतत निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.57 प्रति डॉलर पर कमजोर खुलने के बाद और टूटकर 82.60 प्रति डॉलर पर आ गया। बुधवार को रुपया 82.49 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। अन्य मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 11 प्रतिशत बढ़कर 104.59 पर पहुंच गया। वैश्विक मानक ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83.34 डॉलर प्रति बैरल पर था।

एमएसएमई क्षेत्र से निर्यात बढ़ाने के कदम उठा रही है सरकार : अधिकारी

कोलकाता। केंद्र सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से निर्यात बढ़ाने के लिए कदम उठा रही है। इसके लिए सरकार देशभर में सुविधा केंद्र स्थापित कर रही है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एमएसएमई मंत्रालय के तहत भारतीय उपक्रम विकास सेवा (आईईडीएस) के संयुक्त निदेशक डी मित्रा ने यहां एक संगोष्ठी में कहा कि निर्यात सुविधा केंद्र क्षेत्र को जरूरी परामर्श और समर्थन उपलब्ध कराएंगे। इसके अलावा ये केंद्र उद्यमियों का नेटवर्क बनाने में भी मदद करेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार संगोष्ठियों, प्रदर्शनियों और सम्मेलनों में भागीदारी के जरिये क्षेत्र के उद्यमियों की मदद करेगी, जिससे उन्हें अपने उत्पादों और सेवाओं को विपणन योग्य बनाने में मदद मिलेगी।

एनसीएलटी ने आरकैप बेचने के लिए कर्जदाताओं को एक और बोली की अनुमति दी

नई दिल्ली। अनिल अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस कैपिटल (आरकैप) के कर्जदाताओं को इसे बेचने के लिए नए दौर की बोली आमंत्रित करने का मौका मिल गया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने ऋणदाताओं की एक और नीलामी की याचिका को स्वीकार कर लिया है। एनसीएलएटी ने गुरुवार को कहा कि ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के पास ऊंची बोली के प्रयास करने का अधिकार है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने अपने फैसले में सीओसी को दो हफ्ते बाद बोलियां आमंत्रित करने की अनुमति दी है। दरअसल, कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल दिवाला प्रक्रिया में है। समाधान प्रक्रिया से गुजर रही रिलायंस कैपिटल पर कुल 40 हजार करोड़ रुपये का कर्ज है।

उच्चतम न्यायालय ने शेयरों में गिरावट की जांच के लिए समिति बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शेयर बाजार के विभिन्न नियामकीय पहलुओं के साथ अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में गिरावट की जांच के लिए बृहस्पतिवार को शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश ए एम सप्रे की अगुवाई में एक समिति के गठन का आदेश दिया। समिति को अपनी रिपोर्ट दो माह के अंदर सीलबंद लिफाफे में देनी होगी।

अमेरिका की शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में हाल में आई भारी गिरावट के मद्देनजर उच्चतम न्यायालय ने यह बड़ा कदम उठाया है। इसके साथ ही न्यायालय ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को निर्देश दिया है कि वह इस मामले में अपनी जारी जांच को दो माह में पूरा करे और स्थिति रिपोर्ट सौंपे।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा तथा न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि समिति इस मामले में पूरी स्थिति का आकलन करेगी और निवेशकों को जागरूक करने और शेयर बाजारों की मौजूदा नियामकीय व्यवस्था को मजबूत करने के उपाय सुझाएगी।

पीठ ने केंद्र सरकार के साथ-साथ वित्तीय सांविधिक निकायों, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन को समिति को जांच में पूरा सहयोग देने का निर्देश दिया है।

उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश ओ पी भट और न्यायमूर्ति जे पी देवदत्त भी छह समिति के सदस्य होंगे। समिति के अन्य सदस्यों में नंदन नीलेकणि, के वी कामत, सोमशेखरन सुंदरसन शामिल हैं।

पीठ ने कहा कि समिति निवेशकों को जागरूक करने के उपाय सुझाएगी और यह भी जांच करेगी कि क्या अडाणी समूह या अन्य कंपनियों के मामले में प्रतिभूति बाजार के संदर्भ में नियमों के कथित उल्लंघन से निपटने में किसी तरह की नियामकीय चूक तो नहीं हुई।

समिति नियामकीय ढांचे को मजबूत करने और निवेशक हित के संरक्षण के लिए मौजूदा व्यवस्था से अनुपालन सुनिश्चित करने के कदम भी उठाएगी।

न्यायालय ने सेबी से कहा है कि वह इस मामले में जारी जांच के दौरान उठाए गए कदमों की जानकारी, न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति को दे।

पीठ ने हालांकि स्पष्ट किया कि समिति के गठन का मकसद नियामकीय एजेंसियों के कामकाज का ह्यप्रतिकूल आकलन करना नहीं है। न्यायालय ने समिति से बाजार नियमनों, शॉर्ट सेलिंग नियमनों या शेयर कीमतों में गड़बड़ी की जांच करने को भी कहा है।

न्यायालय ने कहा कि समिति के सदस्यों को किए जाने वाले मानदेय का भुगतान चेयरपर्सन द्वारा तय किया जाएगा और इसका बोझ केंद्र सरकार वहन करेगी।

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर, कच्चा तेल 85 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में तेजी का रुख जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 85 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक गुरुवार को राजधानी में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन ब्रेंट क्रूड 0.03 डॉलर यानी 0.04 फीसदी बढ़कर 85 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 76.69 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेंड कर रहा है। घरेलू तेल कंपनियों ने लंबे समय से पेट्रोल-डीजल कीमतों में कोई फेरबदल नहीं किया है।

अल्फाबेट की सेल्फ-ड्राइविंग यूनिट वायमो ने 200 कर्मचारियों की छंटनी की

नई दिल्ली, एजेंसी

अल्फाबेट की सेल्फ-ड्राइविंग यूनिट वायमो ने छंटनी के दूसरे दौर में 200 से अधिक कर्मचारियों को निकाल दिया है।

कंपनी ने अपने कुल कार्यबल के 8 प्रतिशत या 209 कर्मचारियों को निकाल दिया।

वायमो के एक प्रवक्ता ने टेकक्रंच को बताया कि छंटनी, ज्यादातर इंजीनियरिंग भूमिकाओं में, व्यापक संगठनात्मक पुनर्गठन का हिस्सा है जो एक वित्तीय रूप से अनुशासित धष्टिकोण का पालन करता है।

गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ने हाल ही में 12,000 कर्मचारियों और यहां तक कि 100 रोबोटों को भी निकाल दिया है जिसने अपने मुख्यालय में कैफेटेरिया को साफ किया था।

वायमो ने हाल ही में लॉस एंजिल्स में पूरी तरह से चालक रहित वाहनों का परीक्षण शुरू करने की योजना की घोषणा की थी।

सेल्फ-ड्राइविंग यूनिट ने पहले सैन फ्रांसिस्को में अपना ड्राइवर-लेस राइड पायलट प्रोग्राम शुरू करने की योजना बनाई थी।

कंपनी को कैलिफोर्निया पब्लिक यूटिलिटीज कमीशन (सीपीयूसी) से अपने चालक-रहित पायलट कार्यक्रम के लिए परमिट प्राप्त हुआ, जो ऑटोनोमस व्हीकल (एवी) कंपनियों को चालक के बिना परीक्षण एवी में यात्रियों को ले जाने की अनुमति देता है। वायमो को ऑटोनोमस राइड्स के लिए चार्ज करने के लिए मोटर वाहन विभाग (डीएमवी) से स्वीकृति मिली थी।

कंपनी को हाल ही में अपनी मूल कंपनी से निवेश प्राप्त हुआ है।

गूगल स्पिनऑफ ने कहा था कि इसके चालक रहित वाहन केवल कर्मचारियों के लिए उपलब्ध थे लेकिन जल्द ही कंपनी के ट्रस्टिड टेस्टर कार्यक्रम के सदस्यों को शामिल करने के लिए बढ़ेंगे।

सेबी ने अभिनेता अरशद वारसी, अन्य के प्रतिभूति बाजार में कारोबार पर रोक लगाई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बृहस्पतिवार को अभिनेता अरशद वारसी, उनकी पत्नी मारिया गोरेटी और साधना ब्रॉडकास्ट के प्रवर्तकों सहित 31 इकाइयों को प्रतिभूति बाजार में कारोबार से प्रतिबंधित कर दिया है। नियामक ने यह कदम यूट्यूब चैनल पर निवेशकों को कंपनी के शेयर खरीदने का सुझाव देने वाले भ्रामक वीडियो डालने के मामले में उठाया है।

कंपनी के जिन प्रवर्तकों को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित किया गया है उनमें श्रेया गुप्ता, गौरव गुप्ता, सौरभ गुप्ता, पूजा अग्रवाल और वरुण एम शामिल हैं। इसके अलावा नियामक ने यूट्यूब चैनल पर भ्रामक वीडियो डालने के बाद इन इकाइयों को हुए गैरकानूनी लाभ के 41.85 करोड़ रुपये भी जब्त करने का आदेश दिया है। सेबी ने कहा कि इस मामले में अरशद वारसी ने 29.43 लाख रुपये का लाभ कमाया, जबकि उनकी पत्नी को 37.56 लाख रुपये का लाभ हुआ है।

सेबी को इस तरह की शिकायतें मिली थीं कि टीवी चैनल साधना ब्रॉडकास्ट के शेयरों के मूल्य में कुछ इकाइयों द्वारा हेराफेरी की जा रही है। इसके अलावा ये इकाइयों कंपनी के शेयर निकाल भी रही हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि गुमराह करने वाली सामग्री के साथ ये वीडियो यूट्यूब पर निवेशकों को ह्यलालचह्न देने के लिए डाले गए थे। इसके बाद, नियामक ने अप्रैल-सितंबर, 2022 के दौरान इस मामले की जांच की।

जांच में यह तथ्य सामने आया कि अप्रैल से जुलाई मध्य, 2022 के दौरान साधना के शेयरों के मूल्य और मात्रा में काफी उछाल देखने को मिला।

जुलाई, 2022 के दूसरी पखवाड़े के दौरान साधना के बारे में झूठे और भ्रामक वीडियो दो यूट्यूब चैनल झ ह्यद एडवाइजरह्न और ह्यमनीवाइजह्नपर डाले गए।

इन वीडियो के बाद साधना के शेयर की कीमत और मात्रा में भारी उछाल देखने को मिला।

इस अवधि में कुछ प्रवर्तक शेयरधारकों, साधना के महत्वपूर्ण प्रबंधन स्तर पर बैठे लोगों और गैर-प्रवर्तक शेयरधारकों ने बढ़े मूल्य पर शेयरों की बिकवाली की और मुनाफा कमाया।

एक गुमराह करने वाले वीडियो में तो दावा किया गया था कि अडाणी समूह द्वारा साधना ब्रॉडकॉस्ट का अधिग्रहण किया जाएगा।

ग्लोबल मार्केट से मिलेजुले संकेत, बॉन्ड यील्ड में बढ़त से वॉल स्ट्रीट पर दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से आज मिलेजुले संकेत मिलते नजर आ रहे हैं। यूएस बॉन्ड यील्ड में तेजी आने की वजह से वॉल स्ट्रीट के कारोबार पर दबाव बढ़ता नजर आ रहा है, जिसकी वजह से पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी बाजार मिलाजुला कारोबार करके बंद हुए। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के कारोबार में मिलाजुला रुख दशार्ते रहे। इसी तरह एशियाई बाजार भी आज मिलाजुला कारोबार करते नजर आ रहे हैं। भारत के 2 शेयर बाजारों के अलावा एशिया के 9 अन्य शेयर बाजारों में से 4 में गिरावट का रुख बना हुआ है, जबकि 5 हरे निशान में कारोबार करते नजर आ रहे हैं। पिछले कारोबारी सत्र के दौरान डाओ जोंस 0.02 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 32,661.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,951.39 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के अपने कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डैक 76.06 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 11,379.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दरअसल यूएस बॉन्ड यील्ड में फिलहाल तेजी का रुख बना हुआ है। 10 साल के यूएस बॉन्ड यील्ड 4 प्रतिशत के स्तर को पार कर गए हैं। 2001 के बाद छोटी अवधि के बांड में भी बेहतर रिटर्न मिलता दिख रहा है। अमेरिका में ब्याज दरों में इस बार ज्यादा बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैं, जिसकी वजह से छोटी और लंबी अवधि के बॉन्ड यील्ड बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। लेकिन बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी के कारण वॉल स्ट्रीट दबाव में आ गया है, जिसका असर अमेरिकी बाजार के तीनों इंडेक्स के कारोबार पर पिछले कारोबारी सत्र में भी साफ साफ नजर आया।

यूरोपीय बाजार भी पिछले कारोबारी सत्र में मिले-जुले कारोबार के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,914.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर सीएसी इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,234.25 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के अपने कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत टूट कर 15,305.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आज मिलाजुला रुख नजर आ रहा है। एसजीएक्स निफ्टी 99.50 अंक यानी 0.57 प्रतिशत टूट कर 17,420 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,226.88 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। हैंग सेंग इंडेक्स अभी तक के कारोबार में 83.18 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 20,536.63 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

व्हाट्सऐप ने एंड्रॉयड बीटा पर रिपोर्ट स्टेटस अपडेट फीचर रिलीज किया

नई दिल्ली, एजेंसी

मेटा-स्वामित्व वाला मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सऐप एक नया फीचर शुरू कर रहा है, जो उपयोगकताओं को एंड्रॉइड बीटा पर स्टेटस अपडेट की रिपोर्ट करने की अनुमति देगा। वाबेटाइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, बीटा परीक्षकों को स्टेटस विकल्पों के भीतर एक नया रिपोर्ट एक्शन दिखाई देगी। नए फीचर के साथ, उपयोगकर्ता किसी भी स्टेटस अपडेट की रिपोर्ट कर सकते हैं जो सेवा की शर्तों का उल्लंघन कर सकता है, जिसे बाद में कंपनी की मॉडरेशन टीम को भेजा जाएगा। साथ ही, फीचर सुनिश्चित करता है कि मैसेज, मीडिया, लोकेशन शेयरिंग, कॉल और स्टेटस अपडेट सभी डिवाइस पर एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन द्वारा सुरक्षित हैं। इसका मतलब यह है कि कोई और, यहां तक कि व्हाट्सऐप, मेटा और एक प्रॉक्सी प्रदाता भी नहीं, उपयोगकताओं के व्यक्तिगत संदेशों को पढ़ सकता है और उनकी निजी कॉल सुन सकता है। नया फीचर उपयोगी है क्योंकि यह प्लेटफॉर्म को सभी उपयोगकताओं के लिए सुरक्षित बनाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि एंड्रॉइड के लिए व्हाट्सऐप बीटा के लेटेस्ट अपडेट को प्ले स्टोर पर इंस्टॉल करने के बाद कुछ बीटा टेस्टर्स के लिए स्टेटस अपडेट की रिपोर्ट करने की क्षमता उपलब्ध है और आने वाले दिनों में और अधिक उपयोगकताओं के लिए रिलीज होने की उम्मीद है। जनवरी में, यह बताया गया था कि मैसेजिंग प्लेटफॉर्म एंड्रॉइड बीटा के लिए इस फीचर पर काम कर रहा था।

इंटेल की नेक्स्ट जेनरेशन के चिप्स विंडोज 12 को करेंगे सपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

चिप-निमार्ता इंटेल की अगली पीढ़ी के सीपीयू कथित तौर पर अभी तक घोषित विंडोज 12 का समर्थन करेंगे। द वर्ज की रिपोर्ट के मुताबिक, इंटेल के मीटियोर लेक डेस्कटॉप प्लेटफॉर्म पर विवरण हार्डवेयर लीकर एटदरेट लीफ हॉबी द्वारा खुलासा किया गया है, जो रिलीज से पहले इंटेल के एक्सॉन सीपीयू के पूर्ण स्पेसिफिकेशन्स को प्रकट करने के लिए जाना जाता है। हालांकि, ट्वीट को अब डिलीट कर दिया गया है। चिप निमार्ता ने आंतरिक रूप से उल्लेख किया है कि इसकी नेक्स्ट जेनरेशन के सीपीयू विंडोज 12 का सपोर्ट करेंगे। मीटियोर लेक में 20 पीसीआई जेनरेशन5 लेन और विंडोज 12 के लिए समर्थन शामिल होने की संभावना है। माइक्रोसॉफ्ट ने विंडोज 12 के लिए अपनी योजनाओं का खुलासा नहीं किया है, लेकिन पहले से ही संकेत हैं कि कंपनी विंडोज के नए वर्जन्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-संचालित सुविधाओं को एकीकृत करने का इरादा रखती है। माइक्रोसॉफ्ट के कंज्यूमर मार्केटिंग हेड, युसूफ मेहदी ने इस सप्ताह की शुरूआत में एक साक्षात्कार में कहा, जैसा कि हम विंडोज के भविष्य के संस्करणों को विकसित करना शुरू करते हैं, हम अन्य स्थानों के बारे में सोचेंगे जहां एआई को अनुभव के संदर्भ में एक स्वाभाविक भूमिका निभानी चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि माइक्रोसॉफ्ट को इंटेल और एएमडी जैसे हार्डवेयर भागीदारों के साथ घनिष्ठ सहयोग करने की आवश्यकता होगी ताकि एआई वर्कलोड को संभालने वाले चिप्स का अनुकूलन किया जा सके।

सॉफ्टवेयर कंपनी थॉटवर्क्सय ने करीब 500 कर्मचारियों की छंटनी की

नई दिल्ली, एजेंसी

सॉफ्टवेयर कंसल्टेंसी कंपनी थॉटवर्क्सस ने वैश्विक व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के बीच लागत में कटौती करने के लिए लगभग 500 कर्मचारियों, या अपने वैश्विक कार्यबल के 4 प्रतिशत की छंटनी करने की घोषणा की है। नैस्डैक-सूचीबद्ध थॉटवर्क्सव के 18 देशों में 12,500 से अधिक कर्मचारी हैं। कंपनी की भारत में भी मजबूत उपस्थिति है। टेकक्रंच के मुताबिक, कंपनी ने सबसे पहले प्रभावित कर्मचारियों को इस हफ्ते की शुरूआत में इस फैसले के बारे में सूचित किया था और आने वाले दिनों में छंटनी जारी रहेगी। थॉटवर्क्सब के प्रवक्ता के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि हमने वैश्विक स्तर पर अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 4 प्रतिशत की कटौती करने का कठिन निर्णय लिया है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, ये परिवर्तन हमारे व्यापार के भविष्य के विकास का समर्थन करने के लिए आवश्यक थे। यह 2021 में नैस्डैक पर एक इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के माध्यम से सूचीबद्ध हुआ था, जिसने 773 मिलियन डॉलर जुटाए थे। चौथी तिमाही के दौरान थॉटवर्क्सक का राजस्व सालाना आधार पर 8.3 प्रतिशत बढ़कर 310.7 मिलियन डॉलर हो गया। सीईओ गुओ जिओ ने कहा, हम चौथी तिमाही में अपने प्रदर्शन से खुश हैं और हमारे ग्राहक इस अनिश्चित समय को नेविगेट करने और उनकी सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी चुनौतियों से निपटने में मदद करने के लिए हमारी ओर देखते हैं। थॉटवर्क्सक ने चौथी तिमाही में 16.1 मिलियन डॉलर की शुद्ध आय अर्जित की थी, जबकि 12 महीने पहले 16.9 मिलियन डॉलर का घाटा हुआ था। कंपनी को चालू तिमाही में 303 मिलियन डॉलर और 305 मिलियन डॉलर राजस्व की उम्मीद है। थॉटवर्क्सच टेक कंपनियों की बढ़ती सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने हाल के महीनों में मंदी की आशंकाओं के बीच हजारों कर्मचारियों को निकाल दिया है।

मुझे नहीं लगता कि आईपीएल से स्टोक्स की एशेज में वापसी खतरे में पड़ेगी: मैकुलम

वेलिंगटन, एजेंसी

इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बेन स्टोक्स की एशेज वापसी खतरे में नहीं पड़ेगी और उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की मेडिकल टीम पर इस प्रमुख ऑलराउंडर की देखभाल करने का भरोसा जताया। बार-बार उभरने वाली बाएं घुटने की चोट से जूझने वाले इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में केवल नौ ओवर गेंदबाजी की। वह यहां दूसरे टेस्ट में अपनी 33 रन की पारी के दौरान भी दर्द में दिखे। इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में एक रन से हार का सामना करना पड़ा।

एसपीएनक्रिकइंफो ने मैकुलम के हवाले से कहा, मुझे नहीं लगता कि वह (आईपीएल खेलकर) इसे खतरे में डाल रहे हैं। चेन्नई का ढांचा अपने खिलाड़ियों की देखभाल करने के मामले में उत्कृष्ट है और उनके पास एक बहुत अच्छी चिकित्सा टीम है और उनकी अच्छी देखभाल की जाएगी।

उन्होंने कहा, कप्तान मानसिक रूप से काफी मजबूत है और वह जानता है कि बड़े पलों के लिए कैसे सही होना है। उसका जीवन ऐसा ही रहा है, सही है ना। इसलिए मुझे कोई चिंता नहीं है। स्टोक्स आईपीएल 2023 की नीलामी में तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी थे जहां सीएसके ने उन्हें 16.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। दुनिया की सबसे लुभावनी टी20 लीग आईपीएल 31 मार्च से शुरू होने वाली है जिसका पहला मुकाबला अहमदाबाद में सीएसके और गत चैंपियन गुजरात टाइटंस के बीच खेला जाएगा। टूनार्मेंट का समापन 28 मई को होगा जबकि पांच टेस्ट की एशेज श्रृंखला 16 जून से एजबेस्टन में शुरू होगी। स्टोक्स की अगुआई वाला इंग्लैंड 2015 के बाद पहली बार श्रृंखला जीतना चाहेगा। इंग्लैंड की एशेज विजेता टीम के सदस्य रहे माइकल वॉन और स्टीव हार्मिसन ने हालांकि स्टोक्स से आईपीएल में नहीं खेलने का आग्रह किया है। मैकुलम हालांकि बड़ी तस्वीर देख रहे हैं। उन्होंने कहा, वास्तव में मैं उसे इसमें खेलते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं और उसे बिना कप्तानी के भी खेलते हुए देखना चाहता हूं, बिना किसी चीज की चिंता किए बगैर क्रिकेट खेलने का अवसर, यह जानते हुए कि जब वह टीम में वापस आएगा और एशेज टीम की अगुआई करेगा तो चीजें आसान नहीं होंगी। उन्होंने कहा, वह हर चीज में बड़ी तस्वीर देखता है इसलिए मुझे इस बात की कोई चिंता नहीं है कि कप्तान की पूरी तरह से देखभाल की जाएगी। और मेरा यह भी मानना है कि एशेज वह पटकथा है जिसे कप्तान लिखने का इंतजार कर रहा है इसलिए वह अच्छा होगा।

हाकी: फ्लिक्र्स ब्रदर्स हरियाणा और राउंड ग्लास पंजाब जीते

लखनऊ। पिछले संस्करण की विजेता फ्लिक्र्स ब्रदर्स हरियाणा और राउंड ग्लास पंजाब की टीम ने 33वीं आल इंडिया केडी सिंह बाबू सब जूनियर बालक (अंडर-14) प्राइजमनी हॉकी टूनार्मेंट के तीसरे दिन बुधवार को खेले गए मैच में अपने-अपने प्रतिद्वंदियों के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज की। केडी सिंह बाबू स्मारक सोसायटी के तत्वावधान में गोमती नगर के विजयंत खंड स्थित पद्मश्री मो. शाहिद सिंथेटिक टर्फ स्टेडियम पर खेले जा रहे टूनार्मेंट में फ्लिक्र्स ब्रदर्स हरियाणा ने राजा करन हॉकी को 13-0 से और राउंड ग्लास पंजाब ने भीलवाड़ा राजस्थान को 8-0 से मात दी। वही मेजबान यूपी की ब्लू टीम को नवल टाटा ओडिशा ने 2-0 से हराया। फ्लिक्र्स ब्रदर्स हरियाणा की जीत में जसकीरत ने सात गोल दागे। उन्होंने 11वे, 14वे, 22वे और 42वे मिनट में गोल दागने के बाद 56वे, 57वे व 58वे मिनट में लगातार तीन गोल करते हुए अपनी हैट-ट्रिक भी पूरी की। राउंड ग्लास पंजाब ने पूरे मैच में आक्रामक अंदाज का प्रदर्शन किया तो टीम के डिफेंस ने भी शानदार खेल दिखाया जिससे विरोधी टीम एक भी गोल नहीं कर सकी। दूसरी ओर नवल टाटा ओडिशा ने यूपी ब्लू को 2-0 से मात दी। इस मैच में यूपी ब्लू भले गोल न कर सकी लेकिन उसने विरोधी टीम को खासा छकाया। अन्य मुकाबलों में ध्यानचंद हॉकी अकादमी आंध्र प्रदेश ने के साई चरन के एकमात्र गोल से टीडब्लूसी मणिपुर को 1-0 से हराया। वही साउथर्न हॉकी अकादमी ने तमिलनाडु हॉकी अकादमी को 2-0 से और हॉकी हरियाणा ने रॉयल हॉकी पंजाब को 11-0 से मात दी।

पोंटिंग को वार्नर के टेस्ट करियर के दुखद अंत का डर

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को डर है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे डेविड वार्नर पर एशेज श्रृंखला से बाहर होने का खतरा है और लंबे समय से बल्ले से नाकाम रहने के बाद उनके टेस्ट करियर का दुखद अंत हो सकता है। पोंटिंग को लगता है कि वार्नर इंग्लैंड के दौरे पर जाने वाली एशेज टीम में जगह पाने के लिए संघर्ष करेंगे और उनका टेस्ट करियर शायद उनकी शर्तों पर खत्म नहीं होगा। वार्नर का भारत दौरे पर प्रदर्शन निराशाजनक रहा जहां उन्होंने कोहनी में फ्रेक्चर के कारण स्वदेश लौटने से पहले तीन पारियों में एक, 10 और 15 रन बनाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 2019 में पिछले इंग्लैंड दौरे पर सिर्फ 9.5 के औसत से रन बनाए थे। पोंटिंग ने आरएसएन क्रिकेट से कहा मैंने उन्हें अपने चक्र के बारे में बात करते हुए सुना है। मौजूदा चक्र विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के बाद समाप्त हो जाएगा जो स्पष्ट रूप से पहले एशेज टेस्ट से एक सप्ताह पहले है और मुझे लगता है कि सब कुछ ठीक रहा तो वह कम से कम इस टेस्ट मैच के अंत तक डेविड को अपने साथ रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हालांकि यह उस पर निर्भर करेगा। एक बल्लेबाज के रूप में आप सिर्फ रन ही बना सकते हैं और अगर आप रन नहीं बनाते तो मुश्किल स्थिति में फंस जाते हैं। पोंटिंग ने कहा, यह हम सभी के साथ हुआ है, यह मेरे साथ हुआ है। जब आप एक निश्चित उम्र तक पहुंच जाते हैं और ऐसा लगता है कि आपका फॉर्म थोड़ा सा गिर रहा है, तो आलोचक हावी हो जाते हैं और फिर ज्यादा समय नहीं लगता। पोंटिंग को लगता है कि वार्नर को पिछली गर्मियों में मेलबर्न में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में दोहरा शतक बनाने के बाद टेस्ट क्रिकेट छोड़ देना चाहिए था जो उनका 100वां मैच भी था या फिर सिडनी में अपने घरेलू मैदान पर अगले मैच के बाद उन्हें ऐसा करना चाहिए था। ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा, वह जिस तरह चाहता था उस तरह खत्म करने के लिए मेरे हिसाब से शायद सिडनी टेस्ट के बाद उसे ऐसा करना चाहिए था। उसने मेलबर्न में 200 रन बनाए, अपना 100वां टेस्ट खेला, अपना 101वां टेस्ट सिडनी में खेला जो उसके घरेलू मैदान पर था और शायद वहीं खत्म कर देता।

श्रीलंका की मेजबानी के लिये न्यूजीलैंड टेस्ट टीम घोषित

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने श्रीलंका के खिलाफ अगले हफ्ते से होने वाले दो टेस्ट मैचों के लिये 13-सदस्यीय स्क्वाड की घोषणा बुधवार को की। एनजेडसी के चयनकताओं ने इंग्लैंड के विरुद्ध समाप्त हुई हालिया टेस्ट सीरीज से टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट में 267 रन की हार के बाद दूसरा टेस्ट एक रन से जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर की थी। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने महसूस किया कि हमारे यहां जो 13 (खिलाड़ी) हैं, वे आगे बढ़ने के लिये सही हैं। मुझे लगता है कि जब आपके पास (दूसरे टेस्ट में) इस तरह की जीत हो तो आपका आत्मविश्वास बेहतर होगा। इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट श्रृंखला के बाद सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे की कमर में खिंचाव जबकि तेज गेंदबाज मैट हेनरी की पीठ में जकड़न है। स्टीड ने हालांकि श्रीलंका टेस्ट सीरीज के शुरू होने से पूर्व दोनों के फिट होने की उम्मीद जताई है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2021 की विजेता न्यूजीलैंड इस बार डब्ल्यूटीसी के फाइनल से बाहर हो चुकी है, हालांकि श्रीलंका के पास फाइनल में पहुंचने का मौका है। श्रीलंका अगर न्यूजीलैंड को 2-0 से हरा दे और भारत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को 4-0 से परास्त कर दे तो जून में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में श्रीलंका-भारत आमने सामने होंगे। भारत फिलहाल घरेलू श्रृंखला में 2-0 से आगे चल रहा है।

श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज की शुरूआत नौ मार्च को होगी। श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिये न्यूजीलैंड टीम : टॉम लैथम, डेवोन कॉनवे, केन विलियम्सन, विल यंग, हेनरी निकोल्स, डेरिल मिचेल, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल, टिम साउदी (कप्तान), मैट हेनरी, नील वैगनर, स्कॉट कुगलेइन, ब्लेयर टिकनर, जेकब डफी, ईश सोढ़ी।

संक्षिप्त खबरें

जोकोविच दुबई में जीते, रूबलेव ने पांच मैच प्वाइंट बचाते हुए जीत दर्ज की

दुबई। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने बुधवार को यहां टेलोन ग्रीक्सपूअर को सीधे सेटों में हराकर दुबई चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच ने ग्रीक्सपूअर को 6-2 6-3 से हराकर लगातार 19वीं जीत दर्ज की। सर्बिया के 35 साल के खिलाड़ी जोकोविच ने दुनिया के 39वें नंबर के खिलाड़ी ग्रीक्सपूअर की चार बार सर्विस तोड़ी। उन्होंने मौजूदा सत्र में एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। जोकोविच अगले दौर में ह्यूबर्ट हुरकाज से भिड़ेंगे जिन्होंने पावेल कोटोव को 7-5 6-1 से हराया। बुधवार को ही गत चैंपियन आंद्रे रूबलेव ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को 1-6 7-6(6) 7-6(3) से हराया। रूस के रूबलेव ने दूसरे सेट के टाईब्रेकर में 1-6 से पिछड़ते हुए पांच मैच प्वाइंट बचाए और लगातार सात अंक के साथ सेट जीतकर मुकाबले को तीसरे और निर्णायक सेट में खींचा।

मुनार ने शीर्ष वरीय मुसेटी को हराकर चिली ओपन से बाहर किया

सेंटियागो (चिली)। स्पेन के जेउमे मुनार ने यहां चिली ओपन टेनिस टूनार्मेंट में शीर्ष वरीय लोरेंजो मुसेटी को सीधे सेट में हराकर उलटफेर करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इटली के दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी मुसेटी के खिलाफ मुनार ने 6-4 6-4 से जीत दर्ज की। दुनिया के 66वें नंबर के खिलाड़ी मुनार अगले दौर में ब्राजील के थिएगो मोंटेइरो से भिड़ेंगे जिन्होंने इटली के मार्को चेचिनातो को बुधवार को 3-6 6-3 6-2 से हराया। एक अन्य मुकाबले में जर्मनी के क्वालीफायर यानिक हैफमैन ने रॉबर्टो काबार्लेस बेइना को 7-6(6) 6-2 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

हॉकी झारखंड ने 2023 का खेल कैलेंडर किया जारी

रांची, एजेंसी

हॉकी झारखंड की ओर से वर्ष 2023 में राज्य में आयोजित होनेवाले राज्य स्तरीय और जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का खेल कैलेंडर जारी हो गया है। हॉकी झारखंड की ओर से जिला स्तरीय सब जूनियर, जूनियर और सीनियर महिला और पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के लिए तिथि तय किया गया है। साथ ही राज्य स्तरीय सब जूनियर, जूनियर, सीनियर और पांच साइट महिला, पुरुष हॉकी चैंपियनशिप के लिए भी आयोजन तिथि निर्धारित की गयी है। खेल कैलेंडर जारी करने के साथ हॉकी झारखंड ने सभी जिलों को अपने जिले में खेल प्रतियोगिता समय पर कराये जाने को कहा है। विशेष परिस्थिति में पूर्व सूचना देकर आयोजन तिथि में आंशिक परिवर्तन करने का निर्देश दिया है।

कैलेंडर के मुताबिक सभी जिलों में निर्धारित डेट में सब जूनियर, जूनियर, सीनियर हॉकी मैचों के आयोजन के बाद हॉकी झारखंड की ओर से पुरुषों का (सीनियर) राज्य स्तरीय मैच 26-29 अगस्त को खेला जायेगा। साथ ही महिलाओं (सीनियर) का भी इसी अवधि में मैच होगा। हॉकी इंडिया के नेशनल कैलेंडर के मुताबिक 3-14 मई को पुरुषों (सीनियर) के नेशनल स्तर के मैच होंगे जबकि महिलाओं (सीनियर) के 15-26 फरवरी तक होंगे। सब जूनियर हॉकी मैचों (पुरुष) के लिए सभी 24 जिलों को 15-16 अप्रैल जबकि महिलाओं के चार-पांच अप्रैल को कराने को कहा गया है। जूनियर (लड़का) मैच दो-जून जून के बीच कराने होंगे जबकि लड़कियों के भी इसी डेट के अंदर कराने हैं। सीनियर मेंस के 29 जुलाई-पांच अगस्त के बीच और महिलाओं के भी पांच अगस्त तक जिला स्तर पर आयोजन करा लिए जाने का निर्देश जारी किया गया है।

पीठ की सर्जरी के लिए न्यूजीलैंड जा सकते हैं जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी तकलीफदेह पीठ की सर्जरी के लिए न्यूजीलैंड जा सकते हैं। बुमराह पिछले पांच महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रबंधकों ने कीवी सर्जन पर ध्यान केंद्रित किया है, जिन्होंने जोफ्रा आर्चर पर काम किया था। बुमराह को जल्द से जल्द ऑकलैंड ले जाने की तैयारी है। क्राइस्टचर्च में रहने वाले सर्जन रोवन शाउटन बुमराह का ऑपरेशन करेंगे। शाउटन ने पूर्व में, ग्राहम इंगलिस के साथ काम किया था, जो आथोपेडिक्स के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध सर्जन थे। इंगलिस ने मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड सहित न्यूजीलैंड के कुछ खिलाड़ियों का ऑपरेशन किया था, जिन्होंने शाउटन के नाम का सुझाव दिया था। शाउटन ने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेम्स पैटिनसन की सर्जरी में इंगलिस की सहायता की थी, जबकि उन्होंने बेन द्वारसुइस और जेसन बेहरेनडॉर्फ की सर्जरी भी की थी, जो निश्चित रूप से आर्चर के अलावा पीठ के मुद्दों से भी जूझ रहे थे। बुमराह के ठीक होने की अवधि 20 से 24 सप्ताह के बीच होगी। तत्काल निहितार्थ यह है कि वह सितंबर तक क्रिकेट से दूर हो सकते हैं। वह आईपीएल और लंदन में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल से बाहर रहेंगे। हालांकि भारत को अभी डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अर्हता प्राप्त करनी है।

'रन फॉर गुड' के पहले संस्करण का आयोजन नई दिल्ली में 19 मार्च को

नई दिल्ली। 'रन फॉर गुड' के पहले संस्करण का आयोजन नई दिल्ली में 19 मार्च को होगा। इस आयोजन को तीन वर्गों 3के सवेरा रन, 5के परिवार रन और 10के टाइम्ड रन में बांटा गया है। सवेरा एसोसिएशन के अध्यक्ष मिनू बख्शी ने कहा, इस साल हम अपने अस्तित्व के 25 साल पूरे कर रहे हैं और सवेरा लगातार एक निः शुल्क किंडरगार्टन स्कूल चलाकर वंचित बच्चों और महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। हम जानते हैं कि हमारे साझा मूल्यों को एक व्यापक समुदाय में लाने का सही अवसर है। धावकों के पास एक समावेशी और आकर्षक अनुभव प्राप्त करने के लिए लाइव संगीत, फूड स्टाल और बहुत कुछ मजेदार गतिविधियों का आनंद लेने का भी मौका होगा। रन फॉर गुड एकता, समावेशिता और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देता है और यह इवेंट सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए खुली है। इस आयोजन के भागीदार आर्टकनेक्ट के संस्थापक और निदेशक, आनंद कान्ववार ने कहा, दौड़ना केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह एक शक्तिशाली उपकरण भी है जो हमें मजबूत दिमाग और समुदाय बनाने में मदद कर सकता है। आर्टकनेक्ट में, हम दृढ़ता से एक आम आदमी के लिए एक साथ आने की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास करते हैं।

भारतीय तेज गेंदबाज उमेश यादव ने घरेलू जमीन पर पूरे किये 100 टेस्ट विकेट

इंदौर, एजेंसी। अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज उमेश यादव गुरुवार को भारत में 100 विकेट पूरे करने वाले 13वें गेंदबाज बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन हासिल की। उमेश ने मिचेल स्टॉर्क को आउट कर घर में अपना 100वां विकेट पूरा किया। वह कपिल देव (219), जावगल श्रीनाथ (108), जहीर खान (104) और ईशांत शर्मा (104) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले पांचवें तेज गेंदबाज हैं। रवींद्र जडेजा (04 विकेट), रविचंद्रन अश्विन और उमेश यादव (दोनों 3-3 विकेट) की बदौलत ऑस्ट्रेलियाई पारी तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन आज पहली पारी में 197 रन पर सिमट गई। दिन की शुरूआत भारत से 47 रन आगे करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 88 रन की बढ़त हासिल की। टर्निंग पिच पर उमेश दोनों टीमों की पहली पारी में विकेट लेने वाले इकलौते तेज गेंदबाज बने। उमेश ने सुबह के सत्र के दूसरे घंटे में तीन ओवर में तीन विकेट लिए और पांच ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट हासिल लिए। अब उनके नाम भारत में 31 टेस्ट में 24.53 की औसत से 101 विकेट दर्ज हैं। एक समय जब पीटर हैंड्सकॉम्ब और कैमरन ग्रीन पिच पर थे, तो ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम 100 से 120 रनों से अधिक की बढ़त हासिल कर लेगी। लेकिन अश्विन (44 रन देकर तीन विकेट) ने ड्रिंक ब्रेक के बाद पहले ओवर में पीटर हैंड्सकॉम्ब (19) को आउट किया। अश्विन की गेंद पर श्रेयस अय्यर ने हैंड्सकॉम्ब का कैच शॉर्ट लेग पर पकड़ा। जब हैंड्सकॉम्ब आउट हुए तो ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 5 विकेट पर 186 रन हो गया। ऑस्ट्रेलिया के पास दूसरे दिन एक अच्छा पहला घंटा था क्योंकि उन्होंने बिना किसी नुकसान के 16 ओवर में 30 रन जोड़े। लेकिन फिर ड्रिंक्स के बाद अश्विन और उमेश ने गेंद से कहर बरपाया और सिर्फ 6.3 ओवर में केवल 11 रनों पर ऑस्ट्रेलिया के बाकी 6 विकेट गिरा दिये।

उमेश-अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया को 197 रन पर समेटा

इंदौर, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाजों को एक बार फिर ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों के खिलाफ जूझना पड़ा जिससे तीसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन गुरुवार को यहां चाय तक दूसरी पारी में मेजबान टीम 79 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद संकट में है। भारत अब भी ऑस्ट्रेलिया से नौ रन से पिछड़ रहा है और पिछले 10 साल में स्वदेश में सिर्फ दो टेस्ट गंवाने वाले भारत को अगर जीत की उम्मीद जगानी है तो ऑस्ट्रेलिया को कम से कम 150 रन का लक्ष्य देना होगा। भारतीय टीम बुधवार को पहली पारी में सिर्फ 109 रन पर सिमट गई थी जिसके बाद सुबह के सत्र में तेज गेंदबाज उमेश यादव और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 197 रन पर समेटकर मेजबान टीम की वापसी की उम्मीद जगाई। ऑस्ट्रेलिया ने 88 रन की बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में भी भारत की शुरूआत अच्छी नहीं रही। खराब फॉर्म से जूझ रहे लोकेश राहुल की जगह टीम में शामिल शुभमन गिल (05) एक बार फिर नाकाम रहे और नाथन लियोन की गेंद को आगे बढ़कर खेलने की कोशिश में बोल्ड हो गए। लियोन ने इसके बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (12) को पगबाधा किया जो गेंद ही लेंथ को पूरी तरह से चूक गए। विराट कोहली (13) बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन की गेंद पर चौका जड़ने के बाद अगली गेंद को काफी पीछे जाकर खेलने की कोशिश में पगबाधा हो गए। रविंद्र जडेजा (07) भी चाय के विश्राम से ठीक पहले लियोन की गेंद पर पगबाधा हो गए। मैदानी अंपायर ने उन्हें पगबाधा नहीं दिया था लेकिन ऑस्ट्रेलिया के डीआरएस का सहारा लेने पर उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। चेतेश्वर पुजारा (नाबाद 36) हालांकि लय में नजर आए। उन्होंने स्पिनरों के खिलाफ अपने डिफेंस पर भरोसा किया और आगे बढ़कर तथा बैकफुट पर भी कुछ अच्छे शॉट खेले। चाय के समय श्रेयस अय्यर उनका साथ निभा रहे थे जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। सुबह के सत्र में उमेश और अश्विन की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को समेटा। ऑस्ट्रेलिया ने दिन की सतर्क शुरूआत करते हुए पहले घंटे में 16 ओवर में 30 रन जोड़े और इस दौरान कोई विकेट नहीं गंवाया। टीम ने हालांकि इसके बाद अंतिम छह विकेट सिर्फ 11 रन पर गंवा दिए। उमेश (12 रन पर तीन विकेट) और अश्विन (44 रन पर तीन विकेट) ने सुबह के सत्र में तीन-तीन विकेट चटकाए जबकि पहले दिन रविंद्र जडेजा (78 रन पर चार विकेट) ने चार विकेट हासिल किए थे। ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरूआत चार विकेट पर 156 रन से की। भारत को पहले घंटे में कोई विकेट नहीं लिया लेकिन मोहम्मद सिराज और जडेजा ने पीटर हैंड्सकॉम्ब (19) और कैमरन ग्रीन (21) को आसानी से रन नहीं बनाने दिए। भारत ने हैंड्सकॉम्ब को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया की पारी को सिमटने में अधिक समय नहीं लगा। बेहद रक्षात्मक रवैये के साथ खेल रहे हैंड्सकॉम्ब ने अश्विन की गेंद पर शॉर्ट लेग पर श्रेयस अय्यर को कैच थमाया।

घोषणा इस टूनार्मेंट में 25 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि भी प्रदान की जाएगी। इसकी शुरुआत 29 मार्च से होगी....

नेशनल पोकर सीरीज के लिए तैयार है भारत, 29 मार्च से शुरू होगा टूनार्मेंट

नई दिल्ली, एजेंसी

पोकरबाजी पर आयोजित भारत के सबसे प्रतिष्ठित पोकर टूनार्मेंट, नेशनल पोकर सीरीज इंडिया (एनपीएस) ने अपने नए कैंपेन 'अब इंडिया खेलेगा ग्लोरी के लिए' के साथ अपने 2023 संस्करण की घोषणा कर दी है। इस वर्ष के संस्करण में कुल 107 टूनार्मेंटों में शीर्ष तीन विजेताओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक दिया जाएगा और उच्चतम पदक संख्या के साथ तीन एनपीएस पदक जीतने वाले विजेता को एनपीएस इंडिया 2023 चैंपियन का ताज पहनाया जाएगा। इस टूनार्मेंट में 25 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि भी प्रदान की जाएगी। इसकी शुरूआत 29 मार्च से होगी। हालांकि, खिलाड़ी पहले से ही पोकरबाजी ऐप पर पंजीकरण कर सकते हैं और प्रैक्टिस टूनार्मेंट भी खेल सकते हैं।

कैंपेन नेशनल पोकर सीरीज 2023 को लेकर जागरूकता पैदा करेगा और सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा। यह संवाद उस सांस्कृतिक दृष्टिकोण के बारे में बताता है कि खिलाड़ी और एथलीट अपने संबंधित खेलों में सर्वश्रेष्ठ के रूप में पहचाने जाने का प्रयास करते हैं, और यह भी कि कड़ी मेहनत और दृढ़ता कैसे शोहरत और सफलता लाती है। यह पोकर खिलाड़ियों के लिए भी सच है, जो अपने कौशल और धैर्य के साथ नेशनल पोकर सीरीज चैंपियन के रूप में स्वर्ण पदक और गौरव दोनों लेकर आते हैं।

नए कैंपेन में दो फिल्मों की एक सीरीज शामिल है जो नेशनल पोकर सीरीज जीतने की शोहरत और प्रशंसा का बखान करती है। कैंपेन का उद्देश्य खिलाड़ियों, पुरुषों और महिलाओं दोनों को खेल में उत्कृष्ट प्रयास करने और पोकर को एक ऐसे खेल के रूप में स्थापित करने के लिए प्रेरित करना है जिसमें उच्चतम स्तर के कौशल और रणनीति की जरूरत होती है। रचनात्मक कहानी, संगीत और उत्सुकता जैसे घटक टूनार्मेंट के लिए पंजीकरण को एक 'पुल फैक्टर' बनाते हैं। इस कैंपेन का मकसद नेशनल पोकर सीरीज को सफल बनाना और खिलाड़ियों को इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित करना है। इस विज्ञापन में एक साधारण सिनेमाई उपकरण का इस्तेमाल किया गया है और यह खिलाड़ियों के जीवन में आए बदलाव को चित्रित करते हुए आकर्षक फिल्म प्रस्तुत करता है इस सीरीज में पिछले दो वर्षों में हुए 150 आयोजनों में 180 हजार से अधिक प्रविष्टियां और 450 से अधिक पदक शामिल हैं। इस घोषणा के बारे में बाजी गेम्स के संस्थापक और सीईओ नवकिरण सिंह ने कहा, हम, पोकरबाजी में, एक बार फिर नेशनल पोकर सीरीज इंडिया की मेजबानी करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहे हैं। विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों और इलाकों में दो संस्करणों की रिकॉर्ड-ब्रेकिंग एंट्री एनपीएस की विरासत को स्थापित करने का प्रमाण है। हम एनपीएस इंडिया को भारत में पोकर के खेल के लिए गौरव के सच्चे मंच के रूप में देखते हैं और चैंपियंस बनने का जश्न मनाने के लिए उत्साहित हैं।

पोकर के बारे में आम धारणा है कि यह केवल एक खेल है। जबकि दुनिया भर में इसे एक ऐसा खेल माना जाता है जिसमें खेलने के लिए बहुत अधिक कौशल की जरूरत होती है, सही कौशल वाले लोग ही इसमें सफल और मशहूर हो सकते हैं। एक मंच के रूप में नेशनल पोकर सीरीज भारत में पोकर खिलाड़ियों को यह अवसर प्रदान कर रही है।

महिला लीग शुरू करने की योजना बना रहा है प्रो कबड्डी लीग

नई दिल्ली, एजेंसी

पुरुषों के टूनार्मेंट की सफलता से उत्साहित प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आयोजक अब देश में महिलाओं का पेशेवर फ्रेंचाइजी आधारित टूनार्मेंट शुरू करने की संभावना पर विचार कर रहे हैं। पीकेएल के नौ सत्र का आयोजन हो चुका है। इसके आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने कहा कि वे भारतीय एमेच्योर कबड्डी महासंघ (एकेएफआई) और अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) के सहयोग से लीग को शुरू करने की योजना बना रहे हैं। क्रिकेट में महिलाओं की प्रीमियर लीग चार मार्च से मुंबई में शुरू होगी और पीकेएल इसी की राह पर चलने की योजना पर काम कर रहा है। मशाल स्पोर्ट्स के सीईओ और पीकेएल आयुक्त अनुपम गोस्वामी ने बयान में कहा, पेशेवर महिला कबड्डी लीग की हमारी योजना पुरुषों की लीग में मिली सफलता और कबड्डी को भारत के आधुनिक विश्व स्तरीय खेल के रूप में विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता पर आधारित है। उन्होंने कहा,हम महिला लीग शुरू करने के लिए एकेएफआई और अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ सहित विभिन्न हितधारकों के साथ काम करेंगे। एक परीक्षण टूनार्मेंट महिला कबड्डी चैलेंज 2016 में पहले ही आयोजित किया जा चुका है जिसमें तीन टीम फायरबड्र्स, आइसडीवास और स्टॉर्मक्वीन्स ने हिस्सा लिया था। इंचियोन 2014 में एशियाई खेलों में भारत के पिछले स्वर्ण पदक के दौरान टीम की अगुआई करने वाली पूर्व भारतीय कप्तान वी तेजस्विनी बाई ने कहा कि अगर महिला लीग आकार लेती है तो एक बड़ा सपना पूरा होगा। स्टॉर्मक्वीन की कप्तानी करने वाली तेजस्विनी ने कहा, 2014 में प्रो कबड्डी लीग के लॉन्च के बाद से, भारत में महिला कबड्डी खिलाड़ियों ने अपनी खुद की एक पेशेवर कबड्डी लीग की उम्मीद की है। इस अर्जुन पुरस्कार विजेता ने कहा, अब पीकेएल का महिला टूनार्मेंट भारत में हर महिला कबड्डी खिलाड़ी और अन्य देशों की महिला कबड्डी खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा सपना सच होने जैसा होगा।

व्हाइट हाउस ने एरिक गासेर्टी का किया समर्थन, कहा- भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में काम करने के योग्य

नई दिल्ली, एजेंसी

व्हाइट हाउस ने बुधवार को एरिक गासेर्टी का समर्थन करते हुए कहा कि वह भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में काम करने के योग्य हैं। इस बीच संसदीय समिति में शामिल रिपब्लिकन पार्टी के एक सांसद ने गासेर्टी के नामांकन पर रोक लगा दी, जिसके चलते इस मामले पर समिति में मतदान आठ मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने लॉस एंजेलिस के पूर्व मेयर गासेर्टी (52) को जुलाई 2021 में भारत में अमेरिकी राजदूत नामित किया था। उनके नामांकन के प्रस्ताव को अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट में पेश नहीं किया गया था क्योंकि सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के पास उनकी नियुक्ति के लिए पर्याप्त समर्थन नहीं था। मेयर कार्यालय में कुछ कर्मचारियों ने गासेर्टी पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे, जिसके चलते रिपब्लिकन और उनके अपने दल के कुछ सदस्य उनके नामांकन का विरोध कर रहे हैं। हालांकि उनके नामांकन पर से रोक हटा दी गई थी, लेकिन संसद ने उनके नाम पर मुहर नहीं लगाई थी। बाइडन ने इस साल जनवरी में गासेर्टी को

फिर से भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर नामित किया था। संसद की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष बॉब मेनेंडेज ने 28 फरवरी को उनके नामांकन पर मतदान निर्धारित किया था। लेकिन रिपब्लिकन सांसद मार्को रुबियो ने उनके नामांकन पर रोक लगा दी। समिति ने मतदान अब आठ मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केरीन ज्यां-पियरी ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ह्लएरिक गासेर्टी को द्विदलीय तरीके से (संसद की विदेश संबंध समिति से) बाहर कर दिया गया था। तो, स्पष्ट रूप से, उन्हें द्विदलीय समर्थन मिला है, जो इस प्रक्रिया में बहुत महत्वपूर्ण है। हम उम्मीद करते हैं कि संसद उनकी नियुक्ति का समर्थन करेगी। ज्यां-पियरे ने कहा, ह्लहमें लगता है कि एरिक गासेर्टी इस महत्वपूर्ण भूमिका को निभाने के योग्य हैं, इसलिए राष्ट्रपति ने उन्हें नामित किया। राष्ट्रपति ने उन्हें इसलिए नामित किया क्योंकि उन्हें लगा कि उनके पास भारत में अमेरिकी राजदूत बनने का अनुभव है ह्व भारत में अमेरिकी राजदूत के पद पर फैसला दो साल से अधिक समय से लंबित है।

संक्षिप्त खबरें

पश्चिमी इंडोनेशिया में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए

इंडोनेशिया के पश्चिमी प्रांत सुमात्रा में गुरुवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.6 मापी गयी। देश की मौसम, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकीय एजेंसी बीएमकेजी ने यह जानकारी दी। मौसम एजेंसी ने कहा कि भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार आज सुबह छह बजकर पांच मिनट पर महसूस किए गए। जिसका केंद्र पेसिसिर सेलाटन (दक्षिण तट) जिले से 36 किमी दक्षिण पूर्व में और जमीनी सतह से 82 किमी की गहराई में स्थित था। एजेंसी के मुताबिक भूकंप के झटकों में सुनामी आने की कोई संभावना नहीं जतायी गयी है। भूकंप के झटके नजदीकी प्रांत जंबी में भी महसूस किए गए।

मध्य फिलीपींस में संघर्ष में चार संदिग्ध विद्रोहियों की मौत

फिलीपींस में सैनिकों और करीब 20 संदिग्ध वामपंथी विद्रोहियों के बीच संघर्ष में चार आतंकवादी मारे गये। सेना के प्रवक्ता कर्नल जॉरी बैक्लोर ने कहा कि नेग्रोस ऑक्सिडेंटल प्रांत के एक शहर के बाहरी इलाके में बुधवार को यह मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि सैनिकों ने दो एम16 राइफल, दो एम203 ग्रेनेड लॉन्चर और दो एके47 राइफल सहित भारी मात्रा में गोलाबारूद बरामद किया। माना जा रहा है कि संदिग्ध विद्रोही न्यू पीपल्स आर्मी (एनपीए) के सदस्य हैं। एनपीए विद्रोही 1969 से सरकार के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में हमलो और सेना के साथ छोटे पैमाने पर झड़पों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सैन्य आंकड़ों से पता चला है कि एनपीए में 2,000 सदस्य होने का अनुमान है, जो 1980 के दशक में इसकी चरम शक्ति से काफी कम है।

अमेरिका में भारतीय इंजीनियर को धोखाधड़ी का दोषी करार दिया गया

अमेरिका में क्रिप्टो मुद्रा से संबंधित कंपनी में काम करने वाले भारतीय मूल के 27 वर्षीय इंजीनियर को धोखाधड़ी का दोषी करार दिया गया है। दोषी निषाद सिंह ह्यएफटीएक्स ट्रेडिंग लिमिटेडह्ल में इंजीनियर के तौर पर काम करता था। सिंह पर एफटीएक्स में एक बहु-वर्षीय योजना में इक्विटी निवेशकों को धोखा देने का आरोप है। सिंह, सैमुअल बैंकमैन-फ्राइड और गैरी वांग ने मिलकर इस कंपनी की शुरुआत की थी। पिछले साल दिसंबर में, संघीय अधिकारियों ने बैंकमैन-फ्राइड पर एफटीएक्स में इक्विटी निवेशकों को धोखा देने के लिए एक योजना बनाने का आरोप लगाया था।

भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर काम करने के योग्य हैं गासेर्टी: व्हाइट हाउस

नई दिल्ली, एजेंसी

व्हाइट हाउस ने बुधवार को एरिक गासेर्टी का समर्थन करते हुए कहा कि वह भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में काम करने के योग्य हैं। इस बीच संसदीय समिति में शामिल रिपब्लिकन पार्टी के एक सांसद ने गासेर्टी के नामांकन पर रोक लगा दी, जिसके चलते इस मामले पर समिति में मतदान आठ मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राष्ट्रपति जो बाइडन ने लॉस एंजेलिस के पूर्व मेयर गासेर्टी (52) को जुलाई 2021 में भारत में अमेरिकी राजदूत नामित किया था। उनके नामांकन के प्रस्ताव को अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट में पेश नहीं किया गया था क्योंकि सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के पास उनकी नियुक्ति के लिए पर्याप्त समर्थन नहीं था। मेयर कार्यालय में कुछ कर्मचारियों ने गासेर्टी पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे, जिसके चलते रिपब्लिकन और उनके अपने दल के कुछ सदस्य उनके नामांकन का विरोध कर रहे हैं। हालांकि उनके नामांकन पर से रोक हटा दी

गई थी, लेकिन संसद ने उनके नाम पर मुहर नहीं लगाई थी। बाइडन ने इस साल जनवरी में गासेर्टी को फिर से भारत में अमेरिकी राजदूत के तौर पर नामित किया था। संसद की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष बॉब मेनेंडेज ने 28 फरवरी को उनके नामांकन पर मतदान निर्धारित किया था। लेकिन रिपब्लिकन सांसद मार्को रुबियो ने उनके नामांकन पर रोक लगा दी। समिति ने मतदान अब आठ मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केरीन ज्यां-पियरी ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, एरिक गासेर्टी को द्विदलीय तरीके से (संसद की विदेश संबंध समिति से) बाहर कर दिया गया था। तो, स्पष्ट रूप से, उन्हें द्विदलीय समर्थन मिला है, जो इस प्रक्रिया में बहुत महत्वपूर्ण है। हम उम्मीद करते हैं कि संसद उनकी नियुक्ति का समर्थन करेगी। ज्यां-पियरे ने कहा, हमें लगता है कि एरिक गासेर्टी इस महत्वपूर्ण भूमिका को निभाने के योग्य हैं, इसलिए राष्ट्रपति ने उन्हें नामित किया। राष्ट्रपति ने उन्हें इसलिए नामित किया क्योंकि उन्हें लगा कि उनके पास भारत में अमेरिकी राजदूत बनने का अनुभव है। भारत में अमेरिकी राजदूत के पद पर फैसला दो साल से अधिक समय से लंबित है।

भारत यात्रा पर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराएंगे ब्लिंकन : व्हाइट हाउस

नई दिल्ली, एजेंसी

व्हाइट हाउस ने बुधवार को कहा कि भारत की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराएंगे। ब्लिंकन (60) पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा के बाद बुधवार रात नयी दिल्ली पहुंचे। वह मुख्य रूप से जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्से लेने के लिए भारत आए हैं, जिसके इतर वह क्वाड (चतुष्पक्षीय संवाद समूह) देशों के अपने समकक्षों के साथ बैठक करेंगे और उनके साथ एक पैनल चर्चा में भी हिस्सा लेंगे। क्वाड में अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने वाशिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, विदेश मंत्री ब्लिंकन अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत करने को लेकर प्रतिबद्धता दोहराएंगे और दोनों देशों के बीच आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने तथा सहयोग का विस्तार करने के लिए क्वाड जैसे समूहों में साथ मिलकर काम करना जारी रखने को लेकर भी प्रतिबद्धता जाहिर करेंगेह्व। ब्लिंकन विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। ब्लिंकन के नयी दिल्ली पहुंचते ही उनके उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, नमस्ते इंडिया। पटेल ने कहा, ह्यद्यमंत्री ब्लिंकन जी-20 एफएमएम (विदेश मंत्री बैठक) में हिस्सा लेने और अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए नयी दिल्ली पहुंचे हैं, जिसकी (साझेदारी की) नींव लोकतंत्र तथा नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय प्रणाली के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सहित हमारे साझा मूल्यों पर रखी गई है।

यूनान में ट्रेन दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 38 हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

मध्य ग्रीस में तीन दिन पहले दो ट्रेनों के बीच आमने-सामने की टक्कर में मरने वालों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है, जबकि 57 लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। ग्रीक फायर सर्विस ने यह जानकारी दी है। छह लोगों को गहन देखभाल में भर्ती कराया गया है। ग्रीक फायर सर्विस के प्रवक्ता वासिलियोस वाथरकोगियानिस ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि लारिसा शहर के पास अभी भी खोज और बचाव अभियान चल रहा है, मरने वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने बुधवार शाम को टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रीस की अब तक की सबसे भीषण ट्रेन दुर्घटना में पीड़ितों में ज्यादातर युवा थे। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ग्रीक प्रधान मंत्री ने कहा कि देश के राज्य मंत्री गियोर्गोस गेरापेट्राइटिस, कोस्टास करमनलिस के इस्तीफे के बाद, वसंत में होने वाले आम चुनाव तक संक्रमणकालीन बुनियादी ढांचा और परिवहन मंत्री के रूप में काम करेंगे। दुर्घटना के कारणों की पूरी तरह से जांच करने और रेलवे परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी की जांच करने के लिए विशेषज्ञों की एक स्वतंत्र, क्रॉस-पार्टी कमेटी भी स्थापित की जाएगी। मित्सोताकिस ने कहा कि राष्ट्रीय रेलवे के दो अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि आपदा के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है, अब तक की जानकारी से संकेत मिलता है कि यह मानवीय त्रुटि के कारण हुआ था। ट्रेन ड्राइवर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, कोस्तस जेनीदौनियास ने ईआरटी को बताया कि रेलवे संचालन में पुरानी कमियां थीं, जिन्हें दूर किया जाना चाहिए। देश में तीन दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है।

शरीफ जनगणना पर चिंताओं को करेंगे दूर: सिद्दिकी

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार की सहयोगी मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) ने दावा किया है कि डिजिटल जनगणना के बारे में उनकी मांग पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वयं कहा है कि घर-घर जाकर जनगणना पूरी होने तक इसकी तारीख बढाने का फैसला किया गया है। एमक्यूएम-पी के संयोजक खालिद मकबूल सिद्दीकी ने प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद समाचार पत्र डॉन से बात करते हुए कहा, प्रधान मंत्री साहिब ने हमारी मांगों पर सहमति व्यक्त की और कहा कि कराची में ऊंची इमारतों को एक इकाई के रूप में नहीं माना जाना चाहिए और डिजिटल जनगणना की तारीख बढ़ायी जानी चाहिए। बुधवार शाम हालांकि इस रिपोर्ट के दाखिल होने तक पार्टी के दावे के बारे में प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। महीने भर चलने वाली घर-घर डिजिटल जनगणना अभियान 01 मार्च को शुरू हुआ, जबकि सातवीं

आवास और जनसंख्या जनगणना के तहत 20 फरवरी को शुरू की गई स्व-गणना की सुविधा शुक्रवार को समाप्त होने वाली थी। उन्होंने कहा कि ऊंची इमारतों को एक इकाई के रूप में नहीं माना जाएगा। श्री सिद्दीकी ने कहा कि कराची में एक बहुमंजिली अपार्टमेंट इमारत को एक इकाई के रूप में गिनने की प्रथा के कारण सैकड़ों-हजारों आवास इकाइयां बिना गिने रह गईं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अपार्टमेंट के बजाय ऊंची इमारत (हाईराइज) के मुख्य द्वार को जनगणना में चिह्नित किया गया था। उन्होंने समझाया, ह्यकुछ ऊंची इमारतों में सैकड़ों अपार्टमेंट हैं फिर भी उन्हें एक इकाई माना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप देश के वाणिज्यिक केंद्र में जनसंख्या की गणना गलत होती है। स्व-गणना सुविधा के लिए समय सीमा के बारे में एमक्यूएम-पी अध्यक्ष सिद्दकी ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा था कि यह सुविधा समयबद्ध नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे घर-घर जाकर डिजिटल जनगणना के माध्यम से पूरा होने तक जारी रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह सत्तारूढ़ गठबंधन के प्रमुख सहयोगी की मांगों पर उचित कार्रवाई करेंगे।

प्रिंस हैरी और मेगन को शाही महल से किया गया बेदखल, महारानी एलिजाबेथ ने दिया था गिफ्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन को ब्रिटेन के शाही महल विंडसर एस्टेट से बेदखल कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया है। अब प्रिंस हैरी के पास ब्रिटेन में कोई ठिकाना नहीं रह गया है। फिलहाल प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन अमेरिका में रह रहे हैं। बता दें कि विंडसर एस्टेट में स्थित फ्रोगमोर कॉटेज को दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने प्रिंस हैरी को शादी में बतौर तोहफा दिया था। फ्रोगमोर कॉटेज के पुनर्निर्माण

पर 2.4 मिलिनय पाउंड की राशि खर्च की गई थी। ब्रिटिश मीडिया के अनुसार, अब यह महल प्रिंस एंड्रयू को देने की पेशकश की गई है। प्रिंस एंड्रयू को मिलने वाली सालाना ग्रांट में ढाई लाख पाउंड की कटौती की जा सकती है। जिसके चलते प्रिंस एंड्रयू को अपने मौजूदा 30 कमरों वाले रॉयल लॉज को मजबूर हो सकते हैं। ड्यूक और डचेज ऑफ ससेक्स प्रिंस हैरी और मेगन मर्केल को जनवरी में ही इस महल को खाली करने के निर्देश दे दिए गए हैं। बता दें कि प्रिंस हैरी अपनी पत्नी मेगन के साथ साल 2020 में अमेरिका के कैलिफोर्निया में शिफ्ट हो गए थे और प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी ने शाही दर्जा भी छोड़ दिया था। इसके बाद प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन नेटफ्लिक्स की एक डॉक्यूमेंट्री में दिखाई दिए। इस डॉक्यूमेंट्री में प्रिंस हैरी ने राजशाही को लेकर कई खुलासे किए थे, जिसे लेकर काफी हंगामा हुआ था। बीते दिनों प्रिंस हैरी की बायोग्राफी स्पेयर बाजार में आई। इस किताब की रिकॉर्ड प्रतियां बिक चुकी हैं लेकिन इस किताब में प्रिंस हैरी ने कई ऐसे खुलासे किए, जिसे लेकर उनकी आलोचना भी खूब हुई। बकिंघम पैलेस ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। प्रिंस हैरी की तरफ से भी इस मामले में अभी तक कुछ नहीं कहा गया है।

चुनाव अदालत का फैसला इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई के लिए एक नैतिक जीत.....

पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट ने थोड़ी सी छूट के साथ समय पर चुनाव कराने का दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में चुनावों को लेकर चली लंबी खींचतान के बाद पाकिस्तान की शीर्ष अदालत ने दोनों प्रांतों में संविधान के मुताबिक 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने का आदेश दिया है। अदालत ने दोनों प्रांतों में चुनाव की तारीख की घोषणा में देरी के संबंध में पिछले हफ्ते खुद ही संज्ञान लेकर कार्यवाही शुरू की थी। पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा विधानसभाओं को 14 और 18 जनवरी को इमरान खान की अगुवाई वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने देश में समय से पहले आम चुनाव कराने के लिए भंग कर दिया था। मुख्य न्यायाधीश उमर अता बांदियाल की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने तीन के बहुमत से निर्णय जारी किया निर्णय ने दो प्रांतों में चुनावों का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। वर्तमान में अंतरिम सरकारों द्वारा इन प्रांतों को चलाया जा रहा है।

अदालत ने यह भी फैसला सुनाया कि नौ अप्रैल को चुनाव कराने के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के आदेश पंजाब विधानसभा के लिए बाध्यकारी होंगे, लेकिन खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के लिए नहीं, क्योंकि बाद में राज्यपाल द्वारा भंग कर दिया गया था, जबकि पूर्व नहीं था। शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया कि अगर राज्यपाल ने विधानसभा को भंग कर दिया, तो राज्यपाल चुनाव की तारीख की घोषणा करेंगे। शीर्ष अदालत ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के गवर्नर को प्रांतीय चुनाव की तारीख की घोषणा करने का आदेश दिया। फैसले में कहा गया है कि राष्ट्रपति और पाकिस्तान के चुनाव आयोग को परामर्श के बाद पंजाब के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करनी चाहिए। पीठ ने मंगलवार को सत्तारूढ़ गठबंधन, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई), राष्ट्रपति और अन्य के वकीलों के वकीलों सहित सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले का निष्कर्ष निकाला। अदालत का फैसला इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई के लिए एक नैतिक जीत है जिसने जल्द चुनाव की मांग की थी।

पाकिस्तान में एक दर्जन आतंकी संगठन मौजूद, उसे अमेरिका से कोई मदद नहीं मिलनी चाहिए: हेली

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली ने कहा है कि पाकिस्तान में कम से कम एक दर्जन आतंकवादी संगठन मौजूद हैं और इस देश को अमेरिका से मदद नहीं मिलनी चाहिए। साउथ कैरोलाइना की दो बार गवर्नर रह चुकीं हेली (51) ने साल 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए पिछले महीने औपचारिक रूप से अपना प्रचार अभियान शुरू किया था। हेली ने बुधवार को ट्वीट किया, ह्लपाकिस्तान में कम से कम एक दर्जन आतंकवादी संगठन मौजूद हैं। उसे किसी तरह की मदद नहीं मिलनी चाहिए। पिछले कुछ दिन से हेली अमेरिकी विदेश नीति पर बात करती रही हैं और उन्होंने जोर देकर कहा है कि अमेरिका को चीन व रूस के मित्र तथा सहयोगी देशों को कोई वित्तीय सहायता नहीं देनी चाहिए। इससे पहले, रविवार को न्यूयॉर्क पोस्ट के लिए लिखे गए एक लेख में हेली ने कहा था कि वह अमेरिका से नफरत करने वाले चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के लिए वित्तीय मदद बंद कर देंगी। रविवार ह्यफॉक्स न्यूजह्ल को दिए साक्षात्कार में उन्होंने अमेरिका के दो प्रतिद्वंदी देशों रूस और चीन के मित्र व सहयोगी देशों के लिए अमेरिकी मदद बंद करने की बात दोहराई थी।

नेपाल के प्रांत 1 को कोसी नाम दिया गया

नई दिल्ली, एजेंसी

नेपाल में तीन प्रमुख पार्टियों ने प्रांत 1 के नाम पर निर्णय लेकर छह साल से नाम को लेकर चल रहे विवाद को सुलझा लिया है। बुधवार रात यहां कोसी नदी के पूर्व के इलाके का नाम कोसी प्रदेश तय किया गया है। कोसी नाम रखने का प्रस्ताव प्रांतीय विधानसभा के दो-तिहाई से अधिक मतों द्वारा पारित किया गया था। प्रस्ताव को यूएमएल सांसद राम बहादुर राणा, कांग्रेस सांसद भूमि प्रसाद राजवंशी और यूएमएल के नीरन राय ने समर्थन दिया था। पक्ष में 82 मत पड़े जबकि विरोध में महज चार वोट पड़े। राज्य विधानसभा में कुल 93 सांसद हैं। कुछ दल मांग करते रहे थे कि प्रांत 1 का नाम जातीयता व क्षेत्रवाद के आधार पर रखा जाना चाहिए। हालांकि, इसे खारिज कर दिया गया। कोसी एक नदी है जो तिब्बत से निकलती है और नेपाल के पूर्वी क्षेत्र से होते हुए भारत में बिहार की ओर बहती है। कोसी नदी कोशी प्रांत ही नहीं बल्कि नेपाल और उत्तर भारत के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। नेपाल में कुल 7 प्रांत हैं। प्रांतीय विधानसभा द्वारा पहली बार में ही 6 प्रांतों के नाम चुने जा चुके थे। प्रांत 1 का नाम द्वितीय प्रांत विधानसभा द्वारा दिया गया है। नेपाल के 7 प्रांतों में मधेश को छोड़ कर सभी प्रांतों के नाम भूगोल के आधार पर रखे गए हैं।

स्पेसएक्स ने अमेरिका, रूस और यूएई के अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी

स्पेसएक्स ने बृहस्पतिवार को नासा के लिए चार अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) रवाना किए। इनमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सुल्तान अल-नियादी भी शामिल हैं, जो एक महीने के लिए आईएसएस जाने वाले अरब जगत के पहले अंतरिक्ष यात्री हैं। केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से फाल्कन रॉकेट मध्यरात्रि के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर रवाना हुआ। यह रॉकेट छह महीने के मिशन पर रवाना हुआ है। पहले इन अंतरिक्ष यात्रियों को सोमवार को रवाना किया जाना था लेकिन अंतिम समय में इंजन प्रणाली में समस्या के कारण ऐसा नहीं हो पाया। ये अंतरिक्ष यात्री अक्टूबर से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में मौजूद जापानी दल की जगह लेंगे। अल-नियादी से पहले साल 2019 में संयुक्त अरब अमीरात के पहले अंतरिक्ष यात्री हाजा अल-मंसूरी पहली बार एक सप्ताह के लिए अंतरिक्ष स्टेशन गए थे। नियादी ने अंतरिक्ष स्टेशन की कक्षा में पहुंचने के बाद अरबी और फिर अंग्रेजी में आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ह्लरॉकेट की रवानगी अद्भुत थी। शानदार नियादी के अलावा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में जाने वाले यात्रियों में रूस के आंद्रे फेदियाएव और अमेरिका के वारेन होबर्ग व स्टीफ बोवेन शामिल हैं।

अमेरिकी सीमा अधिकारियों ने दो भारतीय नागरिकों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी सीमा अधिकारियों ने एक नौका के जरिए अवैध रूप से कनाडा से देश में दाखिल होने के लिए दो भारतीय नागरिकों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। अमेरिका के सीमा गश्त अधिकारियों ने मिशिगन राज्य में एलगोनेक के निकट तस्करी के प्रयास के दौरान इन पांच विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी है। सीबीपी ने कहा कि 20 फरवरी को देर रात सेंट क्लेयर नदी पर एक नौका को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करते हुए देखा गया, जिसके बाद तुरंत क्षेत्र में मौजूद अधिकारियों से संपर्क किया गया। अधिकारियों ने देखा कि दो प्रवासी ठंडे तापमान में, पानी में भीगे हुए थे और कांप रहे थे। उन लोगों ने अधिकारियों को बताया कि नाव से उतरते समय वे नदी में गिर गए थे। इसके बाद सभी पांच व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया गया और आगे की प्रक्रिया के लिए एक स्थानीय स्टेशन ले जाया गया। सीबीपी ने कहा, जांच के दौरान अधिकारियों को पता चला कि प्रवासियों में से दो भारत, एक नाइजीरिया, एक मैक्सिको और एक डोमिनिक रिपब्लिक से है।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह अपने परिवार के साथ भारत में

नई दिल्ली, एजेंसी

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह अपने परिवार के साथ भारत में हैं। भारत दौरे पर उनके साथ पूर्व महारानी कोमल, बेटी प्रेरणा और पूर्व राजघराने के सदस्य भी मौजूद हैं। पूर्व राजा के एक सहयोगी ने हिन्दुस्तान समाचार को बताया कि वह सोमवार को पूर्वी नेपाल में काकड़विट्टा सीमा से सिलीगुड़ी पहुंचे। उनके साथ करीबी और निजी सचिवों समेत 19 लोग हैं। उनके करीबी सूत्रों ने बताया कि पूर्व राजा शाह का दार्जिलिंग और सिक्किम के इलाकों का दौरा करने का कार्यक्रम है। राजशाही की समाप्ति के बाद पूर्व राजा शाह पहली बार राजनीतिक रूप से सक्रिय होने लगे हैं। एक महीने पहले उन्होंने सार्वजनिक रूप से पूर्वी नेपाल के झापा में एक राजनीतिक कार्यक्रम में भाग लिया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129